ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बल्लारी में जीन्स पार्क स्थापित किया जाएगा: एमबी पाटिल @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-10

18वां प्रवासी भारतीय दिवस-2025 सम्मेलन

भविष्य 'युद्ध' में नहीं बल्कि 'बुद्ध' में निहित है: मोदी

भुवनेश्वर, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व आज भारत की बात सुनता है और देश अपनी विरासत के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह बताने में सक्षम है कि भविष्य 'युद्ध' में नहीं, बल्कि 'बुद्ध' में निहित है।भुवनेश्वर में आयोजित '18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025' सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत सिर्फ लोकतंत्र की जननी ही नहीं है बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है।उन्होंने कहा कि आज दुनिया

भारत को सुनती है, जो न केवल अपने विचार रखता है बल्कि 'ग्लोबल साउथ' के विचार भी पेश करता है।

'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।मोदी ने कहा, ''अपनी विरासत की ताकत के कारण ही भारत दुनिया को यह बताने में सक्षम है कि भविष्य 'युद्ध' में नहीं, बल्कि 'बुद्ध' (शांति) में निहित है।''उन्होंने कहा, ''हम संकट की स्थिति में अपने प्रवासी समुदाय की मदद करना अपनी जिम्मेदारी समझते हैं, चाहे वे कहीं भी हों।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि 1947 में भारत की आजादी में प्रवासी भारतीयों ने अहम भूमिका निभाई थी और अब 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने इस लक्ष्य में प्रवासी भारतीय समुदाय से मदद का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि भारत न केवल युवा देश है बल्कि कुशल युवाओं का देश भी है।मोदी ने दुनिया भर में कुशल कामगारों की मांग का जिक्र करते हुए कहा, ''सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि जब भी भारतीय युवा विदेश जाएं, तो वे अपने साथ कौशल लेकर जाएं।''

उन्होंने भारत में आयोजित सफल जी-20 सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया को देश की विविधता का प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों में जी-20 बैठकें आयोजित की गईं।उन्होंने कहा, ''हमें विविधता सीखने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारा जीवन विविधता से भरा है।''प्रधानमंत्री ने भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा, ''मैंने हमेशा प्रवासी समुदाय को भारत का राजदूत माना है।'' उन्होंने कहा कि भारत अब 'विश्व बंधु' के रूप में जाना जाता है, इसे और मजबूत करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री '18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025' का उद्घाटन करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां जनता मैदान पहुंचे।अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान वह चार प्रदर्शनियों का उद्घाटन भी करेंगे। इसके बाद वह केंद्र तथा राज्य के मंत्रालयों व विभागों की प्रदर्शनियों और प्रचार स्टॉल का अवलोकन करेंगे। ▶10पर

जीनोम इंडिया डेटा का विमोचन

भारत बनेगा बायोटेक्नोलॉजी और फार्मा हब : पीएम

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जीनोमिक्स डेटा कॉन्क्लेव में जीनोम इंडिया डेटा के विमोचन के दौरान भारतीय शोध क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाने की बात की। इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना भारत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी और इसके परिणाम देश में बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च को नई दिशा देंगे।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत ने रिसर्च की दुनिया में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। 5 साल पहले जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया गया था। कोरोना महामारी की चुनौतियों के बावजूद हमारे ▶10पर

हिंदू धार्मिक स्थलों पर मस्जिदों का निर्माण 'घाव'

सर्जरी एक बार होगी और उसके लिए हमें तैयार रहना होगा : योगी

लखनऊ, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में शाही जामा मस्जिद विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अदालत के आदेश वाले सर्वेक्षण का जोरदार बचाव किया, ताकि दावों का पता लगाया जा सके कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने मस्जिद निर्माण के लिए हिंदू धार्मिक स्थलों पर कब्जे को एक घाव बताया और दावा किया कि इसकी सर्जरी की आवश्यकता है नहीं तो यह कैंसर में बदल सकती है।

नवंबर में 16वीं सदी की मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण संभल में हिंसक झड़पें हुईं। पाँच लोग मारे गए और लगभग 20 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। योगी ने कहा कि मैं किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हूं और उस जगह का सम्मान करता हूं जहां लंबे समय से प्रार्थनाएं होती रही हैं।' लेकिन अगर किसी समुदाय का प्रार्थना स्थल टूट जाता है तो इसकी कड़ी आलोचना की जानी चाहिए। देखिए कैसे संभल का इस्लामीकरण कर दिया गया है। हमारे धर्म के सभी चिन्हों को नष्ट कर दिया गया है, ढक दिया गया है और ठोस बना दिया गया है। 2017 से पहले वहां लगातार दंगे हुए।

योगी ने साफ तौर पर कहा कि सर्जरी एक बार होगी और उस सर्जरी के लिए हमें तैयार रहना होगा। सनातन धर्म के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए इसे दुनिया का सबसे पुराना विश्वास होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले लिखे गए हिंदू साहित्य में विष्णु के दसवें अवतार कल्कि के भविष्य के अवतार का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऋषि सदैव ज्ञान की उस धारा का प्रतिनिधित्व करता रहा है, जिसने समय-समय पर देश को नेतृत्व दिया, नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन तो हमेशा शिखर पर ही रहा है, इसलिए सनातन है...हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह वक्फ बोर्ड है या भू-माफियाओं का बोर्ड है। एक-एक इंच लैंड वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने श्री अयोध्या धाम के वासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है, उनको नैतिक रूप से वहां जाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मूल संविधान में कहीं भी सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द नहीं हैं। संविधान का गला घोटकर जो शब्द डाले गए हों, वे भारत के संविधान की आत्मा कैसे हो सकते हैं?

भारत-अफगानिस्तान के बीच हुई बातचीत

दुबई/नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को दुबई में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के साथ बातचीत की। यह किसी भारतीय विदेश सचिव और तालिबान के किसी वरिष्ठ अधिकारी के बीच पहली आधिकारिक रूप से स्वीकृत बैठक थी।यह मीटिंग ऐसे समय में हुई है, जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध बेहद तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। भारतीय विदेश सचिव और तालिबान के विदेश मंत्री की मुलाकात से पाकिस्तान को तगड़ी मिर्ची लगी है और यह बैठक इस्लामाबाद को टेंशन दे सकती है।

इस बैठक के बाद हर किसी के मन में सवाल आ रहा है कि आखिर भारत क्यों तालिबान के साथ बातचीत को तैयार हुआ? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं। ▶10पर

जमीनी स्तर पर पुलिसिंग में आने वाली चुनौतियों की पहचान के लिए अनुसंधान करें: अमित शाह

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीअ-रएंडडी) को जमीनी स्तर पर पुलिसिंग में आने वाली चुनौतियों की पहचान करने और उनके समाधान खोजने की दिशा में काम करने के लिए अनुसंधान करने का निर्देश दिया।

शाह का निर्देश राष्ट्रीय राजधानी में बीपीआरएंडडी में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए आया । बैठक में चर्चा के दौरान, गृह मंत्री ने कहा कि बीपीआरएंडडी , राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी), जेल अधिकारियों और फोरेंसिक विशेषज्ञों को अपराधों के तौर-तरीकों का विश्लेषण करना चाहिए।

शाह ने शोध अध्ययन और परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ सहयोग सहित बहु-हितधारक योगदान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस बलों को अधिकतम लाभ प्रदान करने के साथ-साथ पुलिस की सार्वजनिक छवि को सुधारने के लिए बीपीआरएंडडी परियोजनाओं और अध्ययनों के साथ-साथ प्रकाशनों के लिए वैश्विक रूप से विस्तारित दायरे और आउटरीच के निर्देश भी दिए।

गृह मंत्री ने पुलिसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 'मेक इन इंडिया' मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया और साथ ही समस्या की पहचान और प्रभावी समाधान के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली के हितधारकों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और मंत्रालय की अधिक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

गृह मंत्री ने ब्यूरो को इसके सुचारू संचालन के लिए समर्थन और सहायता का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने बीपीआरएंडडी के छह प्रभागों के साथ-साथ बाहरी इकाइयों (सीएपीटी भोपाल और सीडीटीआई), उनकी उपलब्धियों, चल रहे कार्यों और भविष्य की रूपरेखा ▶10पर

महाराष्ट्र सरकार में सबकुछ ठीक नहीं!

मुंडे की वजह से घिरे अजित पवार? अचानक पहुंचे दिल्ली, अमित शाह से हुई बात

मुंबई/नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपनी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री धनंजय मुंडे के एक करीबी सहयोगी की गिरफ्तारी को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बुधवार को मुलाकात की । महाराष्ट्र के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री मुंडे मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर आलोचनाओं के घेरे में हैं। एनसीपी नेता के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड के ज़रिए पुणे में क्राइम जांच डिपार्टमेंट के सामने 31 दिसंबर 2024 को आत्मसमर्पण किए जाने के बाद से विपक्षी पार्टियां लगातार मुंडे के इस्तीफे की मांग कर रही हैं। अजित पवार ने दिल्ली में अमित शाह के सरकारी आवास पर उनसे मुलाकात की और एक घंटे से ज्यादा समय तक केंद्रीय गृह मंत्री से बात की। मुंडे के आलोचक माने जाने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश धस भी विपक्ष के सुर में सुर मिलाते हुए नजर आ रहे हैं। वह भी सरपंच हत्या के मामले को लेकर मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बीड जिले के अष्टी से विधायक धस इस्तीफे की मांग को लेकर राज्यपाल सी।पी राधाकृष्णन से मिलने गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में भी शामिल थे।

इससे पहले धनंजय मुंडे ने भी अजित पवार से बात की थी। हालांकि उनका कहना था कि वो उन्हें नए साल की शुभकामनाएं देने के लिए गए थे। इसके अलावा इस दौरान उपमुख्यमंत्री को अपने विभाग की जानकारी भी दी। दूसरी तरफ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अजित पवार अपनी पार्टी के नेता धनंजय मुंडे पर किसी भी तरह के एक्शन के मूड में नहीं हैं। सूत्रों के हवाले से खबरें सामने आ रही हैं कि जब तक धनंजय मुंडे के खिलाफ सबूत नहीं मिल जाते, तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस मामले को लेकर पूर्व सांसद संभाजी राजे के नेतृत्व में एक सर्वदलीय ▶10पर

जैन बिजनेस नेटवर्क वी. कनेक्ट की बैठक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन वी कनेक्ट ने अपनी तीसरी कार्यकाल की बैठक बुधवार को जीतो कार्यालय में आयोजित की। यह बैठक जेएलडब्ल्यू की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना और मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्य समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम के सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया। बैठक की शुरुआत में एलटी टीम ने मैनेजिंग कमेटी टीम का परिचय दिया। पूनम वर्धमान ने अपनी 8 मिनट की प्रस्तुति में संतुलित पोषण, जागरूक जीवन और स्थायी आदतों के माध्यम से बीमारियों को उलटने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। शैक्षिक सत्र में पायल

वर्धमान ने 8 मिनट की प्रस्तुति के महत्व को समझाया और जीया जैन ने लक्ष्य प्राप्ति और वित्तीय स्वतंत्रता पर गहराई से चर्चा की। जीया ने एक ध्यान सत्र भी आयोजित किया, जो सदस्यों के लिए प्रेरणादायक रहा। बैठक का नेतृत्व अध्यक्ष सीमा शाह, उपाध्यक्ष मीना जैन और सचिव लीला पितलिया ने किया। सभी सदस्यों ने 30 सेकेंड का भाषण दिया। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ 30 सेकंड भाषण के लिए सुमन रांका को सम्मानित किया गया, विशेष प्रयास के लिए जीया जैन को और समयबद्धता के लिए मीनू जैन को पुरस्कृत किया गया। बैठक में 1 नए सदस्य को शामिल किया गया, जिससे समूह का विस्तार हुआ। बैठक के अंत में सामूहिक उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रगान के साथ बैठक संपन्न हुई और उसके बाद सदस्यों के बीच नेटवर्किंग सत्र आयोजित हुआ। यह सत्र व्यवसायिक संबंधों को सुदृढ़ करने और समूह की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए बेहद प्रभावी रहा।

प्रेक्षाप्रवाह कार्यशाला का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
साध्वी श्री संयमलता जी के सानिध्य में हासन तेरापंथ महिला मंडल ने केंद्र द्वारा निर्देशित दो कार्यशालाएं श्री उत्सव और प्रेक्षा प्रवाह सफलतापूर्वक आयोजित की। गत 22 दिसम्बर को श्री उत्सव का आयोजन किया गया था। साध्वी श्री संयमलता जी का भी उसी दिन हासन पदार्पण हुआ था। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि डॉ. बबिता जैन और सीएस पूजा कोठारी को बुलाया गया था।

जिन्होंने रिबन कट करके कार्यक्रम की शुरुआत की। साध्वी ने सभी बहनों को मंगल प्रेरणा दी। डॉ. बबीता जैन और पूजा कोठारी ने संक्षिप्त में अपना परिचय दिया। अध्यक्ष कौशल्या तातेड़, मंत्री पिंकी गुलगुलिया और महिला मंडल की सदस्यों ने डॉक्टर बबीता और पूजा को सम्मानित किया। बहनों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ विभिन्न आइटम्स के स्टाल लगाए थे, जिसमें लगभग 10 - 11 फूड स्टॉल थे। इसके अलावा ज्वेलरी, ड्रेस, गेम्स, पेंटिंग के स्टॉल थे। इसी प्रकार प्रेक्षाप्रवाह शांति एवं शक्ति का आयोजन बुधवार को साध्वी जी के सानिध्य में हुआ। नवकार मंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सर्वप्रथम अध्यक्ष कौशल्या तातेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए स्वागत उद्बोधन दिया। साध्वी मार्दव यशा जी ने प्रेक्षा ध्यान के प्रयोग करवाए। फिर साध्वी संयमलता ने प्रेक्षा ध्यान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि दुख और खुशी दोनों हमारे ही भीतर हैं। यह हम पर निर्भर करता है कि हम किसे चुनते हैं। इस बात को एक घटना के माध्यम से सभी को अवगत कराया। यह भी कहा कि केवल योग प्रेक्षा ध्यान के बारे में सुनने मात्र से कुछ नहीं होगा। हमें पूर्ण लाभ चाहिए तो हमें स्वयं योग और प्रेक्षा ध्यान करना होगा। अपने जीवन को सपूर्ण सफल बनाने के लिए और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें स्वयं में झांकना होगा। ज्योति तातेड़ और नेहा तातेड़ ने एक छोटे से स्कीट के माध्यम से सभी को तेरापंथ प्रेक्षा ध्यान के नए ऐप के बारे में जानकारी दी। ममता कोठारी ने इस ऐप के बारे में विस्तार से बताया। संचालन ज्योति तातेड़ ने किया।

एनडीए सरकार गैर–भाजपा शासन में राज्य सरकारों को पर्याप्त फंड नहीं दे रही: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार गुरुवार सुबह तमिलनाडु के कुंभकोणम के लिए रवाना हुए और प्रत्यंकर होम में भाग लिया। अपनी पत्नी उषा के साथ हेलीकॉप्टर से रवाना हुए डीके शिवकुमार ने श्री महा प्रत्यंगिरा देवी मंदिर में विशेष पूजा और होम गतिविधियों में भाग लिया। वैकुंठ एकादशी से पहले डी.के.शिवकुमार मंदिरों के दर्शन करने गए, जिससे लोगों में उत्सुकता बढ़ गई। हाल ही में राज्य की राजनीति में कई तरह की गतिविधियां चल रही हैं। इस बीच डीके शिवकुमार दर्शन करने चले गए। तमिलनाडु में, डीके

शिवकुमार का स्थानीय मेयर सरवनन, तंजावुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष लोकनाथन, कांग्रेस नेता कृष्णास्वामी, वेंकटेश और अन्य ने स्वागत किया। वहीं, डीके शिवकुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार गैर–भाजपा शासन में राज्य सरकारों को पर्याप्त फंड नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि टैक्स वितरण में भी अन्याय हो रहा है।

प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड ने नेमीचंद दलाल को प्रांतीय महामंत्री और पुखराज आंचलिया को प्रांतीय कोषाध्यक्ष किया नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री ऑल इण्डिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक प्रांत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बुरड को नई दिल्ली जैन कॉन्फ्रेंस की ओर से कर्नाटक प्रान्त के अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर आगामी कार्यकाल हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड ने नेमीचंद दलाल को प्रांतीय महामंत्री और पुखराज आंचलिया को प्रांतीय कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया। इसके पूर्व कर्नाटक प्रान्त के मुख्य चुनाव अधिकारी गौतमचंद जैन ने जैन कॉन्फ्रेंस के नव निर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी

सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर कर्नाटक प्रान्त के निवर्तमान अध्यक्ष पुखराज मेहता, निवर्तमान महामंत्री सुरेंद्र आंचलिया, कन्हैयालाल सुराणा, पदमचंद आछा, सज्जन लुंकड़, रणजीत धोका, निवर्तमान युवा अध्यक्ष विकास कोठारी, नव निर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों में रतनचंद सिंघी, गौतमचंद धारीवाल, अशोककुमार धोका, किशोरकुमार दलाल, महेंद्रकुमार मुणोत, दिनेश पोखरना, किरणकुमार गोलेच्छा, मनोज कुमार सोलंकी, सुनील लोढ़ा, मनोहर रांका, विशाल छल्लाणी, अजय धोका व अन्य की उपस्थिति रही। राजेश मुथा एवं जसवन्तकुमार गन्ना को प्रमाण पत्र भी दिये गये। नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बुरड ने कहा कि शीघ्र ही एक सशक्त टीम का गठन किया जाएगा और सभी के सहयोग और आशीर्वाद से कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेंस इस कार्यकाल में कुछ अच्छे कार्य करने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ेगी।

कई अंगों के काम करना बंद कर देने से बाघिन की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिवमोग्गा के पास त्यावरेकोप्पा में टाइगर एंड लॉयन सफारी में बुधवार रात 17 वर्षीय बाघिन अंजनी की कई अंगों के काम करना बंद कर देने से मौत हो गई। अंजनी की मौत के साथ ही बाघों की संख्या छह से घटकर पांच हो गई है।

वर्तमान में एक नर बाघ और चार बाघिनें चिड़ियाघर–सह–सफारी में हैं और लोगों के देखने के लिए उपलब्ध हैं। त्यावरेकोप्पा स्थित चिड़ियाघर–सह–सफारी के कार्यकारी निदेशक अमराक्षरा एमवी ने कहा कि इसे 2022 में मैसूरु के पास कूर्गल्ली गांव के बचाव केंद्र से लाया गया था। शुरू में इसे सफारी में लोगों के देखने के लिए रखा गया था। जब इसकी मांसपेशियां खराब होने लगीं, तो इसे एक साल पहले लोगों के देखने के लिए नहीं रखा गया। इसने अपनी ताकत खो दी थी और पशुपालक को इसे हर रोज खिलाना पड़ता था, क्योंकि यह भोजन करने में असमर्थ थी। उन्होंने कहा कि अंजनी बहुत आज्ञाकारी थी और पशुपालक के आदेशों का पालन करती थी। फिलहाल विजय, निवेदिता, पूर्णिमा, सीता और दशमी चिड़ियाघर–सह–सफारी में हैं। लेकिन विजय प्रजनन के लिए बहुत बूढ़ा है और बाघिन और विजय के बीच कोई अनुकूलता नहीं थी।

देश के अन्य चिड़ियाघरों से प्रजनन जोड़ी लाने के प्रयास जारी हैं। महाराष्ट्र के चिड़ियाघर और मेंगलूरु के पास पिलिकुला जैविक उद्यान के साथ चर्चा चल रही है। शिवमोग्गा के सरकारी पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पशु चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम ने चिड़ियाघर के पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ मिलकर पोस्टमार्टम किया।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने

विद्यार्थियों के लिए स्वच्छता सुविधाएँ बनाने की परियोजना को सफलतापूर्वक किया पूरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने शहर के के.आर. मार्केट स्थित वाणी विलास गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए नई स्वच्छता सुविधाएँ बनाने की परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह पहल स्कूल में खराब स्वच्छता स्थितियों को सुधारने की तत्काल आवश्यकता से पैदा हुई थी, जहाँ मौजूदा सुविधाएँ दयनीय स्थिति में थीं। साइट विजिट के दौरान, महावीर इंटरनेशनल के सदस्य खराब स्वच्छता स्थितियों से स्तब्ध रह गए और युवा विद्यार्थियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता सुविधाएँ प्रदान करने की कसम खाई। मारुति मेडिकल्स के महेंद्र मुणोत, गुरु पुनवानी डेवलपर्स के संजय बैद, डॉ. सोलंकी और जी.एम. इलेक्ट्रिकल्स के संदीप जैन सहित उदार दाताओं के समर्थन से, टीम

ने स्कूल के लिए अत्याधुनिक स्वच्छता सुविधा प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास किया। नए शौचालयों के अलावा, स्कूल के स्वच्छता और सफाई को और बढ़ावा देने के लिए एक सैनिटरी डिस्पोजल मशीन से भी सुसज्जित किया गया है। यह बहुत जरूरी अपग्रेड था, क्योंकि लड़कियाँ पहले ऐसी सुविधाओं का इस्तेमाल कर रही थीं जो स्वच्छता से कोसों दूर थीं। बुधवार को उद्घाटन समारोह एक खुशी का अवसर था, जहाँ छात्र, शिक्षक और कर्मचारी सभी नई सुविधाओं का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरुआत महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए की, जिसके बाद स्कूल के प्रिंसिपल ने भावपूर्ण भाषण दिया, जिसमें उन्होंने इस बदलाव के लिए आभार व्यक्त किया। यह परियोजना अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया, संयुक्त सचिव आशीष बाफना के साथ पूरी हुई। अन्य वरिष्ठ समिति सदस्य उपाध्यक्ष मनोज बाफना, दिनेश लोढ़ा, राजेश जैन, पदम बुरत, कंचन जैन, अशोक गांधी, दिव्या पिरगल और दीप्ति बाफना थे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तब हुआ जब दानदाताओं में से एक महेंद्र मुणोत ने मंच संभाला। शिक्षा और स्वच्छता के महत्व के बारे में भावुकता से बोलने के अलावा, मुणोत ने अपनी पंचलाइन और कविता से छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्य अतिथि, चामराजपेट की पार्षद कोकिला चंद्रशेखर इस समारोह में भाग लेकर अभिभूत थीं। इस मौके पर बच्चों को किताबें वितरित की गईं।

अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु केंद्र के तत्वावधान में वाणीविलास राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में 26वां अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 200 से अधिक छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने लाभ उठाया। लाभार्थियों के साथ कर्नाटक जोनल चेयरमैन सुशील तलेसरा, मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, उपाध्यक्ष मनोज बाफना एवं महावीर इंटरनेशनल के अन्य वरिष्ठ सदस्य दिनेश लोढ़ा, आशीष बाफना, पदम बुराट, अशोक गांधी, राजेश जैन, कंचन जैन, दिव्या पिरगल, दीप्ति बाफना आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया। संस्था अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने सभी लाभार्थियों एवं सेवाभावी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जय कर्नाटक द्वारा विजयानंद नगर में अन्नम्मा देवी, बड़ी महाकाली अम्मा उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया, एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। जय कर्नाटक के गंगाधर एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

माओवादियों द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय में आत्मसमर्पण करने में कुछ भी गलत नहीं: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण करने में कुछ भी गलत नहीं है। छह माओवादियों के आत्मसमर्पण की प्रक्रिया को सुगम बनाने के बारे में आपत्तियों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा समाज को यह संदेश दिया जाना चाहिए कि किसी को भी नक्सली गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए। जब वे मुख्यमंत्री के सामने आत्मसमर्पण करते हैं, तो यह राज्य में सभी को पता चल जाता है। सरकार ने नक्सलियों को बदलने का अवसर प्रदान किया है। इसमें क्या गलत है? मंत्री कर्नाटक भाजपा महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने बुधवार को सिद्धरामैया सरकार पर छह माओवादियों के आत्मसमर्पण की सुविधा देने के लिए निशाना साधा था और कहा था कि यह शहरी नक्सलियों को बनाने की एक चाल है। परमेश्वर ने कहा, भाजपा विधायक सुनील कुमार के निर्वाचन क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां काफी हैं। क्या करकला में एएनएफ (नक्सल विरोधी बल) नहीं है? जब नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, तो उनके पास कोई हथियार नहीं था। उन्होंने अपने हथियार छोड़ दिए हैं, और पुलिस जांच करेगी कि उन्होंने उन्हें कहां फेंका। राज्य में नक्सली गतिविधियों में 99 प्रतिशत की कमी आई है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से कुछ तमिलनाडु और केरल के हैं। हमारे मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ अन्य राज्यों में भी मामले हैं, और उन राज्य सरकारों को भी निर्णय लेना चाहिए। श्रृंगेरी के मुंडागरु से मुंडागरु लता, कलासा के बालेहोल से वनजाक्षी, मेंगलूरु के पास कुटलुरु से सुंदरीर, रायचूर से मरप्पा जयन्ना अरोली, तमिलनाडु से वसंता टी. उर्फ रमेश और केरल से टी. एन. जीशा ने बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया

के गृह कार्यालय कृष्णा में उनकी मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। 13 जनवरी को होने वाली कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा मुझे एजेंडे के बारे में जानकारी नहीं है। पार्टी के भीतर चल रही कलह और एससी–एसटी विधायकों की बैठक स्थगित होने की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही सीएलपी बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा पार्टी में कोई भ्रम नहीं है। एससी/एसटी सम्मेलन के बारे में बैठक कई कारणों से स्थगित की गई, जिसमें एआईसीसी नेताओं की भागीदारी भी शामिल है। उन्होंने कहा चूंकि एआईसीसी नेताओं ने हमें अपनी भागीदारी के बारे में सूचित किया है, इसलिए बैठक स्थगित कर दी गई है। एआईसीसी को हम पर भरोसा नहीं है, इसका सवाल ही नहीं उठता। आप सुबह एक बात और शाम को दूसरी बात कहकर भरोसे के मुद्दे पैदा कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुझसे बात की। कोई गुप्त बैठक नहीं है। हम अपने मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठकें बुलाते हैं और मैंने उन्हें इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि वह एक तारीख सुझाएंगे और हम उसी के अनुसार बैठक करेंगे। बैठक को लेकर चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने जवाब दिया इससे कौन चिंतित है? जहां तक मुझे पता है, कोई चिंता नहीं है। किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैंने पहले भी यह स्पष्ट रूप से कहा है। मैंने कभी नहीं कहा कि हम पार्टी के बाहर सम्मेलन आयोजित करेंगे। क्या मैं हर अटकल का जवाब दे सकता हूं? अलग–अलग लोग अलग–अलग तरीकों से स्थितियों का विश्लेषण करते हैं। क्या उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कभी कहा है कि वह मेरे बारे में चिंतित हैं? कृपया निराधार दावे न करें। बुधवार को मैंने पूरे दिन उनके साथ कार्यक्रमों में भाग लिया। हमने एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कभी मेरे बारे में कोई चिंता नहीं जताई। दिल्ली में एआईसीसी के नए कार्यालय के बारे में उन्होंने कहा कार्यालय की आधारशिला 2009 में रखी गई थी। इसमें कई सालों तक देरी हुई। अब यह उद्घाटन के लिए तैयार है और 15 जनवरी को समारोह आयोजित किया जाएगा।

बल्लारी में जीन्स पार्क स्थापित किया जाएगा: एमबी पाटिल

154 एकड़ जमीन अधिग्रहित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने गुरुवार को घोषणा की कि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बल्लारी के पास साजनजीरायणकोट में एक जींस पार्क स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एआईसीसी नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा करने के लिए परियोजना के लिए 154 एकड़ भूमि पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है।

परियोजना की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, पाटिल ने कहा कि प्रस्तावित पार्क में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कंपनियों द्वारा अपनी उपस्थिति स्थापित करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अनिश्चितता ने बल्लारी में जींस उद्योग को बढ़ावा देने का अवसर पैदा किया है। उन्होंने कहा बांग्लादेश में अस्थिर स्थिति ने निवेशकों और निर्यातकों को विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है और बल्लारी एक अनुकूल गंतव्य के रूप में उभरा है। हमारा लक्ष्य जींस क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित करके इसका लाभ उठाना है।

बल्लारी में 500 से अधिक जींस निर्माण इकाइयाँ हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं। उद्योग विभाग कपड़ा विभाग की सहायता से इस क्षेत्र को एक संगठित निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रहा है। पाटिल ने कहा कि जींस निर्माण इकाइयों के लिए संभावित प्रोत्साहन विकल्पों पर चर्चा करने के लिए जल्द ही कपड़ा मंत्री के साथ बैठक की जाएगी। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने बल्लारी के जींस उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों और नियोक्ताओं से बातचीत की। उन्होंने उन्हें जींस पार्क स्थापित करने का आश्वासन दिया और बाद में परियोजना के कार्यान्वयन के संबंध में 1 अगस्त, 2023 को उद्योग विभाग को पत्र लिखा। पाटिल के अनुसार, वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अनुकूल है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने फरवरी 2024 में पेश किए गए राज्य बजट में भी इस पहल की घोषणा की।

पाटिल ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य बल्लारी में जींस उद्योग को एक संरचित ढांचे के तहत व्यवस्थित करके वैश्विक मानकों तक पहुंचाना है।

इससे पहले कर्नाटक राज्य सरकार के उपक्रम मैसूरु सेल्स इंटरनेशनल लिमिटेड (एमएसआईएल) ने सार्वजनिक पर्यटन क्षेत्र में कदम रखकर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने यात्रा पैकेजों की एक श्रृंखला का अनावरण किया, जो संगठन के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ।

पिछले दो दशकों से सरकारी अधिकारियों के लिए विशेष रूप से अध्ययन दौरे आयोजित करने वाला यह उपक्रम अब आम जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए किफायती, अभिनव यात्रा समाधान प्रदान करना है। अपने व्यापक अनुभव और विश्वसनीय प्रतिष्ठा का लाभ उठाते हुए, एमएसआईएल मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण यात्रा सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, एमबी पाटिल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एमएसआईएल की पेशकशें किफायती और गुणवत्ता का मिश्रण हैं, जो जनता के लिए सुरक्षा, आराम और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती हैं। पहल की एक खास विशेषता किचन कॉन्सेप्ट है, जो समूह यात्रियों के लिए घरेलू, स्वच्छ भोजन की गारंटी देती है। एक सरकारी उपक्रम के रूप में एमएसआईएल की प्रतिष्ठा भरोसे और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है, जो इसे भारतीय परिवारों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बनाती है। सार्वजनिक पर्यटन में इस कदम के साथ, एमएसआईएल का लक्ष्य सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए किफायती यात्रा को फिर से परिभाषित करना है।

शाह द्वारा अंबेडकर के बारे में की गई टिप्पणी के खिलाफ

हुब्बल्ली धारवाड़ बंद के आह्वान को मिली अच्छी प्रतिक्रिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बी.आर. अंबेडकर के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में दलित संगठनों द्वारा हुब्बल्ली धारवाड़ बंद के आह्वान को गुरुवार को दोनों शहरों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

बंद में स्वैच्छिक भागीदारी की अपील के जवाब में केंद्रीय व्यापारिक जिलों और अन्य जगहों पर दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन बसें सड़कों से नदारद रहीं। 102 संगठनों और एसोसिएशनों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी ने भी शाह की टिप्पणी की निंदा करने और उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग करने के लिए बुलाए गए बंद को समर्थन दिया था। सुबह-सुबह दलित संगठनों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सदस्य शहर के विभिन्न हिस्सों में मोटरसाइकिलों पर बंद के आह्वान के लिए समर्थन मांगते देखे गए। कई लोग केंद्रीय व्यापारिक जिले में बी.आर. अंबेडकर के पोस्टर पकड़े हुए जुलूस में चलते देखे गए। दरअसल, 8 जनवरी को संगठनों ने स्वयंसेवकों को ऑटोरिक्शा में शहर भर में जाने के लिए नियुक्त किया था, ताकि वे गुरुवार के बंद के आह्वान की घोषणा कर सकें और उनका समर्थन मांग सकें। गुरुवार को अधिकांश विक्रेता बाजार में नहीं आए, और जो आए, उनसे अनुरोध किया गया कि वे शाम 6 बजे तक अपना व्यवसाय न करें।

सुबह 10 बजे तक, कई इलाकों में विरोध मार्च शुरू हो गए, जिसमें महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। विभिन्न संगठनों के सदस्य अमित शाह के विरोध में मोटरसाइकिलों पर निकले। अधिकांश होटल और रेस्तरां बंद रहे, जबकि सुबह के समय खुलने वाले कुछ रेस्तरां ने बाद में अपने शटर गिरा दिए। एहतियात के तौर पर अधिकारियों ने सार्वजनिक परिवहन बस सेवा को निलंबित कर दिया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की सलाह के अनुसार एहतियात के तौर पर स्कूलों ने छुट्टी घोषित कर दी थी। कई कॉलेजों ने भी छुट्टी घोषित कर दी थी। अधिकांश ऑटोरिक्शा सड़कों से नदारद रहे। सार्वजनिक परिवहन के अभाव में, कार्यालय जाने वाले लोगों को उनके परिवार के सदस्य छोड़ने आए, जबकि कुछ लोग पैदल ही अपने कार्यालय गए।

राज्य खेल 17-23 जनवरी तक मेंगलूरु, उडुपी में होंगे आयोजित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गोविंद राजू ने घोषणा की कि सप्ताह भर चलने वाले राज्य खेल 2025 आगामी 17 से 23 जनवरी तक मेंगलूरु और उडुपी में आयोजित किए जाएंगे। यहां गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा पहले राज्य ओलंपिक के नाम से जाना जाने वाला यह आयोजन अब राज्य खेल 2025 के नाम से जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस आयोजन के लिए बजट में 5 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसकी योजना दो साल पहले बनाई गई थी। यह आयोजन उडुपी और मेंगलूरु दोनों में आयोजित किया जाएगा। स्पीकर यू टी खादर ने कहा खेलों में मेंगलूरु, उडुपी, मणिपाल और बेंगलूरु में 25 कार्यक्रम होंगे। मेंगलूरु में 12 कार्यक्रम, उडुपी में 8, मणिपाल में 3 और बेंगलूरु में 2 कार्यक्रम होंगे। कुल 3,247 एथलीट पुरुष और महिला वर्ग में 631 स्वर्ण, 631 रजत और 827 कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मेंगलूरु में बैडमिंटन, बास्केटबॉल, तलवारबाजी, फुटबॉल, हैंडबॉल, खो-खो, नेटबॉल, तैराकी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, वुशू और ताइक्कांडो जैसे खेल आयोजित किए जाएंगे। उडुपी/मणिपाल में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, जूडो, कबड्डी, कुश्ती, कयाकिंग, कैनोइंग, हॉकी, लॉन टेनिस और टेबल टेनिस के खेल आयोजित किए जाएंगे। जिमनास्टिक और शूटिंग के कार्यक्रम बेंगलूरु में आयोजित किए जाएंगे। राज्य खेलों का उद्घाटन 17 जनवरी को मेंगलूरु में होगा, जबकि समापन समारोह 23 जनवरी को उडुपी के अजरकाडु में आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त (डीसी) मुल्लई मुहिलान ने कहा हमने एथलीटों के लिए कार्यक्रम स्थलों के पास 631 छात्रावास के कमरे सुरक्षित कर लिए हैं।

परिवहन और भोजन की व्यवस्था भी की गई है। उडुपी डीसी विद्या कुमारी ने कहा हमने एथलीटों के आवास के लिए एमएएचई मणिपाल छात्रावास और बीसीएम सामाजिक कल्याण छात्रावासों में 750 कमरे सुरक्षित कर लिए हैं।

अधिकारी युवा निधि के लिए अधिक योग्य उम्मीदवारों की करें पहचान: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युवा निधि गारंटी के तहत पंजीकृत 1,97,060 पात्र उम्मीदवारों में से 1,61,883 को 216.83 करोड़ रुपये का बेरोजगारी भत्ता वितरित किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को अधिकारियों से और अधिक पात्र उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए कदम उठाने को कहा।

कृष्णा स्थित अपने गृह कार्यालय में कौशल, उद्यमिता और आजीविका विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए उन्होंने विभाग के लिए आवंटित 1864 करोड़ रुपये के कोष में से मात्र 1,235 करोड़ रुपये खर्च किए जाने पर असंतोष व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सरकार द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण, जो 50 वर्ष पूरे कर चुके हैं, को पारंपरिक संस्थानों के रूप में उन्नत करने का काम पूरा करें, जिसके लिए बजटीय आवंटन 100 करोड़ रुपये था।

योग्य उम्मीदवारों के लिए रोजगार संभव है, यदि उनके पास आवश्यक कौशल है और युवा निधि योजना के तहत पंजीकृत युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से बजट में घोषित 20,000 आईटीआई छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण के त्वरित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा इंदिरा कैंटीन चलाने के लिए औपचारिक प्रस्ताव प्रस्तुत करें, जैसा कि कॉफी प्रतिष्ठानों में किया जा रहा है।

सिद्धरामैया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

दो केंद्रीय मंत्री मौजूदा अध्यक्ष विजयेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ने के इच्छुक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अगर राज्य भाजपा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होता है, तो दो केंद्रीय मंत्री मौजूदा अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना और शोभा करंदलाजे ने अपने सहयोगियों को चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। केंद्र में मंत्री होने के बावजूद राज्य की राजनीति में अधिक रुचि रखने वाले सोमन्ना और शोभा करंदलाजे ने वरिष्ठों से अपील की है कि वे चुनाव में खड़े होने के बजाय उन्हें सीधे प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनें। कहा जा रहा है कि मौजूदा स्थिति में चुनाव होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन यह कोई रहस्य नहीं है कि इन दोनों मंत्रियों की नजर अध्यक्ष पद पर है। विजयेंद्र का विरोध कर रहे यत्नाल गुट ने भी शोभा या सोमन्ना को मैदान में उतारने के बारे में सोचा है। ज्यादातर जिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव विजयेंद्र गुट के प्रति वफादार हैं, इसलिए कहा जा रहा है कि चुनाव की कोई संभावना नहीं है। चुनाव हुए भी तो पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने इसके लिए जरूरी तैयारियां भी कर ली हैं। उनका बेटा किसी भी कारण से अध्यक्ष पद से वंचित न रह जाए, इसके लिए वह पहले ही अपने करीबियों से एक दौर की चर्चा कर चुके हैं। हालांकि सोमन्ना और शोभा की नजर राज्य की राजनीति पर है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए उन्हें कैबिनेट से बाहर रखना मुश्किल है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार के समय जातिगत गणना के आधार पर कर्नाटक के लिए कोटा तय किया गया था। ओक्कालिगा समुदाय से शोभा करंदलाजे और वीरशैव समुदाय से वी. सोमन्ना को सीटें दी गईं। कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं की मोदी से अचानक राज्य की राजनीति में वापसी की अपील के बावजूद प्रधानमंत्री का इस पर सहमत होना मुश्किल है। 2028 के कर्नाटक विधानसभा को ध्यान में रखते हुए भारी विरोध के बीच विजयेंद्र को अध्यक्ष पद दिया गया है। अगर विजयेंद्र को अचानक बदला जाता है तो संभावना है कि पार्टी से दूर हो चुके वीरशैव लिंगायत समुदाय के वोट और बंट सकते हैं।

निलंबित डीएसपी रामचंद्रप्पा के खिलाफ एक और उत्पीड़न की शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को निलंबित पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पी. रामचंद्रप्पा के खिलाफ एक और यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज की, जो वर्तमान में तुमकुरु जिला जेल में बंद हैं। शिकायत गुरुवार को मधुगिरी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी, और मामला दर्ज कर लिया गया है। 4 जनवरी को, कर्नाटक कोर्ट ने रामचंद्रप्पा को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, क्योंकि उन्हें कथित तौर पर अपने कार्यालय के शौचालय में एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में कैमरे पर कैद किया गया था। घटना के बाद, कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने अधिकारी के खिलाफ निलंबन आदेश जारी किए। अपनी शिकायत में, दूसरी पीड़िता ने विस्तार से बताया कि कैसे रामचंद्रप्पा ने धोखाधड़ी के एक मामले में न्याय मांगने के लिए उनके कार्यालय का दौरा किया, जिसे उसने राज्य महिला आयोग की सिफारिश पर दायर किया था। पीड़िता एक विवाहित महिला है, जिसे एक प्रभावशाली व्यक्ति से जुड़े एक संपत्ति सौदे में 12 लाख रुपये की ठगी का शिकार होना पड़ा। राज्य महिला आयोग के समक्ष इस मुद्दे को उठाने के बाद, उसे पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। पीड़िता ने दावा किया कि रामचंद्रप्पा किसी न किसी कारण से उसे पुलिस स्टेशन में बुलाता था। शिकायतकर्ता ने कहा जब मैं पुलिस स्टेशन गई, तो रामचंद्रप्पा ने मेरे पति को बाहर इंतजार करने के लिए कहा और मेरा यौन उत्पीड़न किया। इससे पहले 35 सेकंड की लीक हुई फुटेज में वर्दीधारी आरोपी को शिकायतकर्ता के साथ उसके शौचालय में आपत्तिजनक हरकत करते हुए दिखाया गया था। इस घटना ने और भी चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि मधुगिरी शहर तुमकुरु जिले में आता है, जो राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर का गृह क्षेत्र है। वीडियो में दिख रही महिला ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता अधिनियम की धारा 68 (पद का दुरुपयोग करते हुए किसी व्यक्ति द्वारा यौन संबंध बनाना), 75 (यौन उत्पीड़न) और 79 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

मनमोहन सिंह के निधन के कारण

स्थगित गांधी भारत कार्यक्रम 21 जनवरी को किया गया पुनर्निर्धारित: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी मनाने के लिए गांधी भारत कार्यक्रम 21 जनवरी को बेलगावी में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 26 दिसंबर को बेलगावी में हुई थी। जबकि गांधी भारत समारोह 27 दिसंबर को होना था। 26 दिसंबर की रात को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। 21 जनवरी को सबसे पहले बेलगावी में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने का सरकारी कार्यक्रम होगा, जिसमें सभी दलों के विधायकों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद एआईसीसी द्वारा आयोजित 'जय बापू - जय भीम - जय संविधान' कार्यक्रम होगा। 2025 की योजनाओं पर सीडब्ल्यूसी की बैठक के दिशा-निर्देशों के अनुसार, हम कार्यक्रम को फिर से शुरू कर रहे हैं। सात दिन का शोक था और हम तब कुछ भी नहीं कर सकते थे। इस कार्यक्रम में सभी विधानसभा क्षेत्रों से कम से कम 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाग लेना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम से पहले 13 जनवरी को केपीसीसी की आम सभा की बैठक होगी। इसके बाद केपीसीसी पदाधिकारियों का कार्यक्रम होगा और उसके बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक होगी। उपमुख्यमंत्री ने विस्तृत व्यवस्था के लिए समय की कमी को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि वे 21 जनवरी को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बाध्य थे, क्योंकि एआईसीसी ने 26 जनवरी को मध्य प्रदेश के महू में कार्यक्रम की योजना बनाई थी, जो डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जन्मस्थली है।

उन्होंने कहा कि कुछ पुस्तकों के विमोचन के सुझाव भी मिले हैं, जिनमें 1924 के बेलगावी सत्र की पृष्ठभूमि, उस समय लिए गए प्रमुख निर्णय आदि शामिल हैं।

शुभ लाभ DAILY

भाजपा ने माओवादियों को शाही सुविधा देने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने माओवादियों को शाही व्यवहार देने और उनके आत्मसमर्पण में मदद करने के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए हैं। भाजपा एमएलसी एन. रविकुमार ने कहा अगर कर्नाटक में माओवादी पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर रहे हैं और उनके मुद्दों का समाधान हो रहा है, तो यह अच्छी बात होगी। लेकिन क्या मुख्यमंत्री को उन्हें आत्मसमर्पण करवाने में भूमिका निभानी चाहिए थी? उनका सीएम कार्यालय में आत्मसमर्पण करना कितना सही है? उन्होंने आत्मसमर्पण कार्यक्रम के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार के साथ-साथ मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी पर भी चिंता जताई और सवाल किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का यह कदम कितना उचित था। उन्होंने कहा माओवादियों के पुलिस विभाग के सामने सीधे आत्मसमर्पण करने की संभावना थी, लेकिन इसके बजाय मुख्यमंत्री और गृह मंत्री ने ऐसा करने में मदद की। यह चिंता का विषय है। एमएलसी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार ने शहीद पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों के जीवन के बारे में सोचा है। रविकुमार ने राज्य सरकार द्वारा आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को पैकेज प्रदान करने के तर्क पर सवाल उठाया। भले ही आजीविका सहायता प्रदान करने की आवश्यकता हो, लेकिन क्या यह ऐसा करने का सही तरीका है? क्या उनके खिलाफ सभी मामले खारिज कर दिए जाएंगे? कुछ के खिलाफ 15 मामले हैं, अन्य के खिलाफ 10 या पांच मामले हैं। उनमें से कई ने पुलिस अधिकारियों और नागरिकों की हत्या की है। लूटपाट के मामले भी हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए, उन्होंने पूछा कि क्या राज्य सरकार की कार्रवाई उचित थी। उन्होंने यह भी संदेह जताया कि कांग्रेस सरकार का दावा है कि ये राज्य में अंतिम छह माओवादी हैं। क्या इसका समर्थन करने के लिए कोई सबूत है? क्या अभी भी अन्य लोग आत्मसमर्पण कर सकते हैं? उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को पैकेज प्रदान करने के निर्णय की समीक्षा की जानी चाहिए। इससे पहले कर्नाटक भाजपा के महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार ने छह माओवादियों के आत्मसमर्पण की सुविधा के लिए सिद्धारामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की, और कहा कि यह शहरी नक्सल बनाने का एक कदम है। माओवादी गतिविधि से प्रभावित करकला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सुनील कुमार ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह चिंताजनक घटनाक्रम है। कुमार ने जोर देकर कहा यह जंगलों में सक्रिय माओवादियों को शहरी नक्सली बनाने का प्रयास है। कई वर्षों से नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) में तैनात पुलिसकर्मी उनके खिलाफ दिन-रात अभियान चलाते रहे हैं और इस घटनाक्रम से उनका मनोबल गिरेगा। उन्होंने कहा आत्मसमर्पण प्रक्रिया को सुगम बनाने वाला शांतिगागी नागरिक वेदिके (शांति के लिए नागरिक मंच) शहरी नक्सलियों से संबंधित संगठन है। इसके अलावा सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पैकेज की भी घोषणा की है। शांतिगागी नागरिक वेदिके ने आत्मसमर्पण प्रक्रिया को सुगम बनाया।

भाजपा में गुटबाजी तेज

प्रदेश अध्यक्ष का पूर्व विधायकों और मंत्रियों के साथ रात्रिभोज आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य भाजपा में गुटबाजी की उत्सुकता बढ़ने के बाद अध्यक्ष विजयेंद्र ने शुक्रवार को पूर्व विधायकों और मंत्रियों के लिए डिनर पार्टी बुलाई है। विजयेंद्र ने शुक्रवार को कैपिटल होटल में पूर्व विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के लिए डिनर पार्टी का आयोजन किया है और सभी को बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। ऊपरी तौर पर कहा जा रहा है कि यह पार्टी संगठन को लेकर बैठक है, लेकिन कहा जा रहा है कि इसमें भाजपा के भीतर चल रहे घटनाक्रम पर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि बैठक में विधायक बसनगौड़ा पाटिल यत्नाल, रमेश जारकीहोली, बीपी हरीश, पूर्व सांसद जीएम सिद्धेश, अन्ना साहेब जोले और अन्य द्वारा की गई अलग बैठक के विकल्प के तौर पर लिए जाने वाले फैसलों पर चर्चा होगी। विजयेंद्र गुट का कहना है कि बैठक आगामी जिला और तालुक पंचायत चुनाव, बीबीएमपी सहित पार्टी संगठन पर चर्चा के लिए बुलाई गई है। उन्होंने साफ किया कि इसमें कोई खास बात नहीं है। लेकिन भाजपा सूत्रों के मुताबिक पता चला है कि अगर विजयेंद्र प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुने जाते हैं तो वह अपने करीबियों से ऐसी स्थिति में उनका समर्थन करने की अपील करेंगे। मौजूदा ताकत के हिसाब से विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष बने रहने की संभावना ज्यादा है। कहा जा रहा है कि विरोधी यत्नाल गुट से किसी भी उम्मीदवार के चुनाव लड़ने की संभावना बहुत कम है। यत्नाल गुट विजयेंद्र के खिलाफ केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे को मैदान में उतारने की लगातार कोशिश कर रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए राष्ट्रीय नेताओं का भी समर्थन मिला है।

बस और दो लॉरियों के बीच टक्कर में चार लोगों की मौत

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के दो तीर्थयात्रियों समेत चार लोगों की उस वक्त मौत हो गई, जब गुरुवार को तड़के तमिलनाडु के रानीपेट में सिपकोट के पास ओल्ड मद्रास-बेंगलूरु रोड पर कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस और दो लॉरियों के बीच टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कोलार के तीर्थयात्री एन. सोमशेखर (30) और वी. कृष्णप्पा (65), लॉरी के चालक और क्लीनर वी. मंजूनाथ (32) और एस. शंकर (32) के रूप में हुई है, जो चित्तूर, आंध्र प्रदेश से सब्जी की खेप लेकर आ रहे थे। पुलिस के मुताबिक, कोलार के रहने वाले 38 वर्षीय एस. नारायणस्वामी ने सिंघाहल्ली गांव से 120 लोगों के लिए चेन्नई के पास मेलमारुवथुर आदि पराशक्ति मंदिर तक तीर्थयात्रा का आयोजन किया था। इसके लिए केएसआरटीसी की चार बसों में टिकट बुक किए गए थे। तीर्थयात्री मेलमारुवथुर से लौट रहे थे, जब केएसआरटीसी की एक बस के चालक ने कथित तौर पर अन्य तीन बसों को पकड़ने के लिए एक लॉरी को ओवरटेक करने की कोशिश की और विपरीत दिशा से आ रही सब्जियों से लदी एक अन्य लॉरी से टकरा गई। बस के पीछे की लॉरी भी उससे टकरा गई। गश्ती पुलिस और अन्य मोटर चालकों ने घायल व्यक्तियों को वालाजाह शहर के सरकारी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया। रानीपेट एसआईपी-सीओटी पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने के लिए क्रेन मंगवाई। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। रानीपेट कलेक्टर जे. यू. चंद्र कला और पुलिस अधीक्षक विवेकानंद शुक्ला ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायल व्यक्तियों से मुलाकात की। रानीपेट एसआईपीसीओटी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

यौन उत्पीड़न वीडियो मामला

कोर्ट ने पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ आरोप तय करने पर लगाई रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को सनसनीखेज यौन उत्पीड़न वीडियो मामले में पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया और निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह बेंगलूरु सेंट्रल जेल में बंद आरोपी प्रज्वल के खिलाफ 16 जनवरी तक आरोप तय न करे। इससे पहले उसके खिलाफ आरोप तय करने की तारीख 13 जनवरी तय की गई थी। पीठ ने इस संबंध में प्रज्वल रेवन्ना द्वारा प्रस्तुत याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश पारित किया। हालांकि, पीठ ने निचली अदालत को मामले की सुनवाई 16 जनवरी तक जारी रखने का निर्देश दिया है।

प्रज्वल रेवन्ना ने अपनी याचिका में अपने ड्राइवर से एकत्र किए गए फोटो और वीडियो के रूप में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के लिए अनुरोध प्रस्तुत किया।

ड्राइवर ने कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना के निजी सेलफोन से निजी वीडियो और फोटो की नकल की थी। अतिरिक्त विशेष लोक अभियोजक बी.एन. जगदीश ने उच्च न्यायालय को बताया कि प्रज्वल रेवन्ना को पेन ड्राइव और डीवीडी पहले ही उपलब्ध करा दी गई है और वह

फोन में पाए गए संपूर्ण डेटा और सामग्री की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया कि प्रज्वल रेवन्ना ने मुकदमे में देरी करने के इरादे से यह दलील दी है। प्रज्वल रेवन्ना के वकील ने कहा कि उन्हें सभी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई। पीठ ने बदले में सवाल किया कि सामग्री की आवश्यकता क्यों है, क्योंकि कई महिलाओं की गोपनीयता शामिल है। अभियोजन पक्ष ने प्रज्वल रेवन्ना पर धारा 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 354 (बी) (महिला के कपड़े उतारने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 354 (सी) (किसी महिला के निजी कृत्य के दौरान उसकी तस्वीर देखना या कैद करना), 376 (2) (एन) (पुलिस अधिकारियों और अन्य लोक सेवकों द्वारा एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करना), 376 (2) (के) (महिला पर नियंत्रण या प्रभुत्व की स्थिति में होना, बलात्कार करना), 506 (आपराधिक धमकी), 201 (साक्ष्यों को गायब करना) आईपीसी और आईटी एक्ट की धारा 66 (ई) के तहत आरोप लगाए हैं। प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े यौन उत्पीड़न वीडियो मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने विधायकों/सांसदों के लिए विशेष अदालत में 1,691 पन्नों का आरोप पत्र पेश किया। आरोप पत्र में उल्लेख किया गया था कि पीड़िता के साथ बंदूक की नोक पर बलात्कार किया गया था। बलात्कार की घटना का वीडियो बनाया गया था और पीड़िता को उसके वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर बार-बार यौन उत्पीड़न किया गया था। यह भी उल्लेख किया गया है कि पीड़िता ने डर के कारण शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं की थी।

कांग्रेस पार्टी में कोई संकट नहीं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कांग्रेस में अंदरूनी कलह की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि पार्टी में कोई संकट नहीं है। बेंगलूरु में राज्य कांग्रेस इकाई कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शिवकुमार से जब पार्टी के अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा हमारी पार्टी में कोई संकट नहीं है। अगर कोई संकट है, तो वह आपके (मीडिया) साथ होना चाहिए। किसने दावा किया है कि हमारी पार्टी में कोई संकट है?

सत्ता के वितरण के बारे में अलग-अलग बयानों की रिपोर्टों पर, उन्होंने स्पष्ट किया कोई विरोधाभासी बयान नहीं हैं। कांग्रेस में, मैं पार्टी के मामलों का प्रबंधन करता हूं, जबकि सरकारी मामलों पर मुख्यमंत्री के फैसले अंतिम होते हैं। अन्य बयानों का कोई महत्व नहीं है। मंत्री के.एन. राजन्ना की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि रात्रिभोज बैठक को रद्द करना दलित विरोधी ताकतों के कारण था उन्होंने कहा मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है। मैं इस पर गौर करूंगा और उचित समय पर जवाब दूंगा। विधान परिषद की सदस्यता के लिए नामांकन के बारे में उन्होंने कहा इसके लिए अभी समय है। हमने यह मामला मुख्यमंत्री को सौंप दिया है। सभी रिक्त पदों के लिए नामांकन एक साथ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री आलाकमान के नेताओं से सलाह-मशविरा करने के बाद निर्णय लेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई की इस टिप्पणी पर कि डी.के. शिवकुमार का धैर्य जल्द ही जवाब दे जाएगा, शिवकुमार ने कहा मैं इस मामले को एक अन्य प्रेस कॉन्फ्रेंस में अलग से संबोधित करूंगा। किसने क्या कहा, इसकी सूची तैयार करें और मैं सभी को जवाब दूंगा। फिलहाल, मैं उन्हें नए साल की शुभकामनाएं देता हूं। मैं उन्हें एक सुई-धागा भेजूंगा ताकि वे पहले अपने टूटे हुए घर को ठीक कर सकें। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर द्वारा एससी-एसटी विधायकों, सांसदों और मंत्रियों के लिए आयोजित रात्रिभोज बैठक के रद्द होने से सभी नाराज हैं। बुधवार को सूत्रों ने पुष्टि की कि उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने पार्टी आलाकमान के माध्यम से बैठक रद्द करवाई। गृह मंत्री की रात्रिभोज बैठक बुधवार को एक निजी होटल में होने वाली थी। यह डिनर मीट सीएम सिद्धारमैया द्वारा 34 विधायकों और सात मंत्रियों की बैठक के कुछ दिनों बाद आयोजित की जानी थी। 2 जनवरी को हुई यह बैठक उस समय हुई जब डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार देश से बाहर थे।

कर्नाटक के अपमान के आरोपी भाजपा विधायक के खिलाफ बेलगावी में शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक रक्षण वेदिके के सदस्यों ने बेलगावी में भाजपा नेता अभय पाटिल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तिलकवाड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज अपनी शिकायत में केआरवी समन्वयक दीपक गुडागनट्टी ने कहा कि पाटिल ने बेलगावी के अंगोल में संभाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के लिए महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले को आमंत्रित किया था। राज्य प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया और कर्नाटक के मंत्रियों और स्थानीय नेताओं को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि मंच बनाने और प्रतिमा स्थापित

करने के लिए कर्नाटक सरकार के फंड का इस्तेमाल किया गया था। कार्यक्रम के लिए आमंत्रित भीड़ और मेहमानों, जिनमें भोसले और अन्य शामिल थे, ने कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने कर्नाटक सरकार और उसकी संस्कृति का अपमान किया। महाराष्ट्र के नेताओं ने लगातार दौरे भाषाई विभाजन को बढ़ाते हैं और भाषा के आधार पर नफरत को बढ़ाते हैं। शिकायत में कहा गया है कि पाटिल शहर में शांति और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। गुडागनट्टी और अन्य लोगों ने पुलिस उपायुक्त रोहन जगदीश से मुलाकात की और विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

सड़क हादसे में एक परिवार के दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। रामनगर में गुरुवार सुबह केएसआरटीसी बस से मोटरसाइकिल टकराने से एक परिवार के दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना रामनगर और कनकपुरा के बीच अचलु गांव में हुई। मोटर चालक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कनकपुरा से रामनगर जा रहा था। विपरीत दिशा से आ रही केएसआरटीसी बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दुर्घटना हो गई। बेंगलूरु में एक दुखद दुर्घटना में, कई टन एल्युमीनियम पिलर ले जा रहे एक आयशर ट्रक के पलट जाने से छह लोगों की जान चली गई। शहर की ओर जा रहे ट्रक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया क्योंकि चालक ने आगे चल रहे वाहन से टक्कर से बचने की कोशिश की। तेज गति से यात्रा करते हुए, ट्रक ने अपना रास्ता बदल लिया, मध्य रेखा को पार कर लिया और तुमकुरु की ओर जा रही एक वोल्वो कार पर पलट गया। टक्कर भयावह थी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। रुकने से पहले, ट्रक ने एक टेम्पो को भी टक्कर मारी, जिससे कम से कम नुकसान हुआ। भयानक घटना, जिसमें ट्रक द्वारा वोल्वो को कुचलने का क्षण भी शामिल है, पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस अब दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए फुटेज का विश्लेषण कर रही है।

मेस्कॉम ने बिजली दरों में बढ़ोतरी का रखा प्रस्ताव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेस्कॉम ने कर्नाटक विद्युत विनियामक आयोग (केईआरसी) को सौंपे गए अपने प्रस्ताव में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.70 रुपये प्रति यूनिट की दर से टैरिफ वृद्धि का प्रस्ताव रखा है। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है, तो आने वाले साल में बिजली शुल्क में वृद्धि तय है। मेस्कॉम ने कहा कि मौजूदा टैरिफ दरें परिचालन लागत को कवर करने और राजस्व को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए अपर्याप्त हैं। कंपनी ने

प्रस्तावित वृद्धि पर जनता से अपनी आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया है। वर्तमान में, बिजली आपूर्ति लागत 9.23 रुपये प्रति यूनिट है, जबकि उपभोक्ता शुल्क 8.53 रुपये प्रति यूनिट है, जिसके परिणामस्वरूप 0.70 रुपये प्रति यूनिट की कमी है। मेस्कॉम के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इसका राजस्व 5,924.73 करोड़ रुपये था, जबकि व्यय 6,310.39 करोड़ रुपये था, जिससे 367.66 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित राजस्व 5,850.81 करोड़ रुपये है, लेकिन वास्तविक आवश्यकता 5,961.63 करोड़ रुपये है, जिससे 110.82 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। पहली बार, मेस्कॉम ने केईआरसी को बहु-वर्षीय टैरिफ संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस योजना में 2025-26 के लिए 0.70 रुपये प्रति यूनिट की वृद्धि, उसके बाद 2026-27 के लिए 0.37 रुपये प्रति यूनिट और 2027-28 के लिए 0.54 रुपये प्रति यूनिट की वृद्धि शामिल है। मेस्कॉम के प्रबंध निदेशक जयकुमार आर ने कहा बिजली शुल्क में वृद्धि अपरिहार्य है। मेस्कॉम ने इस संबंध में केईआरसी को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

केरल सरकार ने सबरीमाला को वैश्विक विरासत केंद्र बनाने के लिए 778.17 करोड़ की योजना को मंजूरी दी

तिरुवनंतपुरम(केरल), 09 जनवरी (एजेंसियां)।

केरल सरकार (त्रेध्र) ने सबरीमाला तीर्थ स्थल के लिए एक व्यापक लेआउट योजना को मंजूरी दे दी है, जिसमें पंपा और ट्रेक रूट शामिल हैं, गुरुवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने घोषणा की।

केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि 778.17 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ, परियोजना का खाका सुरक्षा बढ़ाने, तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने और सबरीमाला को वैश्विक विरासत केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखता है ।

एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल को लेते हुए, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, त्रेध्र ने सबरीमाला, पंपा और सबरीमाला मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित ट्रेक रूट के लिए लेआउट प्लान को मंजूरी दे दी है। 778.17 करोड़ रुपये के अनुमान के साथ, ब्लूप्रिंट में मौसम के दौरान भक्तों के लिए एक सुचारू और सुरक्षित तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र को 8 क्षेत्रों में विभाजित करने की परिकल्पना

की गई है सबरीमाला मंदिर में मकरविलकु उत्सव के दौरान भक्तों की भीड़भाड़ को रोकने की तैयारियों के तहत, 8 से 15 जनवरी तक सन्निधानम में स्पॉट बुकिंग सुविधा को प्रतिदिन 5,000 व्यक्तियों तक सीमित

करने का निर्णय लिया गया था। सबरीमाला मंदिर में त्यौहारों के मौसम में भीड़ के कुशल प्रबंधन के लिए केरल उच्च न्यायालय के निर्देश के तहत यह निर्णय लिया गया। देवस्वोम बोर्ड की वेबसाइट पर वर्चुअल कतार के माध्यम से बुकिंग 12 जनवरी को 60,000, 13 जनवरी को 50,000 और 14 जनवरी को 40,000 तय की गई है। भक्तों को पहाड़ी पर डेरा न लगाने की भी सलाह दी गई है। 14 जनवरी मकर ज्योति दिवस है।

भक्तों के लिए ज्योति को देखने के लिए 10 तारीख से पर्णशालाओं में इंतजार करना प्रथा है। इस कारण से, मकरविलक्कु के दिन होने वाली भीड़ से बचने के लिए तैयारियां चल रही हैं पुलिस द्वारा परनासल में बैठे श्रद्धालुओं के भोजन पकाने तथा अन्य गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देशों को लागू किया जाएगा। ज्योति दर्शन के लिए तैयार किए गए विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं।

पुलिस जुलूस मार्गों पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर रही है।

तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि पुलिस की तैयारियों की सफलता और सुचारू और सुरक्षित दर्शन सुनिश्चित करने का सबूत है। इस साल 15 नवंबर को तीर्थयात्रा शुरू होने से लेकर 5 जनवरी तक

रिकॉर्ड 39,02,610 अयप्पा भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए । पिछले साल इसी अवधि के दौरान 35,12,691 भक्तों ने दर्शन किए थे। राज्य पुलिस मीडिया सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, 30 दिसंबर को मकरविलकु सीजन शुरू होने से लेकर सोमवार तक 6,22,849 लोगों ने मंदिर में दर्शन किए।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के लिये अब तक 2.8 करोड़ पंजीकरण

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) कार्यक्रम के लिये अब तक देश-विदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से 2.79 करोड़ से अधिक पंजीकरण कराये गये हैं। यह जानकारी मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में दी गयी। पीपीसी का यह आठवां संस्करण है। इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण माईगोवडॉटइन पर 14 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुआ और 14 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा। परीक्षा के सीजन में विद्यार्थियों का तनाव कम करने के उद्देश्य से हर साल आयोजित किया जा रहा यह कार्यक्रम लोकप्रिय होता जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह इंटरैक्टिव कार्यक्रम शिक्षा का एक बहुप्रतीक्षित उत्सव बन गया है। मंत्रालय ने कहा है कि इस कार्यक्रम के लिये पंजीकरण के नये रिकॉर्ड बन रहे हैं और यह एक जन आंदोलन के रूप में इसकी लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीपीसी की भावना के अनुसार, 12 जनवरी, राष्ट्रीय युवा दिवस से 23 जनवरी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती तक पूरे देश में स्कूल स्तर पर कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें स्वदेशी खेल प्रतियोगिताएं, मैराथन दौड़, मीम प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, योग और ध्यान सत्र, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रेरणादायक फिल्मों का प्रदर्शन, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएं और परामर्श सत्र तथा कविता, गीत आदि का गायन-प्रदर्शन शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार, गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में परीक्षा और पढ़ाई को लेकर स्वस्थ तथा सकारात्मक सोच को मजबूत करना है और यह संदेश देना है कि पढ़ाई को आनंद के माध्यम और एक यात्रा के रूप में लिया जाना चाहिये।

सुकमा-बीजापुर सीमा पर मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

सुकमा, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा से लगे कोर माओवादी क्षेत्र में गुरुवार की सुबह सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ के दौरान तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया गया।

सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण ने तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के बारे में आगे की जानकारी ऑपरेशन पूरा होने के बाद अलग से जारी की जाएगी।

सुकमा डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार को शुरू किया गया यह ऑपरेशन, क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर किया

गया था। पूरे दिन छिटपुट गोलीबारी की खबरें मिलती रहीं।

इसबीच बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी ने कहा कि माओवादियों के कोर जोन में यह मुठभेड़ हो रही है। सुकमा डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त पुलिस पार्टी माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुई थी। इस अभियान के दौरान आज सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि मुठभेड़ स्थल और आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा बलों द्वारा सघन सर्चिंग भी जारी है। सुरक्षा बल फिलहाल मुठभेड़ स्थल और उसके आसपास गहन तलाशी अभियान चला रहे हैं।

ईडी ने हैसिंडा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े धोखाधड़ी मामले में

अंबाला, मोहाली, नोएडा में 75.16 करोड़ रुपये की 9 संपत्तियां जब्त कीं

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के अंबाला , पंजाब के मोहाली और उत्तर प्रदेश के नोएडा में 75.16 करोड़ रुपये की नौ अचल संपत्तियां जब्त की हैं। एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि हेसिंडा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड , इसके प्रमोटरों और निदेशकों और अन्य द्वारा की गई धोखाधड़ी के संबंध में

। ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने इन अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया जो कि थ्री सी प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और थ्री सी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर अंबाला और मोहाली में कृषि भूमि के रूप में हैं; और नोएडा में हेसिंडा इन्फोसॉफ्टेक प्राइवेट लिमिटेड और चैलेंजर वेब सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संस्थागत और वाणिज्यिक भूमि और नोएडा में एकरेज प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर निर्माणाधीन आवासीय फ्लैट और वाणिज्यिक कार्यालय स्थान 41110/2019 और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा हैसिंडा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीपीएल), इसके प्रमोटरों और निदेशक, अधिकारियों और अन्य के खिलाफ निवेशकों और घर खरीदारों की मेहनत की कमाई को डायवर्ट करने और अंततः उन्हें वादा किए गए फ्लैट नहीं देने के आरोप में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया है।

ईडी की जांच से पता चला है कि एचपीपीएल द्वारा नोएडा के

सेक्टर 107 में लोटस 300 परियोजना 2010-11 में 67,941.45 वर्ग मीटर के भूखंड पर शुरू की गई थी और उसी के अनुसार बिल्डर खरीदार समझौते निष्पादित किए गए थे। एजेंसी ने एक बयान में कहा,

धन की हेराफेरी के कारण परियोजना के लिए धन की कमी हो गई और यह पूरी नहीं हो सकी और कंपनी दिवालिया हो गई, जिससे निवेशकों के साथ-साथ नोएडा प्राधिकरण भी परेशान हो गया, जिसका बकाया भी एचपीपीएल द्वारा नहीं चुकाया गया।

पिछले साल 17 सितंबर से 20 सितंबर तक थ्री सी ग्रुप के निदेशक और प्रमोटरों से जुड़े विभिन्न परिसरों में तलाशी ली गई, जिससे 42 करोड़ रुपये की नकदी, हीरे और आभूषण, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस के रूप में अपराध की आय (पीओसी) बरामद हुई।

इसके अलावा, ईडी ने कहा, जांच से पता चला है कि थ्री सी यूनिवर्सल डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को दी गई धनराशि में से अधिकांश धनराशि थ्री सी प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, थ्री सी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैसिंडा इन्फोसॉफ्टेक प्राइवेट लिमिटेड, चैलेंजर वेब सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और एकरेज प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड सहित विभिन्न अन्य समूह कंपनियों को असुरक्षित ऋण के रूप में दी गई है, ताकि पीओसी से खरीदी गई संपत्तियों को हासिल किया जा सके और रखा जा सके। यानी निवेशकों का पैसा एचपीपीएल से निकाला गया, जिसे थ्री सी ग्रुप की समूह कंपनियों के माध्यम से स्तरित किया गया था और पंजाब और नोएडा में अचल संपत्ति के रूप में एकीकृत किया

गया था । यह इस मामले में दूसरा अनंतिम कुर्की आदेश है और इस मामले में कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 98.29 करोड़ रुपये है।

एयरो इंडिया के लिए राजदूतों की गोलमेज बैठक की अध्यक्षता करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले महीने होने वाली प्रतिष्ठित रक्षा प्रदर्शनी एयरो इंडिया से पहले शुक्रवार को यहां राजदूतों की गोलमेज बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 150 से अधिक मित्र देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों को निमंत्रण पत्र भेजा गया है। बैठक में उन्हें एयरो इंडिया 2025 के प्रमुख कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी जाएगी और संबंधित देशों के वरिष्ठतम नेतृत्व को रक्षा मंत्री की ओर से व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम

में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे।

एशिया के सबसे बड़े एयर शो एयरो इंडिया का 15वां संस्करण 10 से 14 फरवरी तक कर्नाटक के बेंगलुरु में वायु सेना स्टेशन, येलहंका में आयोजित किया जायेगा। पांच दिन की प्रदर्शनी में पूर्वावलोकन कार्यक्रम, उद्घाटन समारोह, रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन, सीईओ राउंड-टेबल, आईडीईएक्स स्टार्ट-अप समारोह, शानदार एयर शो, इंडिया पैवेलियन से युक्त एक बड़ा प्रदर्शनी क्षेत्र और वैमानिकी कंपनियों का एक व्यापार मेला आयोजित किया गया है। इसका मुख्य विषय 'अरबों अवसरों का रनवे' है।

प्रदर्शनी के पहले तीन दिन 10, 11 और 12 फरवरी व्यावसायिक दिन रहेंगे जबकि 13 और 14 फरवरी को सार्वजनिक दिन के रूप में लोग एयर शो देख सकेंगे। यह कार्यक्रम विदेशी और भारतीय कंपनियों के बीच भागीदारी और स्वदेशीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए वैश्विक मूल्य कड़ी में नयी संभावनाएं खोजने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

नयी दिल्ली विधानसभा में मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने को लेकर हो रही धांधली : आपा

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी (आप) ने नयी दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के ख़िलाफ़ गुरुवार को चुनाव आयोग से शिकायत की और कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने को लेकर धांधली हो रही है।

श्री केजरीवाल के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद संजय सिंह ने नई दिल्ली विधानसभा में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए शिकायत की। श्री केजरीवाल ने शिकायत के बाद पत्रकारों से कहा कि नई दिल्ली सीट पर 22 दिन में साढ़े पांच हज़ार वोट कटाने के आवेदन आ गए हैं। जिन 89 लोगों के

नाम से वोट काटने के आवेदन लगाए गए, उनमें से सामने आए 18 लोगों ने कह दिया कि उन्होंने आवेदन नहीं किया है। इसका मतलब है कि बहुत बड़े स्तर पर धांधली चल रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले पंद्रह दिन में 13 हजार नए वोट बनाने के लिए आवेदन कहां से आ गए। जाहिर तौर पर उत्तर प्रदेश -बिहार से लोगों को लाकर फर्जी वोट बनवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि साढ़े 18 प्रतिशत वोट यदि इधर से उधर कर दिया जायेगा, तो फिर चुनाव थोड़े ही है, नाटक है, तमाशा है।

श्री केजरीवाल ने कहा कि श्री वर्मा नौकरी मेला से लेकर तमाम तरह के प्रलोभन देकर मतदाताओं को प्रभावित कर रहे हैं, इसलिए उनको चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए।

चिंतन शिविर का कल उदयपुर में शुभारंभ

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी शुक्रवार को राजस्थान के उदयपुर में चिंतन शिविर का उद्घाटन करेंगी, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के महिला एवं बाल विकास विभागों के मंत्री भी शामिल होंगे।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि 10 से 12 जनवरी तक राजस्थान के उदयपुर शहर में चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रमुख पक्ष एक साथ एक मंच पर उपस्थित होकर देश भर में महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास एवं कल्याण से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करेंगे, ताकि उनसे निपटने के लिए सर्वोत्तम संभव समाधान निकाले जा सकें।

इस कार्यक्रम में श्रीमती अन्नपूर्णा देवी कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगी और चर्चा का नेतृत्व करेंगी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी शामिल होंगी।

इस कार्यक्रम में मंत्रालय की प्रमुख पहलों पर ध्यान केंद्रित करने वाले कई महत्वपूर्ण सत्रों में मिशन वात्सल्य, मिशन शक्ति और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण शामिल हैं। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से सर्वोत्तम अभ्यास प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

जनता को लूटकर पूंजीपतियों को फायदा दे रहा है मोदी का जीएसटी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के जरिए आम लोगों की जेब पर डाका डाल रही है और सामान्य लोगों से ज्यादा कर वसूल कर पूंजीपतियों की पूंजी में बढ़ोतरी कर रही है।

कांग्रेस नेता शक्ति सिंह गोहिल ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में

जीएसटी को आम लोगों के लिए आतंक करार दिया और कहा कि सरकार किसान से कॉटन पर एडवांस कर ले रही है तथा इसके बदले ब्याज भी नहीं दिया जा रहा है।

खेती किसानी में प्रयोग होने वाले उपकरणों और कीट नाशक रसायनों पर भारी कर लगाया जा रहा है और पूंजीपतियों को करों से राहत दी जा रही है।

गेहूं और चावल की पैदावार में आ सकती है गिरावट

जलवायु परिवर्तन को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी

नई दिल्ली , 09 जनवरी (एजेंसियां)।

जलवायु परिवर्तन देश की कृषि पर बड़ा असर डाल सकता है। जलवायु परिवर्तन को लेकर मौसम विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में चावल और गेहूं की पैदावार में 6 से 10 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। वहीं जलवायु परिवर्तन के चलते समुद्र का पानी गर्म हो रहा है। इसके चलते मछलियां गहरे समुद्र में ठंडे पानी में जा रही हैं। इसका असर मछुआरा समुदाय पर भी पड़ रहा है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से गेहूं और चावल दोनों की पैदावार में 6 से 10 प्रतिशत तक की कमी आएगी। इसका देश के किसानों और खाद्य सुरक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पश्चिमी विक्षोभ की आवृत्ति और तीव्रता कम हो रही है। इससे भी मौसम प्रणाली में बदलाव आ रहा है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग से भविष्य में हिमालय और उसके नीचे के मैदानी इलाकों में रहने वाले अरबों लोगों के लिए गंभीर जल संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु अनुकूल कृषि में राष्ट्रीय नवाचार (एनआईसीआरए) के अनुसार भारत में गेहूं की पैदावार में साल 2100 तक 6 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट आने का अनुमान है। वहीं चावल की पैदावार में साल 2050 तक सात प्रतिशत और 2080 तक 10 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कि समुद्र का तापमान बढ़ने से तट के पास मछली पकड़ने की मात्रा भी कम हो रही है। सचिव ने कहा कि इंसानों की तरह मछलियां भी ठंडा पानी पसंद करती हैं। जैसे-जैसे समुद्र का तापमान बढ़ता है, मछलियां तट से दूर ठंडे पानी की ओर जा रही हैं। इससे मछुआरा समुदाय के लिए बड़ी समस्याएं पैदा हो रही हैं और उनकी आजीविका पर असर पड़ रहा है।

महाकुम्भ में दिखेगी स्वच्छ सुजल गांव की तस्वीर

लखनऊ/महाकुम्भ नगर, 09 जनवरी (ब्यूरो)।

महाकुम्भ-2025 में देश-विदेश से आने वाले 40-45 करोड़ श्रद्धालु यूपी के स्वच्छ सुजल गांव की तस्वीर भी देखेंगे। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी रूबरू होंगे। 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा भी दिखेगी। 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी दिखेगी। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर श्रद्धालुओं को अवगत कराएगी। वहीं डिजिटल कॉर्नर में पहुंचकर उत्तर प्रदेश का हर नागरिक अपने गांव में जल, टैब, जलापूर्ति की वास्तविक स्थिति भी जान सकेंगे।

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसा लिया है। इस गांव का दर्शन 10 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा।

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर यह गांव 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसेगा। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। 47 दिन तक इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बदलाव की कहानी भी बयां करेंगी। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को वे बयां करेंगी। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिलेगी।

ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया जाएगा। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आएंगी। इसके जरिए संदेश दिया जाएगा कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद न करें, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम जल आरती भी होगी। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी होगा।

अतिथि देवो भवः भारत की परंपरा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी करेगा। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में जल प्रसाद भी दिया जाएगा। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी अध्ययन सामग्री आदि भी रहेगी।

इस गांव में डिजिटल स्क्रीन, डिजिटिल गेमिंग जोन लॉन्च किया जाएगा। गेम जोन का हिस्सा बनकर लोग जानेंगे कि स्वच्छ पेयजल के फायदे व दूषित पेयजल के नुकसान क्या हैं। लोग खेल-खेल में डिजिटली जान सकेंगे कि जल संरक्षण क्यों जरूरी हैं। डिजिटल कॉर्नर में आए यूपी के ग्रामीण एक क्लिक में अपने गांव में पानी, टैब, जलापूर्ति आदि से जुड़ी जानकारी की वास्तुस्थिति से भी अवगत हो सकेंगे।

महाकुम्भ 2025 : डिजिटल केंद्रों पर मिलेगा खोया सामान, मिलेगी घाटों की जानकारी

संगम क्षेत्र में कंप्यूटराइज्ड सुविधा के साथ दस खोया-पाया केंद्र सक्रिय

महाकुम्भ नगर, 09 जनवरी (ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भव्य महाकुम्भ की परिकल्पना को साकार करते हुए पुलिस ने दस डिजिटल खोया पाया केंद्रों की स्थापना की है। डिजिटल खोया पाया केंद्रों में वेटिंग रूम भी रहेंगे। इसके साथ ही चिकित्सीय सुविधाओं के लिए अलग से मेडिकल रूम बनाया गया है। महिलाओं और बच्चों के लिए रिफ्रेशमेंट एरिया की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सभी केंद्रों में 55 इंच का एलईडी स्क्रीन लगाया गया है। इसे पब्लिक एड्रेस सिस्टम से कनेक्ट किया गया है। खोए-पाए सामान और व्यक्तियों के बारे में लाइव जानकारी दी जाएगी। इतना ही नहीं इन केंद्रों पर महाकुम्भ से संबंधित घाटों और मार्गों के बारे में सारी व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी जाएगी।

एडीजी जोन भानु भास्कर ने बताया कि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। उनके आने-जाने और स्नान की सुरक्षित व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं की सहायता, सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 कंप्यूटराइज्ड खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं। संगम वापसी मार्ग के पश्चिमी छोर पर स्थित मुख्य मॉडल केंद्र में सामान्य दिनों में 5 कर्मचारी और स्नान पर्व के दौरान 9 कर्मचारी तैनात रहेंगे।

महाकुम्भ-2025 : सुरक्षा के लिए बनाए गए 123 वॉच टावर, तैनात हुए स्नाइपर

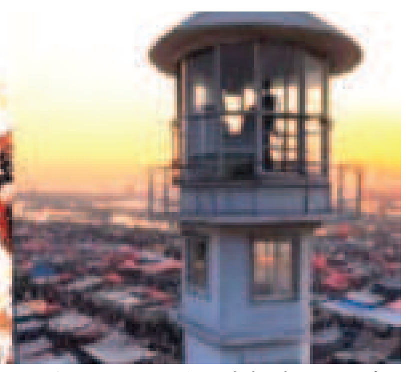

महाकुंभ नगर, 09 जनवरी (ब्यूरो)।

दिव्य और भव्य महाकुम्भ को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए प्रबंधन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। इस बार एआई तकनीक को पुलिस ने अपना हथियार बनाया है। 2700 से ज्यादा एआई सीसीटीवी महाकुम्भ नगर में लगाए गए हैं। वह सीधे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे और उसकी रिपोर्ट कंट्रोल रूम को देंगे। मेले के दौरान 37,000 पुलिसकर्मी और 14,000 होमगार्ड तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही एनएसजी, एटीएस, एसटीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी चौकसी बरत रही हैं। सीसीटीवी और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में हर कोना सुरक्षित है। यहां तक कि मेले में परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। पूरे मेला क्षेत्र में अब तक 123 वॉच टावर बनाए गए हैं, जहां स्नाइपर, एनएसजी, एटीएस और सिविल पुलिस के जवान तैनात हैं। वॉच टावरों को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि इनसे दूरबीन की मदद से पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा सके। हर वॉच टावर पर अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। सभी वॉच टावरों को ऊंचाई और रणनीतिक स्थानों पर स्थापित किया गया है ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो। पुलिस के साथ जल पुलिस और फायर ब्रिगेड भी पूरी तरह मुस्तैद हैं।

महाकुंभ मेले के डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि महाकुंभ में देश-विदेश से करीब 45 करोड़ श्रद्धालु, स्नानार्थी, कल्पवासी और पर्यटक आने की संभावना है। ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। मेले के सभी जोन और सेक्टर में अलग-अलग स्थानों पर वॉच टावर बनाए गए हैं। प्रवेश के सात मुख्य मार्गों पर भी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। अखाड़ा क्षेत्र, बड़े हनुमान मंदिर, परेड मैदान, वीआईपी घाट, अरैल, झूसी, और सलोरी जैसे संवेदनशील स्थानों पर विशेष वॉच टावर बनाए गए हैं। यहां तैनात जवान आधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस हैं।

यूपी के 7,696 गौ आश्रय स्थलों पर 12,35,700 निराश्रित गोवंश संरक्षित किए गए

लखनऊ, 09 जनवरी (ब्यूरो)।

प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड और शीतलहर को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने गौवंश संरक्षण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि किसी भी गौवंश की ठंड के कारण मृत्यु न हो। इसके लिए प्रदेशभर के गौ आश्रय स्थलों पर त्रिपाल, अलाव, चारा, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

योगी सरकार ने पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नियमित रूप से गौ आश्रय स्थलों का दौरा करें और वहां गौवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा, औषधि एवं देखभाल सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि हर गौ आश्रय स्थल पर कार्यरत केयरटेकर रात में वहीं रुकें और गौवंश की देखभाल के लिए आवश्यक कार्य सुचारू रूप से करें।

सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि जनपद स्तर पर नोडल अधिकारी गौ आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि चारा, भूसा,

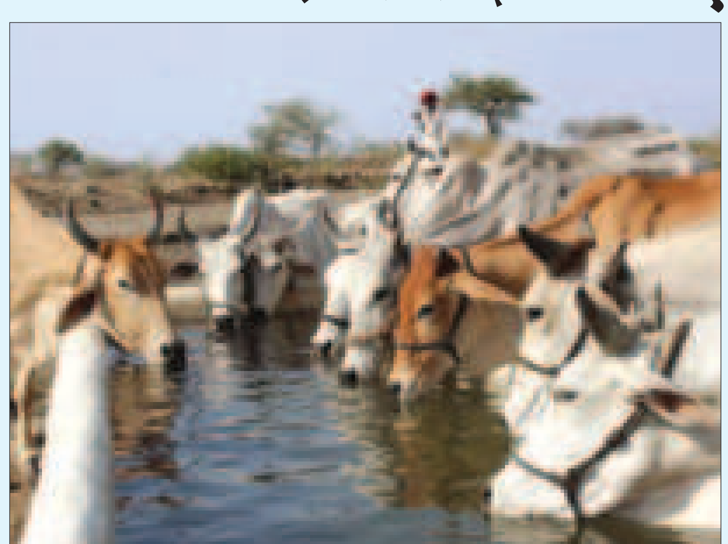

पानी, प्रकाश आदि की कोई कमी न हो। इसके अलावा, गौ संरक्षण केंद्रों की स्थापना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया है ताकि निराश्रित गौवंश को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके। सरकार ने ग्राम्य विकास विभाग और अन्य सहयोगी विभागों को निर्देश दिया है कि वे समन्वय बनाकर गौ संरक्षण के कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करें। चारागाह भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने और मनरेगा के माध्यम से बहुवर्षीय और सीजनल चारे की बुआई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

योगी सरकार ने सभी अवस्थापना संबंधी कार्यों को 25 फरवरी 2025 तक पूरा करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि कार्यदायी संस्थाएं मानक और लेआउट के अनुसार उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य करें। गौवंश शेड, पानी पीने की सुविधाएं, चारे का स्थान और खडंजा जैसी संरचनाओं को मजबूती और व्यवस्थित तरीके से तैयार किया जाए। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि जिन गौ आश्रय स्थलों में किसी प्रकार की अव्यवस्था या गौवंश की देखभाल से संबंधित शिकायतें प्राप्त होती हैं, वहां तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 7,696 गौ आश्रय स्थलों पर 12,35,700 निराश्रित गौवंश का संरक्षण किया जा रहा है। सरकार की मंशा इन आश्रय स्थलों की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि ठंड से बचाव के लिए त्रिपाल, अलाव और अन्य आवश्यक उपायों को प्राथमिकता दी जाए। योगी सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी स्तरों पर इस कार्य को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए ताकि गौवंश संरक्षण के प्रयास प्रभावी और परिणामदायक हों। सरकार के इन कदमों से न केवल ठंड के मौसम में गौवंश को राहत मिलेगी, बल्कि प्रदेश में गौ संरक्षण की परंपरा को और मजबूती भी मिलेगी।

प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ की तैयारियां तेज

सोने-चांदी के तारों से बनी पीतांबरी धारण करेंगे रामलला

अयोध्या, 09 जनवरी (ब्यूरो)।

भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। 11 जनवरी से शुरू होने जा रहे समारोह को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम का आगाज और रामलला का अभिषेक करेंगे। रामलला को प्रतिष्ठा द्वादशी के प्रथम दिन पीतांबरी पहनाई जाएगी। यह दिल्ली में तैयार की जा रही है। इसकी बुनाई व कढ़ाई सोने-चांदी के तारों से की जा रही है। यह 10 को अयोध्या पहुंच जाएगी, जिसे 11 को धारण कर रामलला दर्शन देंगे। महोत्सव 11 से 13 जनवरी तक चलेगा, लेकिन 11 जनवरी का दिन खासा महत्वपूर्ण है। समारोह का शुभारंभ

रामलला के अभिषेक से होगा। सुबह 10 बजे से रामलला के पूजन व अभिषेक का सिलसिला शुरू होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जिस विधिविधान से रामलला का अभिषेक किया गया था, उसी तर्ज पर प्रतिष्ठा द्वादशी पर भी रामलला का अभिषेक पंचामृत, सरयू जल आदि से किया जाएगा। अभिषेक-पूजन के बाद ठीक 12:20 बजे रामलला की महाआरती होगी।

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार करीब 110 वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे। वहीं अंगद टीला स्थल पर भी एक जर्मन हैंगर टेंट लगाया गया है, जिसमें 5,000 लोगों तक की मेजबानी की जा सकती है। आम लोगों को भव्य कार्यक्रमों को देखने का अवसर मिलेगा, जिसमें मंडप और यज्ञशाला में प्रतिदिन आयोजित होने वाले शास्त्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शन, अनुष्ठान और राम कथा प्रवचन शामिल हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला किया है, जो पिछले साल अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। उन्हें अंगद टीला में तीनों दिनों के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।

मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, यज्ञ स्थल पर सजावट और उत्सव की तैयारियाँ जोरों पर हैं। मंडप और यज्ञशाला इन उत्सवों के प्रमुख स्थल होंगे। आम लोगों के लिए राम मंदिर समारोह का हिस्सा बनने का यह दुर्लभ अवसर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 जनवरी को मंदिर में रामलला का अभिषेक करेंगे। ट्रस्ट ने पहले ही देश भर के संतों और भक्तों को निमंत्रण भेजा है।

इतिहास और विकास के संगम पर गोरखपुर महोत्सव

गोरखपुर, 09 जनवरी (ब्यूरो)।

गोरखपुर इतिहास और गर्वानुभूति कराने वाले विरासत से समृद्ध है तो बीते सात सालों से यहां का विकास नजीर पेश कर रहा है। इतिहास और विकास के संगम पर साल दर साल गोरखपुर की ब्रांडिंग का बड़ा मंच बन रहे गोरखपुर महोत्सव का प्रारंभ इस वर्ष शुक्रवार (10 जनवरी) को हो रहा है।

रामगढ़ताल के सामने स्थित चम्पा देवी पार्क में गोरखपुर महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। जबकि औपचारिक समापन समारोह में 12 जनवरी (रविवार) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सानिध्य प्राप्त होगा। महोत्सव 16 जनवरी तक जारी रहेगा। बीते सालों की भांति इस साल भी गोरखपुर महोत्सव कला, संस्कृति, ज्ञान, विज्ञान, मेधा, मनोरंजन और रोजगार का मंच देने

के लिए तैयार है। गोरखपुर महोत्सव की खासियत यह भी है कि यह हाल के छह-सात सालों में गोरखपुर की विकसित पहचान को एक उत्सवी मंच दे रहा है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 से गोरखपुर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रगति की नई उड़ान भरी है। कभी पिछड़ेपन का दंश झेलने वाले इस जिले ने विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, बेहतरीन रोड और एयर कनेक्टिविटी, खाद कारखाना, पिपराइच चीनी मिल, एम्स, रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर, आयुष विश्वविद्यालय, चिड़ियाघर, वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स की सौगात पाने के साथ निखरे रामगढ़ताल की अगुवाई में एक नए टूरिस्ट सेंटर के रूप में भी ख्याति बटोर रहा है। विकास और रोजगार के साथ यहां की कला, संस्कृति भी लगातार संरक्षित और समृद्ध हुई है। इन सबको समेटते हुए गोरखपुर महोत्सव एक आईना के रूप में है। यह महोत्सव कला, संस्कृति, पर्यटन व रोजगार का भी सशक्त मंच बना है।

संपादकीय

नक्सलवाद अभी जिंदा है

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बार-बार दावा करते रहे हैं कि मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का अस्तित्व खत्म कर दिया जाएगा। इस लड़ाई में हमारे जांबाज जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलवाद घुटने टेक रहा है, नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। एक दिन ऐसा होगा कि नक्सलवाद का नामलेवा भी शेष नहीं रहेगा। देश चाहता है कि गृहमंत्री का दावा एक दिन साकार हो, चरितार्थ हो, क्योंकि नक्सलवाद भी एक खास किस्म का आतंकवाद है, लेकिन छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के अंबेली गांव में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट करके जिस तरह 8 जवानों और एक वाहन चालक को 'शहीद' किया है, वह रुह कंपा देने वाला हमला है। यह अप्रैल, 2023 के बाद का सबसे बड़ा, घातक हमला है और 2025 का पहला जानलेवा हमला है। छत्तीसगढ़ के ही दंतेवाड़ा क्षेत्र में 26 अप्रैल, 2023 को आईईडी विस्फोट करके 10 पुलिसकर्मियों को 'शहीद' किया गया था। इस बार सुरक्षा बल अबूझमाड़ के जंगल में एक सफल ऑपरेशन में 5 नक्सलियों को मार कर लौट रहे थे। हालांकि 'रोड ओपनिंग पार्टी' रास्ते को साफ करती चल रही थी। काफिले में कुछ और वाहन भी थे, जो वैकल्पिक रास्ते पर चले गए। नक्सलियों ने एक वाहन को निशाना बनाया और विस्फोट में वाहन के परखच्चे उड़ गए। बताया जाता है कि हमले में करीब 70 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। लिहाजा बेहद महत्वपूर्ण और गंभीर सवाल है कि 'रोड ओपनिंग पार्टी' इतने विस्फोटक को देख और पकड़ क्यों नहीं सकी? यदि रास्ते को गंभीरता से साफ किया जाता, तो विस्फोटक पकड़ में आ सकता था और उसे निरस्त, निष्प्रभावी किया जा सकता था। यह स्पष्ट लापरवाही, अनदेखी थी, जिसने हमारे जवानों की जिंदगी छीन ली। अब एक बार फिर बहस शुरू होगी कि सुरक्षा बलों की आवाजाही सडक़ मार्ग के बजाय हवाई उड़ान के जरिए क्यों नहीं हो सकती? यह सवाल फरवरी, 2019 के पुलवामा (कश्मीर) आतंकी हमले के बाद भी उठा था, जिसमें हमारे 40 सुरक्षाकर्मियों को 'शहीद' कर दिया गया था। बीजापुर जिले में इस बार का विस्फोट इतना ताकतवर था कि वाहन के पुर्जे 400 मीटर दूर तक बिखर गए। वाहन का एक हिस्सा करीब 30 फुट दूर पेड़ पर लटका मिला। घटनास्थल पर ही करीब 10-12 फुट गहरा और चौड़ा गड्ढा बन गया। जवानों के शव भी क्षत-विक्षत हो गए। नक्सली विस्फोट करके भाग निकले। धमाका होते ही रोड ओपनिंग पार्टी के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया, लेकिन शहादत तो हो चुकी थी। यह हमला ही साबित करता है कि नक्सलवाद अभी जिंदा है। उनकी रणनीति कारगर साबित हो रही है। उनके पास हथियार और हत्यारे विस्फोटक हैं, लिहाजा सवाल है कि 2026 तक नक्सलियों का बिल्कुल खात्मा कैसे संभव है? बीते साल 2024 में 287 नक्सली मारे गए, करीब 1000 गिरफ्तार किए गए, 837 ने आत्मसमर्पण किया, लेकिन हमारे जवान भी 'शहीद' हुए हैं। हमारे लिए यह चिंताजनक बात है। नक्सलवाद अब भी देश के 30 जिलों में मौजूद है। इनमें 8 जिले छत्तीसगढ़ के हैं। दंतेवाड़ा और बस्तर क्षेत्र तो नक्सलियों के गढ़ माने जाते रहे हैं। नक्सलवाद के कारण करीब 94 फीसदी वारदातें और मौतें इन्हीं जिलों में होती हैं। इस हमले में जो जवान 'शहीद' हुए हैं, वे जिला रिजर्व गार्ड के थे। यह राज्य पुलिस की ही एक ईकाई है, लेकिन हमें वे घटनाएं भी याद हैं, जब 6 अप्रैल, 2010 को नक्सलियों ने एक ही हमले में सीआरपीएफ के 76 जवानों को मौत की नींद सुला दिया था।

नक्सलवाद घुटने टेक रहा है, नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। एक दिन ऐसा होगा कि नक्सलवाद का नामलेवा भी शेष नहीं रहेगा। देश चाहता है कि गृहमंत्री का दावा एक दिन साकार हो, चरितार्थ हो, क्योंकि नक्सलवाद भी एक खास किस्म का आतंकवाद है, लेकिन छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के अंबेली गांव में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट करके जिस तरह 8 जवानों और एक वाहन चालक को 'शहीद' किया है, वह रुह कंपा देने वाला हमला है। यह अप्रैल, 2023 के बाद का सबसे बड़ा, घातक हमला है और 2025 का पहला जानलेवा हमला है। छत्तीसगढ़ के ही दंतेवाड़ा क्षेत्र में 26 अप्रैल, 2023 को आईईडी विस्फोट करके 10 पुलिसकर्मियों को 'शहीद' किया गया था। इस बार सुरक्षा बल अबूझमाड़ के जंगल में एक सफल ऑपरेशन में 5 नक्सलियों को मार कर लौट रहे थे। हालांकि 'रोड ओपनिंग पार्टी' रास्ते को साफ करती चल रही थी।

ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे-जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है।

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे-जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है। पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज़्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया। इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना

जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी? बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद ज़रूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा-चौकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इन अपराधों से निपटने में विफल साबित हो रही हैं। आज के डिजिटल युग में, माता-पिता के पालन-पोषण का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और डिजिटल उपकरणों के व्यापक उपयोग के साथ, डिजिटल युग में बच्चों के पालन-पोषण में और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार के कारण जीवन में आ रहे बदलाव ने कई ज्वलंत एवं चुनौतीपूर्ण मुद्दों को सामने ला दिया है, जिनसे माता-पिता को जूझना पड़ता है, जिससे पालन-पोषण का कार्य और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऑनलाइन सुरक्षा से लेकर स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और लगातार विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य का हिस्सा बनने तक, माता-पिता के लिए खुद ही यह काफी नया सा है। खुद को जानकारी से लैस करके और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर, हम अपने बच्चों को जिम्मेदारी से डिजिटल दुनिया में सावधानीपूर्वक हिस्सा बनने के लिए सशक्त बनाते हुए उनके लिए एक स्वस्थ और संतुलित डिजिटल वातावरण बना सकते हैं। अपने बच्चों को तकनीक का उपयोग ऐसे तरीकों से करने में मदद करें जो रचनात्मकता और सीखने को बढ़ावा दें। उन्हें शैक्षिक ऐप तलाशने, डिजिटल कला बनाने या कोडिंग जैसे नए कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें तकनीक को सिर्फ़ मनोरंजन के बजाय विकास एवं ज्ञान अर्जन के साधन के रूप में देखने में मदद मिल सकती है। तकनीक के अच्छे और बुरे दोनों पक्षों को जानकर और स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करके, हम बच्चों को उनके स्क्रीन समय के साथ एक स्वस्थ संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। इस तरह, वे बचपन की खुशियों का अनुभव करते हुए तकनीक के लाभों का आनंद ले सकते हैं, जिसमें बाहर खेलना, दोस्तों के साथ समय बिताना और अपने आस-पास की दुनिया की खोज करना शामिल है। मोबाइल एवं डिजिटल साइट पर कुल निर्भरता बढ़ गई है। लोग अपने फोन एवं इन्टरनेट का इस्तेमाल खाना खाते समय, लिविंग रूम में और यहां तक कि परिवार के साथ बैठकर उपयोग करते हैं। कम से कम अस्सी प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अपने फोन पर तब भी होते हैं, जब वे अपने बच्चों के साथ समय बिता रहे होते हैं और वे अपने बच्चों, परिवेश पर ध्यान नहीं देते हैं और जब उनके बच्चे उनसे कुछ पूछते हैं तो वे चिढ़ जाते हैं। दरअसल, भारत सरकार के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को अधिक प्रभावी एवं कारगर बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

दृष्टि कोण

दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत मौसम सुधार

उत्तर और मध्य भारत का मैदानी भूभाग शीत, शीतलहर और अंधेरी धुंध में परिवर्तित है। समुद्र की दैनिक प्राकृतिक गतिविधि की परिधि से बाहर के पश्चिम और दक्षिण भारत के भूक्षेत्र भी शीत ऋतु के अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव में होते ही होते हैं। शीत हो, ग्रीष्म हो या अन्य ऋतुएं हों, इनमें मौसम हमेशा से ऐसा नहीं था, जैसा कि बीते कुछ सालों में हो रहा है। उत्तर दिशा के मैदानी क्षेत्र ऋतुओं की विकृतियों के कारण जीने लायक नहीं रहे। ऐसे क्षेत्रों में जीवन अनुकूल नहीं रहा। ऐसी जगहें दिन-प्रतिदिन मौसम की मार से जीवन के प्रतिकूल होती जा रही हैं। भारत में प्रगति के परिणामस्वरूप जैसे-जैसे पेड़ों और वन-वनस्पतियों में कमी होती रही, उसी गति से ऋतुचक्र असंतुलित होता रहा। यह प्रक्रिया बीते पचास-साठ सालों से बहुत तेजी से हो रही है। इस कारण शीत ऋतु में मौसम अत्यंत मारक हो जाता है। भारत में हिमालय की श्रृंखला में मौसम कैसा है, इसका सीधा प्रभाव हिमालय की तलहटी में बसे मैदानी क्षेत्रों पर पड़ता है। हिमालय की पूरी श्रृंखला 595000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है। यह अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भूटान, चीन, भारत और नेपाल के भौगोलिक क्षेत्रों को स्पर्श करते हुए परिव्याप्त है। भारत के अलावा दूसरे देशों में स्थित हिमालयी पट्टी की जलवायु में होने वाली अस्थिरता का असर सीधे-सीधे हिमालय में और इसके समानांतर स्थित भारत के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों पर भी होता है। इसी तरह भारत की तरफ के हिमालय के मौसम में उत्पन्न परिवर्तन का प्रभाव उक्त देशों पर भी होता है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक की पर्वतमाला में हिमपात और वर्षा के बाद शुरू होने वाली विकट ठंड पंद्रह दिसंबर से फरवरी तक उत्तर और मध्य भारत के मैदानी जनजीवन को थाम देती है। ठंड के साथ धुंध की घनी परत यहां-वहां सब जगह फैल जाती है। इस कारण सूरज की किरणें भी धुंधग्रस्त क्षेत्रों में दिखाई नहीं देतीं। असल में यह धुंध उसी बर्फ में से उठने वाली वाष्प होती है, जो लाखों किलोमीटर तक फैली हुई पर्वत श्रृंखला में गिरी हुई होती है। हिमपात के दो-तीन दिन बाद इसमें से वाष्प उठनी शुरू हो जाती है, जो बहुत बड़ी मात्रा में ऊंचे पर्वतों की चोटियों से उडक़र, कभी धीमे-धीमे तो कभी तेजी से सरकते हुए, नीचे के समतल भूभागों और इनके ऊपर के वायुमंडल में फैल जाती है। अधिक मात्रा में गिरी-जमी बर्फ के वाष्पीकरण की यह क्रिया कम से कम पंद्रह दिनों और अधिकतम डेढ़ महीने तक होती रहती है। हरेक साल ऋतुचक्र के असंतुलन से वाष्पीकरण की क्रिया एक निर्धारित अवधि तक ही नहीं होती। प्रति वर्ष इसकी अवधि कभी कम तो कभी ज्यादा होती है। इस वाष्प की मात्रा इतनी ज्यादा होती है कि यह कई दिनों तक मैदानी भूभाग और इसके वायुक्षेत्र में स्थिर रहती है। इससे जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है। लोगों को स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। शरीर के लिए तो ऐसी ठंड और धुंध घातक होती ही होती है, साथ ही साथ यह मनोविकार और अवसाद भी बढ़ाती है। जब धरती पर नगरीकरण की गति धीमी थी, पेड़-पौधे बहुतायत में थे और प्रकृति को अलग-अलग तरीकों से विषाक्त करने वाले औद्योगिक-व्यापारिक काम नहीं हो रहे थे, तब तक ठंड-धुंध जनजीवन के लिए कष्टकारी नहीं थी। हिमपात के बाद हिम के वाष्पीकरण से उत्पन्न कोहरे को पेड़ों, फसलों और वनों की हरियाली द्वारा सोख दिया जाता था। इसलिए कोहरा एक हफ्ते से ज्यादा धरती के मैदानी भागों और वायुमंडल में ठहरता ही नहीं था। हरियाली की अधिकता के प्रभाव में ठंड, धुंध, शीत, कोहरा या शीतलहर के जनजीवन पर नकारात्मक प्रभाव नहीं होते थे। मैदानी वन क्षेत्र हिम के वाष्पीकरण से ज्यादा दिनों तक प्रभावित नहीं रहते थे। वनों, फसलों और हरियाली की उपस्थिति से शीतऋतु असहनीय, पीड़ादायी और रोगकारक नहीं होती थी। यह जनजीवन के लिए अनुकूल, सुहानी और स्वास्थ्यप्रद होती थी। केवल शीत ऋतु ही नहीं, बल्कि ग्रीष्म ऋतु में होने वाली प्रचंड गर्मी, अत्यधिक गर्म सतह के कारण उत्पन्न असहनीय और बीमार कर देने वाली गर्म लहर भी इतनी कष्टसाध्य नहीं थी। जब तक मैदानी भूभाग वन क्षेत्रों से भरे हुए थे और नगरीकरण की गति धीमी थी, तब तक शीतऋतु में होने वाले हिमपात, वर्षा और कोहरे का जनजीवन पर बुरा प्रभाव नहीं था। दिनोंदिन प्रतिकूल होती जा रही मौसमीय परिस्थितियों में सबसे ज्यादा विचारणीय यह बिंदु है कि नगरीकरण और ढांचागत विकास के लिए जितनी मात्रा में सौ-सौ, दो-दो सौ साल पुराने विशालकाय लाखों-करोड़ों पेड़ों को काटा गया है, क्या इनकी भरपाई के लिए लगाए-उगाए जा रहे पेड़-पौधे थोड़े समय में ही विशालकाय होकर उतने वन क्षेत्र के रूप में फैल जाएंगे, जितने कि जलवायु की अनुकूलता के लिए आवश्यकता है। इसी संदर्भ में दूसरा विचारणीय बिंदु यह है कि वर्षों पुराने पेड़-पौधों को ध्वस्त करने के बाद उनकी पूर्ति के लिए बोए-उगाए जा रहे पेड़-पौधों में क्या जलवायु नियंत्रण की अपेक्षित कार्यक्षमता है। देश-दुनिया के शासकों, कर्ताधर्ताओं और धन-संसाधन संपन्न लोगों को मौसम की मार के सामने अपनी भौतिक महत्त्वाकांक्षाओं को छोटा समझकर इन्हें थामने की कोशिश में जुट जाना चाहिए। उनकी ऐसी महत्त्वाकांक्षाएं करोड़ों आम लोगों के दैनिक जीवन पर बहुत भारी पड़ रही हैं।

कुछ अलग

मेरी रचनाधर्मिता का फीडबैक

मैं उस समय का नौकरी में लग जाने के बाद चार एडवांस इंक्रीमेंटों के लिए पीएचडी करने वाला रिसर्च स्कॉलर हूं जब गाइड अपने किसी छात्र के शोधप्रबंध का कोई अच्छा सा चैप्टर रिजेक्ट कर उसे अपने नाम से नहीं छपवाया करते थे। या फिर मोटे मोटे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि मैंने पीएचडी केवल और केवल चार एडवांस इंक्रीमेंटों के लिए की थी। अगर पीएचडी करने पर चार एडवांस इंक्रीमेंटों का प्रावधान न होता तो मै पीएचडी कदापि न करता। इसलिए मेरे डॉक्टरेट होने का अंतिम उद्देश्य आप मात्र इतना समझें ताकि वक्त बेवक्त हम दोनों में से कोई मुसीबत में न पड़े। अपनी पीएचडी हो जाने के बाद मैंने रिसर्च के नाम पर कुछ नहीं किया, न ही करने की जरूरत थी। वैसे तो कायदे से पीएचडी करने के बाद बंदा इतना थक जाता है कि उसे उसके बाद कुछ लिखने पढने की जरूरत नहीं होती। मेरे जैसा पीएचडी आगे भी पढ़े लिखे? उसके बाद तो केवल नौकरी करने की जरूरत होती है। नौकरी के बाद मेरे जैसे को पढना लिखना बिल्कुल वर्जित होता है। इसलिए अपनी नौकरी भर मैंने यह वर्जिनिटी बनाए बचाए रखी। कल उनका फोन आया। पता नहीं कहां से उनको मेरा नंबर मिल गया? जबकि सच यह है कि रिटायरियों के नंबर रिटायरियों के पास भी नहीं होते। बड़े ही आदर भाव से बोले, जैसे बहुधा हर जरूरत वाले बोलते हैं, 'सर! नवयुवकों की लेखकीय कोशिकाओं में रचनाधर्मिता का संचार करने के लिए हमने रचनाधर्मिता पर आपका लेक्चर रखा है। हम चाहते हैं कि आप जैसे कुख्यात रचनाधर्मी उन्हें लेखन के गुर की मोटी मोटी बारीकियां गहराई से समझाएं ताकि वर्तमान में लेखन का कल्याण हो सके। आशा है कि आप हमें निराश नहीं करेंगे।' तो मैंने उन्हें बीच वाले रास्ते पर चलते समझाया, 'बंधु! मुझे युवाओं को रचनाधर्मिता की ओर उन्मुख करने पर लेक्चर देने का सुनहरी मौका देने के लिए आपका बहुत बहुत आभार! पर सच कहूं तो रिटायर होने के बाद मैंने रचनाधर्मिता का साथ छोड़ दिया है', पर इस कहने को वे मेरा बड़प्पन माने। मानने में जाता भी क्या है? बंधुओ! रिटायर होने के बाद अपने लेक्चर देने के नहीं, लेक्चर सुनने के दिन चल रहे हैं। कभी बीवी पारिवारिक जीवन की बदलती सामाजिक व्यवस्था पर लेक्चर देती है तो कभी बच्चे बदलते परिवेश में बदलते संस्कारों पर पूरे आत्मविश्वास से मुझे लेक्चर दे लेते हैं। उन्हें लगता है कि उनका बॉयोलोजिकल बाप बदलते संस्कारों के साथ अपने को जानबूझ कर फिट नहीं बैठा पा रहा है। आखिर उनको बार-बार न करने के बाद भी उन्होंने मुझे भविष्य के रचनाधर्मियों को रचनाधर्मिता पर व्याख्यान देने को मना ही लिया। मैंने भी सोचा कि सुनने से बेहतर बकना होता है, तो चलो क्यों न मुद्दत बाद बक ही लिया जाए। बंधुओ! व्याख्यान देते हुए मुझे इस बात का पहली बार आत्मबोध हुआ कि किसी उस विषय पर बकने का उतना आनंद नहीं आता जिसमें आप पारंगत हों। असली मजा तो उस विषय पर व्याख्यान देने का आता है जिसके बारे में आप कुछ भी नहीं जानते। तब उस विषय पर आपके पास कहने के लिए इतना होता है कि पूछिए मत! कहते जाओ, कहते जाओ, जब तक आयोजक ये न कहें कि सर! अब समय हो रहा है। कृपया अपना सारगर्भित वक्तव्य अब क्लोज कर दीजिए। शेष अगली बार सुनेंगे। मैं रचनाधर्मिता पर लेक्चर देकर आया तो मुझे पता चला कि रचनाधर्मिता पर कहते कहते रचनाधर्मी होना सच में कितना आसान है। अगले दिन उनका फोन आया, 'बधाई हो सर!' मैंने साश्चर्य पूछा, 'किस बात की?' तो वे बोले, 'वाह! आपने रचनाधर्मिता को लेकर क्या खूब लेक्चर दिया! आपका लेक्चर सुनते सुनते ही कुछ तो आपसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने बीच में ही लिखना तक शुरू कर दिया था। आपको सुनने वालों ने आपके बारे में गजब का फीडबैक दिया है।' 'फीडबैक?' मैं चौंका।

देश दुनिया से

न्याय प्रणाली को व्यावहारिक बनाने की पहल

भारतीय न्याय संहिता, 2023 एक ऐतिहासिक पहल है जिसे भारतीय दंड संहिता, 1860 को बदलने के लिए लाया गया है। यह संहिता भारतीय न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का वादा करती है। लेकिन क्या यह वास्तव में न्याय प्रणाली में क्रांति ला पाएगी? भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए राजद्रोह का अपराध परिभाषित करती थी। यह धारा उन लोगों को दंडित करती थी जो भारत सरकार या किसी भी राज्य सरकार के खिलाफ विद्रोह या असंतोष फैलाने का प्रयास करते थे। इस कानून के आलोचकों का मानना था कि इसका अक्सर दुरुपयोग किया जाता था। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाता था। संहिता ने राजद्रोह के अपराध को निरस्त कर दिया है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय न्याय संहिता ने राजद्रोह के अपराध को हटाकर उसके स्थान पर नए अपराधों को परिभाषित किया है। ये नए अपराध देश की एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कार्यों से संबंधित हैं। इनमें शामिल हैं लोगों के बीच फूट डालने का प्रयास, सशस्त्र विद्रोह या हिंसा को भड़काना, अलगाववादी गतिविधियां, राजद्रोह कानून के निरसन को भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि इस नए कानून का दुरुपयोग न हो। संहिता ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए दंड को कड़ा कर दिया है। इसमें बलात्कार, यौन उत्पीड़न और घरेलू हिंसा शामिल हैं। भारतीय न्याय संहिता, 2023 में बलात्कार के लिए न्यूनतम सज़ा बढ़ा दी गई है। साथ ही, कुछ विशेष परिस्थितियों में बलात्कार के लिए मृत्युदंड का भी प्रावधान किया गया है। यौन उत्पीड़न को गंभीर अपराध माना गया है और इसके लिए कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। अब घरेलू हिंसा के मामलों में पीड़ित महिलाओं को अधिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। छेड़छाड़ और पीछा करने जैसे अपराधों के लिए भी कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। शादी के वादे के झांसे में फंसाकर शारीरिक संबंध बनाने पर अब तीन साल तक की जेल की सज़ा हो सकती है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। ये बदलाव महिलाओं को न्याय दिलाने, सशक्त बनाने और समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने में मदद करेंगे और अपराधियों को कठोर सज़ा दिलाएंगे। संहिता ने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कई नए प्रावधान जोड़े हैं। बाल यौन शोषण के मामलों में अधिकतम सज़ा बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, बाल पोर्नोग्राफी को एक गंभीर अपराध माना गया है। बाल तस्करी को रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं। बाल तस्करों को कठोर सज़ा दी जाएगी। बाल श्रम और बाल विवाह को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुक्त कराए बच्चों को शिक्षा और पुनर्वास की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। भारत में बाल अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। यह संहिता बच्चों को अपराध और बच्चों को शोषण से बचाने में मदद करेगी। संहिता में साइबर अपराधों से निपटने के लिए कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। बीएनएस ने साइबर अपराधों की परिभाषा को विस्तृत किया है, जिसमें हैकिंग, डेटा चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर उत्पीड़न और अन्य प्रकार के साइबर अपराध शामिल हैं। यह सुनिश्चित करता है कि सभी प्रकार के साइबर अपराधों को कानून के दायरे में लाया जा सके। बीएनएस ने साइबर अपराधों के लिए कड़े दंड का प्रावधान किया है। इसमें लंबी जेल की सज़ा और भारी जुर्माना शामिल है। इसमें साइबर अपराध सिंडिकेट बनाने और चलाने के लिए दंड का प्रावधान शामिल है। बीएनएस में साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति का प्रावधान है। इससे साइबर अपराधों की जांच में दक्षता आएगी और अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी। बीएनएस में साइबर सुरक्षा के लिए उपाय करने का प्रावधान है। इसमें महत्वपूर्ण डेटा को सुरक्षित रखने, साइबर हमलों से बचाव करने और साइबर सुरक्षा जागरूकता विस्तार के उपाय शामिल हैं। संहिता में आतंकवाद से निपटने के लिए कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। संहिता में आतंकवाद की परिभाषा को और अधिक व्यापक बनाया गया है, जिसमें भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता और आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले सभी कार्य शामिल हैं। संहिता में साइबर आतंकवाद से निपटने के लिए भी नए प्रावधान जोड़े गए हैं। संहिता में कई ऐसे प्रावधान हैं जो न्याय प्रणाली में गति ला सकते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में सुधार के लिए लगातार अनुसंधान और विकास पर जोर दिया गया है। न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक और प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। जमानत की शर्तों को आसान बनाया गया है ताकि बेगुनाह लोग जेल में लंबा समय न बिताएं। निश्चित रूप से यह सकारात्मक कदम भारतीय न्याय प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

भारतीय दंड संहिता, 1860 को बदलने के लिए लाया गया है। यह संहिता भारतीय न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का वादा करती है। लेकिन क्या यह वास्तव में न्याय प्रणाली में क्रांति ला पाएगी? भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए राजद्रोह का अपराध परिभाषित करती थी। यह धारा उन लोगों को दंडित करती थी जो भारत सरकार या किसी भी राज्य सरकार के खिलाफ विद्रोह या असंतोष फैलाने का प्रयास करते थे। इस कानून के आलोचकों का मानना था कि इसका अक्सर दुरुपयोग किया जाता था। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाता था। संहिता ने राजद्रोह के अपराध को निरस्त कर दिया है।

आप का नजरिया

बूढ़े हाशियों को सुकून

राहत के मजमून और उम्र के फासले, जिंदगी आफत में है इसी उम्र में। हिमाचल में सामाजिक सुरक्षा के आंकड़े काफी दुरुस्त हैं, लेकिन समाज के पंजे बूढ़े होने पर दर्द कर रहे हैं। कहीं कोई सुकून नहीं, विकास के जंगल में बुजुर्गों को कैद मिल रही है। हम पर्यटन की सैरगाह और सैरगाह में पर्यटन की परियोजनाओं को स्तरोन्नत करते भूल रहे हैं कि पहाड़ की सादगी में शांति के रास्तों पर उम्र की मंजिलें मिला करती हैं। क्या हिमाचल वरिष्ठ नागरिकों की हिफाजत और उनके सुकून में इजाफा कर रहा है या विकास के अतिक्रमण ने यह शिष्टाचार भी छीन लिया। बेशक कुछ अनाथ बच्चों को गोद लेकर सुक्खू सरकार सुखाश्रय सरकार हो गई और इस दायित्व की पहचान में नित नई रंगत आ रही है, बच्चों की पढ़ाई के लिए डे बोर्डिंग स्कूलों में भविष्य की कसौटियां कसी जा रही हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए जगह है कहां। बेशक सीनियर सिटीजन के नाम पर अस्पतालों के गूंगे गलियारों में कुछ पोस्टर चस्पां मिल जाएं या एचआरटीसी की बसों की उधड़ी हुई सीटों पर बैठने को इशारे मिल जाएं, लेकिन न समाज के कंधे और न ही विकास के मंतव्य उम्र के बूढ़े हाशियों से सहानुभूति कर पा रहे हैं। हैरानी उस परिदृश्य से है जहां हिमाचल की तरक्की ने समाज के सौहार्द में वरिष्ठता के फर्ज खो दिए। यह हालत गांव की देहरी से शहर की सीढ़ी तक है। आखिर एकांत में गुम हो रहे बुढ़ापे को ऐसा आश्वासन कब और कहां मिलेगा कि उनके लिए स्थान पर सुकून सुनिश्चित है। यानी आज की स्थिति में हर शहर और गांव में एक अदद पार्क या सामुदायिक मैदान ऐसा चाहिए कि सुकून से बुजुर्ग कुछ घंटे गुजार सकें। कहने को वेलनेस सेंटर जैसी परिकल्पनाएं आश्वासन देती हैं, लेकिन इनसे सामाजिक संस्कृति का उदय नहीं होगा। स्थानीय निकायों की किसी योजना में बुजुर्गों को सुकून का कंधा देने की फितरत नहीं। नतीजतन बढ़ते वाहनों व नवनिर्माण के बीच अपने वरिष्ठ नागरिकों की जगह छीन रहे हैं। किसी बुजुर्ग नागरिक के लिए सबसे शांति के क्षण किसी पार्क में मिल सकते हैं, लेकिन हिमाचल में इस दिशा में प्रयास नाममात्र के हैं। प्रदेश के मध्यमवर्गीय समाज की हैसियत मकान जैसी हो गई है, जहां वह उम्र के सारे तकाजों में ईंटें जोड़ता-जोड़ता खुद समाज की दीवार बन जाता है। बेशक हमने तरक्की कर ली। हमारी योजनाओं ने शिद्दत से मेहनत करते तरक्की के अल्फाज बदल दिए, लेकिन इसी फेहरिस्त में सेवानिवृत्त नागरिकों को दो कदम सैर-सपाटा करने की छूट नहीं। ऐसे क्लब नहीं जहां वरिष्ठ नागरिक अपनी संवेदना और अनुभव की पराकाष्ठा को साझा कर सकें। कमोबेश बच्चों को भी अब सामुदायिक मैदान नहीं मिल रहे। इस दौरान साइकिल के शोरूम बढ़ गए, लेकिन बच्चों को साइकिलिंग के लिए स्थान नहीं। बुजुर्गों की रखवाली के लिए हमेशा दौलत काम नहीं आ सकती, लेकिन बढ़ती उम्र की हिफाजत के लिए अधिकतम सुकून की खोज के लिए पार्क जैसी सुविधाएं चाहिएं। शहरी ट्रांसपोर्ट सिस्टम में ऐसे बदलाव की जरूरत है जो वरिष्ठ नागरिकों को गंतव्य तक पहुंचा सके। बैंकिंग के बाजार में जो उम्र भर अपने वेतन, अपनी मेहनत, अपनी कमाई और अपनी बचत जमा करता रहा हो, उसके करीब अपने ही खातों को छूने का इंतजाम चाहिए।

इलाज कराने लंदन पहुंचीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया

लंदन, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया इलाज कराने के लिए लंदन पहुंचीं हैं। कई बीमारियों से पीड़ित 79 वर्षीय खालिदा जिया कतरी रॉयल एयर एम्बुलेंस से लंदन पहुंची हैं। वर्ष 2017 के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है।

सात साल बाद बेटे से मुलाकात कर हुईं भावुक

खालिदा जिया के लंदन पहुंचने की जानकारी बीएनपी के मीडिया सदस्य शैरुल कबीर खान ने दी। उन्होंने बताया कि जिया की एयर एम्बुलेंस दोपहर 2:55 बजे (बांग्लादेश समय) लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरी। सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी के अनुसार लंदन में बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त मोहम्मद हजरत अली खान ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया और उन्हें गुलदस्ता भेंट किया।

जिया जिस विशेष एयर एम्बुलेंस से लंदन पहंची हैं, उसमें कतर के चार रॉयल डॉक्टर और पैरामेडिक्स भी थे। साथ ही उनके बांग्लादेश के डॉक्टर और परिवार के अन्य लोग भी एम्बुलेंस में सवार थे।

लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर खालिदा जिया ने सात साल बाद बेटे तारिक रहमान और बहू जुबैदा से मुलाकात पर भावुक हो गईं। वहीं, बीएनपी मीडिया सेल ने खालिदा जिया और उनके बेटे की मुलाकात की कई तस्वीरें साझा की हैं। इनमें एक फोटो में व्हीलचेयर पर बैठीं पूर्व प्रधानमंत्री बेटे तारिक को गले लगते दिखाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जस्टिन टूडो की पहले कुर्सी गई फिर सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा झटका

ओटावा। कनाडा में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे का ऐलान कर चुके जस्टिन टूडो को एक और झटका लगा है।

पहले पीएम के पद से हाथ धो बैठे फिर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हे एक बड़ा झटका दे दिया। दरअसल, टूडो जिस खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत पर दोष मढ़ रहे थे उसके हत्यारोपियों को उनके ही देश की अदालत ने रिहा कर दिया है। हरदीप सिंह निज्जर के कथित चार हत्यारे जमानत पर रिहा हो गए हैं। कनाडा के सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की 11 फरवरी को सुनवाई होगी। सबूतों के अभाव में कनाडा पुलिस निचली कोर्ट में पेश ही नहीं हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें स्टे आफ प्रोसीडिंग्स पर रिहा कर दिया। बता दें कि हरदीप सिंह हत्याकांड को लेकर कनाडा ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि बाद में उन आरोपों से इनकार कर दिया था। इस हत्याकांड में कनाडा के ही चार सिख गिरफ्तार हुए थे। माना जा रहा है कि हत्याकांड गुरुद्वारों पर वर्चस्व की लड़ाई और ड्रग्स और हथियार तस्करी को लेकर हुआ था। यह भी आरोप लगा था कि सांसद जगमीत सिंह धालीवाल और कट्टर खालिस्तानी समर्थक सुखधालीवाल के दबाव में आकर तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन टुडो ने भारत पर आरोप लगाए थे। कनाडा पुलिस ने भी उसे समय बड़े-बड़े दावे किए थे लेकिन उनके तमाम दावे कोर्ट में ताश के पत्तों की तरह ढह गए और कनाडा पुलिस कोर्ट में कई तारीखों पर पेश ही नहीं हुई। जिसके चलते कथित चारों आरोपियों को अब जमानत मिल गई है। जिस हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत पर आरोप लगाए थे। उसी हत्याकांड में कनाडा की पुलिस पेश ही नहीं हुई।

तालिबान अफगानी धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नही होने देगा

रियाद। विदेश सचिव विक्रम मिस्री दुबई के दौरे पर हैं। उन्होंने दुबई में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की। यह अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद अफगानिस्तान की सरकार के साथ भारत की पहली उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बातचीत है। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों से लेकर क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि इस दौरान अफगानिस्तान में भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं, निकट भविष्य में दोनों देशों के बीच कई प्रोजेक्ट्स पर विचार करने की जरूरत, पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के पुनर्वास में मदद करने पर चर्चा की गई, लेकिन दो बड़े मुद्दे जिन पर चर्चा हुई वह थे ईरान के चाबहार बंदरगाह का इस्तेमाल और दोनों देशों के बीच क्रिकेट। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगान सरकार ने भारत की सुरक्षा चिंताओं की जरूरतों पर गौर किया। भारत की सबसे बड़ी चिंता यही है कि अफगानिस्तान की जमीन से भारत विरोधी आतंकी समूहों को पनपने ना दिया जाए।

नाटों में यूक्रेन के शामिल होने का मामला: पुतिन की भाषा बोल रहे ट्रंप, जेलेंस्की की बढ़ गई टेंशन

वॉशिंगटन। रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के दौरान आई एक खबर ने यूक्रेन का टेंशन बढ़ा दिया है।

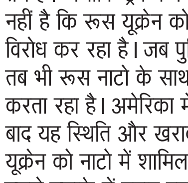

डोनाल्ड ट्रंप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भाषा बोलते नजर आए। ट्रंप ने कहा, 'यूक्रेन को अगर नाटो की सदस्यता मिल गई तो इससे रूस पर खतरा बढ़ जाएगा, क्योंकि नाटो की सेनाएं रूस के बॉर्डर तक पहुंच जाएंगी। इससे उसकी सुरक्षा को गंभीर खतरा होगा।' पुतिन इसी आधार पर यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाए जाने का विरोध करते रहे हैं। ट्रंप के इस बयान से यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की टेंशन बढ़नी तय है। क्योंकि ट्रंप ने कहा, यह कोई आज की बात नहीं है कि रूस यूक्रेन को नाटो की सदस्यता मिलने का विरोध कर रहा है। जब पुतिन रूस के राष्ट्रपति नहीं थे, तब भी रूस नाटो के साथ यूक्रेन की दोस्ती का विरोध करता रहा है। अमेरिका में बाइडन के सत्ता संभालने के बाद यह स्थिति और खराब हो गई क्योंकि बाइडन ने यूक्रेन को नाटो में शामिल कराने का लालच दिया। इससे इलाके में तनाव बढ़ा। ट्रंप ने कहा, हम रूस की भावना को समझ सकते हैं। बाइडन ने यूक्रेन को लेकर जो किया उसमें बहुत गलतियां थीं। डोनाल्ड ट्रंप ने पुतनि की हां में हां मिलाते हुए कहा- यूक्रेन को नाटो की सदस्यता मिलने से रूस की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। पुतिन 2024 में कह चुके हैं कि यूक्रेन को नाटो की महत्वाकांक्षा छोड़नी होगी, अगर सीजफायर करना है। शांति की राह पर चलना है। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट कयिा कि वे पुतनि से मिलने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि 20 जनवरी को शपथग्रहण से पहले उनकी कोई मुलाकात नहीं होने वाली।

रुस ने यूक्रेन पर दागी मिसाइलें 13 की मौत, 30 लोग घायल

मॉस्को, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

रूस ने दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर पर मिसाइलें दागीं जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 30 अन्य घायल हो गए। रूस के अधिकारियों ने इस हमले में एक बड़े ड्रोन हमले की बात मानी है और कहा कि उन्होंने लड़ाई के लिए एक आपातकालीन कमांड सेंटर स्थापित किया है। वहीं यूक्रेन ने भी अपनी तरफ से लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन का शस्त्रागार विकसित करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं ताकि वह रूस में पश्चिमी आपूर्ति वाली मिसाइलों से हमला कर सके। यूक्रेन ने ड्रोन और मिसाइलों को अपनी सेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण बनाते हुए सीमाओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इससे पहले यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने बताया कि रूस के सारातोव क्षेत्र के एंगेल्स में एक भंडारण सुविधा पर ड्रोन हमला हुआ था। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन ड्रोन के मलबे से एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यह हमला हुआ और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे नागरिक क्षेत्रों पर किए गए एक और क्रूर हवाई हमले के रूप में बताया। आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची जेलेंस्की ने कहा कि इस हमले के दौरान कई लोग मलबे के नीचे दब गए थे और उन्हें बचाने के लिए आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंची। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट की जिसमें नागरिक मलबे से भरी सड़कों पर पड़े हुए दिखाई दे रहे थे। राष्ट्रपति ने इसे नागरिकों पर किए गए हवाई हमलों की क्रूरता का उदाहरण बताया।

जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने कहा कि हमले से कुछ मिनट पहले ही उन्होंने विनाशकारी ग्लाइड बम और मिसाइल हमलों की चेतावनी दी थी। दोपहर में रूसी सैनिकों ने जापोरिज्जिया में ग्लाइड बम गिराना शुरू कर दिया और इनमें से कम से कम दो बम शहर की आवासीय इमारतों पर गिरे। फेडोरोव ने घोषणा की कि गुरुवार को इस क्षेत्र में शोक का दिन होगा। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि नागरिकों पर हवाई हमले करना सबसे क्रूर अपराध है। उन्होंने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि दुनिया के बाकी देश यूक्रेन को सुरक्षा देने के लिए आगे आएं और इस संघर्ष में यूक्रेन का समर्थन करें।क्षेत्र के गवर्नर रोमन बुसार्गिन ने कहा कि यह नुकसान मलबे के कारण हुआ था लेकिन इसमें कोई मौत या घायल नहीं हुआ। एंगेल्स जो वोल्गा नदी के बाएं किनारे पर स्थित है रूस के परमाणु-सक्षम बमवर्षकों का मुख्य अड्डा भी है। युद्ध के शुरुआती दौर से ही यूक्रेनी ड्रोन हमले इस क्षेत्र को निशाना बना रहे हैं जिससे रूस की सेना को अपने अधिकांश बमवर्षकों को दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित करना पड़ा है।

रूस में छात्राओं को सरकार का ऑफर, बच्चा पैदा किया तो मिलेंगे एक लाख यह योजना देश की गिरती जन्मदर को सुधारने के लिए 1 जनवरी से लागू

मास्को। रूस के कारेलिया में 25 साल से कम उम्र की छात्राओं को स्वस्थ बच्चे को जन्म देने पर एक लाख रूबल यानी करीब 81 हजार रुपए की पेशकश की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह योजना देश की गिरती जन्मदर को सुधारने के लिए लागू की गई है। यह योजना 1 जनवरी से लागू हो गई है। इसमें वही महिलाएं पात्र होंगी, जो स्थानीय विश्वविद्यालय या कॉलेज में नियमित छात्रा होंगी और 25 साल से कम उम्र की हो और कारेलिया की रहने वाली हों। यह योजना उन माताओं पर लागू नहीं होगी, जो मृत शिशुओं को जन्म देती हैं। हालांकि, इसमें

यह उल्लेख नहीं है कि यदि बच्चे की जन्म के बाद मृत्यु हो जाती है, तो भुगतान की स्थिति क्या होगी। इसी प्रकार यह साफ नहीं किया गया है कि यदि बच्चा दिव्यांग पैदा होता है, तो मां इस भुगतान के लिए पात्र होगी या नहीं। इसके अलावा बच्चों की देखभाल और प्रसवोत्तर स्वास्थ्य खर्चों में सहायता के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता का उल्लेख भी नीति में नहीं किया गया है। कारेलिया ऐसा करने वाला पहला और अकेला नहीं है। रूस के कम से कम 11 अन्य क्षेत्रीय सरकारें भी छात्राओं को बच्चे को जन्म देने के लिए प्रोत्साहन राशि देती हैं। विशेषज्ञों ने इस कदम को अपर्याप्त और दूरदर्शिता की कमी वाला बताया है। उनका कहना है कि नई माताओं के लिए बेहतर सुरक्षा और आदर्श आर्थिक स्थितियों की अनुपस्थिति में यह योजना प्रभावी नहीं होगी। 2024 के पहले छह महीनों में रूस में केवल 5,99,600 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले 25 सालों में सबसे कम है। यह आंकड़ा 2023 की इसी अवधि की तुलना में 16,000 कम है। जून महीने में तो जन्मदर ऐतिहासिक रूप से 100,000 से भी नीचे गिर गई। रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन के प्रवक्ता ने जुलाई में कहा था कि यह देश के भविष्य के लिए विनाशकारी है। 1990 के दशक की शुरुआत में रूस की जनसंख्या 148 मिलियन थी, जो अब घटकर करीब 146 मिलियन रह गई है। संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि यह संख्या 2100 तक 74 मिलियन से 112 मिलियन के बीच रह सकती है। इस तरह के अल्पकालिक उपाय जन्मदर को बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन ये रूस की गंभीर जनसंख्या संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं क्योंकि इस समय रुस यूक्रेन से जंग लड़ रहा है जिसमें उसे अपने कई सैनिकों को खोना भी पड़ा है।

डब्ल्यूएचओं ने कर दिया साफ कहा-एचएमपीवी महज सर्दियों में होने वाला सामान्य संक्रमण

जिनेवा, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

सर्दियों के दौरान सांसो से जुड़े संक्रमण में बढ़ोतरी और ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अधिकारी मार्ग्रेट हैरिस ने इसको लेकर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सर्दियों और वसंत ऋतु के दौरान श्वसन संक्रमणों का बढ़ना सामान्य है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि बीते दिनों एचएमपीवी ने भारत में भी दस्तक दे दी है। देश में एचएमपीवी के 5 नए मामले सामने आए थे। इनमें से 2 मामले कर्नाटक में, 2 तमिलनाडु में और 1 गुजरात में मिले थे। हालांकि केंद्र सरकार ने आश्वस्त किया था कि इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

मार्ग्रेट हैरिस ने यह भी कहा कि चीन में श्वसन संक्रमण के जो मामले सामने आ रहे हैं, वे सामान्य स्तर पर हैं और सर्दियों के मौसम में इस तरह के मामले अक्सर आते रहते हैं।

उन्होंने बताया कि चीन में अस्पतालों का उपयोग दर पिछले साल की तुलना में इस समय कम है और किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति घोषित नहीं की गई है।

हैरिस ने यह स्पष्ट किया कि ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस कोई नया वायरस नहीं है। इसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था और यह लंबे समय से मानव आबादी में मौजूद है। यह वायरस सर्दियों और वसंत के मौसम में सक्रिय होता है और इसके लक्षण सामान्य सर्दी जैसे होते हैं।

उन्होंने बताया कि चीन के रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस सबसे ज्यादा मामलों में सामने आ रहा है। दिसंबर के अंत में इन्फ्लुएंजा के लिए टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 30प्रतिशत से अधिक थी, जो आउटपेशेंट और आपातकालीन विभागों में फ्लू जैसे लक्षणों के साथ प्रस्तुत होने वाले मरीजों के लिए सामान्य है।

हैरिस ने संक्रमण से बचाव के लिए सरल उपाय अपनाने की सलाह दी है। ये वही उपाय हैं, जो कोविड-19 के दौरान सुझाए गए थे। उन्होंने कहा, सर्दियों के दौरान बीमार होने से बचने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, संक्रमण से बचाव के उपायों को अपनाना। मास्क पहनना, हाथ धोना और भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचना, इन संक्रमणों को फैलने से रोक सकते हैं।

हिरासत से रिहा होने के बाद इटली की पत्रकार

ईरान की हिरासत से रिहा होने के बाद इटली की पत्रकार सिसीलिया सैला अपनी घर की ओर रवाना होते समय उत्साहित दिखीं।

मेक्सिको को गल्फ ऑफ अमेरिका कहने पर ट्रंप को मिला मुंह तोड़ जवाब

मेक्सिको राष्ट्रपति ने नक्शा जारी कर कहा-अमेरिका को मेक्सिकन अमेरिका कहा

मैक्सिको सिटी, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप विस्तारवादी प्लान बनाने में जुट हैं। वह कभी अमेरिका में कनाडा के विलय की बातें करते हैं तो कभी पनामा और ग्रीनलैंड पर कब्जे की। उन्होंने हाल ही में गल्फ ऑफ मेक्सिको को गल्फ ऑफ अमेरिका कहा था, लेकिन अब मेक्सिको की राष्ट्रपति ने ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका को मेक्सिकन अमेरिका कहा जाना चाहिए। उन्होंने एक ग्लोबल मैप भी जारी किया। इस मैप को

अमेरिका को मेक्सिन अमेरिका के तौर पर दिखाया गया है। क्लाउडिया ने मैप दिखाते हुए कहा कि अमेरिका गल्फ ऑफ मेक्सिको को गल्फ ऑफ अमेरिका बताने पर तुला है लेकिन हम अमेरिका को मेक्सिकन अमेरिका क्यों नहीं कह सकते क्या ये अच्छा नहीं लगेगा 1607 का संविधान मेक्सिन अमेरिका था तो आइए अमेरिका को मेक्सिन अमेरिका कहें। बता दें डोनाल्ड ट्रंप ने गल्फ ऑफ मेक्सिको का नाम बदलकर गल्फ ऑफ अमेरिका करने का सुझाव दिया था। ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की बात की थी। उन्होंने कहा था कि गल्फ ऑफ अमेरिका कितना खूबसूरत नाम है और यह एकदम सटीक भी है। मेक्सिको को कार्टेल चला रहे हैं। वह बहुत खतरनाक जगह हैं। अमेरिका ने मेक्सिको में जमकर निवेश भी किया है और अब हमें ही इसका जिम्मा लेना होगा और इसकी हालत सुधारनी होगी।

अमेरिका और मेक्सिको इंटरनेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑर्गेनाइजेशन (आईएचओ) के सदस्य देश हैं। ये एजेंसी दुनिया के सभी समुद्रों और महासागरों का सर्वे करती है। आईएचओ के पास जगहों के नाम बदलने की भी जिम्मेदारी है, लेकिन सामान्य तौर पर नाम बदलने के लिए दोनों पक्षों की सहमति जरूरी होती है।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग ने धारण किया भीषण रूप, 5 लोगों की मौत, बड़ी संख्या में इमारतें नष्ट, लाखों प्रभावित

कैफोर्निया, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में लॉस एंजिल्स के नजदीक जंगलों में लगी आग ने भयावह रूप ले लिया है। आग से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है और काफी संख्या में लोग घायल हैं। करीब तीस हजार लोगों को घर-बार छोड़ना पड़ा है। आग की चपेट में आकर बड़ी संख्या में इमारतें नष्ट हो गई हैं।

शुरुआत में यह आग पैसिफिक पैलिसेड्स, ईटन और हर्स्ट के जंगलों में लगी जो तमाम प्रयासों बावजूद दूसरे इलाकों में फैल गई। बताया जा रहा है कि दक्षिण कैलिफोर्निया के सूखे जंगलों में तेज हवाओं के साथ यह आग तेजी से फैली।

अबतक 5 लोगों की मौत लॉस एंजिलेस के जंगलों में लगी आग लगातार तेजी से फैल रही है जिसके कारण स्टेट ऑफ इमरजेंसी की घोषणा कर दी गई है। साथ ही लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है।

एलए काउंटी के फायर चीफ एंथनी मार्रोन ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि ईटन में लगी आग के कारण 5 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हैं। जबकि लॉस एंजेल्स के पैसिफिक पैलिसेड्स में लगी आग के दौरान हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इसके साथ ही हर्स्ट में आग भड़क गई है।

लाखों लोग प्रभावित, बड़ी संख्या में इमारतें नष्ट

इस आग से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और करीब 30 हजार लोगों को घर छोड़ना पड़ा है।आग की भयावहता और दूसरे इलाकों में इसके फैलने की आशंका को देखते हुए 50 हजार लोगों को घर खाली करने के आदेश दिए गए हैं। इस आग से डेढ़ हजार से ज्यादा इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। कैलिफोर्निया के पसाडिना शहर में आग से यहूदी प्रार्थनास्थल जल गया।

हॉलीवुड पर भी असर

इस आग का असर अमेरिकी फिल्म उद्योग हॉलीवुड पर भी पड़ा है। आग से बुरी तरह प्रभावित कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलेस में हॉलीवुड के बहुत सारे स्टूडियो और सैकड़ों फिल्म सितारों का यह स्थायी ठिकाना है। इन फिल्मी सितारों को दूसरे सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

इतिहास की सबसे महंगी आग

आग को बुझाने की कोशिशें अबतक नाकाफी साबित हुई हैं। यह आग अमेरिकी इतिहास की सबसे महंगी आग साबित हो सकती है। इस आग को बुझाने और इसके बाद का खर्च अरबों डॉलर में जा सकता है।

एएफआई एथलीट आयोग में 6 महिलाएं, नीरज चोपड़ा 3 पुरुष सदस्यों में शामिल

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)। लंबी कूद की महान खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज को बुधवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के नौ सदस्यीय एथलीट आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिसमें छह महिलाएं हैं और भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा सबसे प्रमुख पुरुष सदस्य हैं।

नए पैनल में अन्य महिलाएँ धावक ज्योतिर्मयी सिकदर, डिस्कस थ्रोअर कृष्णा पूनिया, बाधा दौड़ खिलाड़ी एमडी वलसम्मा, स्टीपलचेज़र सुधा सिंह और धावक सुनीता रानी हैं। 2003 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंजू एएफआई में वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी हैं। ये सभी महिलाएं सेवानिवृत्त हैं और उनका शामिल होना एएफआई की अपनी व्यवस्था में लैंगिक समानता की खोज में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है। पिछले आयोग में चार महिलाएँ थीं। पिछले साल अक्टूबर में हुए चुनावों के बाद बुधवार को आयोग का अनावरण किया गया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा एएफआई की कार्यकारी परिषद द्वारा परामर्श के बाद नामित चार सदस्यों में से एक हैं। आयोग के अन्य दो पुरुष सदस्य 3000 मीटर स्टीपलचेज़र अविनाश साबले और नवनिर्वाचित एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू हैं, जो 2002 एशियाई खेलों में शॉटपुट स्वर्ण पदक विजेता हैं। सागू पिछले आयोग के अध्यक्ष थे। निवर्तमान एएफआई कोषाध्यक्ष मधु कांत पाठक, जो चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर थे, ने कहा कि चुनाव उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आयोजित किए गए थे। चुनाव अधिसूचना जारी की गई और अन्य नियमों और विनियमों का पालन किया गया। पांच सदस्य चुने गए।

पाठक ने कहा, बाद में कार्यकारी परिषद के साथ परामर्श के बाद, नीरज और साबले सहित चार सदस्यों को एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में जोड़ा गया। नीरज और साबले दोनों ने शुरू में कहा था कि वे ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे क्योंकि वे सक्रिय एथलीट हैं, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया।

सुमारिवाला को पदेन सदस्य बनाया गया - निवर्तमान एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला कार्यकारी परिषद के पदेन सदस्य के रूप में बने रहेंगे क्योंकि वे विश्व एथलेटिक्स परिषद का हिस्सा हैं। 67 वर्षीय सुमारिवाला, जिन्होंने 2012 से लगातार तीन कार्यकालों तक एएफआई अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, वर्तमान में विश्व एथलेटिक्स के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं। एएफआई योजना आयोग के अध्यक्ष ललित भनोट ने वार्षिक आम सभा की बैठक के समापन दिवस पर घोषणा की, उन्होंने कहा, हमने पिछले साल एएफआई संविधान में संशोधन किया था, जिसके अनुसार विश्व एथलेटिक्स परिषद में शामिल कोई भी व्यक्ति एएफआई कार्यकारी परिषद का पदेन सदस्य होगा। मंगलवार को सुमारिवाला ने जोर देकर कहा था कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं और एएफआई के नए पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करने तथा संस्था के प्रवक्ता के रूप में भी काम करने के लिए मौजूद रहेंगे। बुधवार को सागू ने घोषणा की कि सुमारिवाला समिति के अध्यक्ष भी होंगे जो सरकार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय निकायों के साथ संपर्क बनाए रखेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: पहले दौर में टॉमस माचाक से भिड़ेंगे सुमित नागल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में एकल वर्ग में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल को गुरुवार को कड़ा ड्रॉ मिला। दुनिया के 96वें नंबर के खिलाड़ी नागल मेलबर्न में शुरुआती दौर में 26वीं वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी टॉमस माचाक से भिड़ेंगे। दोनों खिलाड़ियों ने कभी एक-दूसरे का सामना नहीं किया है। माचाक पर जीत का मतलब है कि उन्हें दूसरे दौर में बड़ी सर्विस करने वाले अमेरिकी खिलाड़ी रीली ओपेल्का से भिड़ना पड़ सकता है। भारतीय खिलाड़ी 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच के साथ ड्रॉ के उसी वर्ग में हैं। 24 वर्षीय माचाक ने पेरिस ओलंपिक में कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता था। वह जिनेवा में अपने पहले टूर-लेवल फाइनल में पहुंचे और पिछले साल शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में चार बार के मेजर विजेता कार्लोस अल्कराज को भी हराया। नागल का पिछले साल शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत क्वालीफायर के रूप में की और 31वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को सीधे सेटों में हराया। नागल 35 साल में किसी ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए। नागल से पहले ऐसा करने वाले आखिरी खिलाड़ी रमेश कृष्णन थे, जिन्होंने 1989 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैट्स विलेंडर को हराया था। नागल ने दो चैलेंजर टूर खिताब जीते और एटीपी टॉप 100 में भी पदार्पण किया। उन्होंने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अन्य तीन मेजर में भी सीधे प्रवेश पाया। नागल कभी भी मेजर टूर्नामेंट में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

इंग्लैंड हॉकी ने महिला वर्ग में ट्रांसजेंडर महिलाओं के खेलने पर प्रतिबंध लगाया

लंदन। इंग्लैंड हॉकी ने बुधवार को एक नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत अगले सत्र की शुरुआत से ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया जाएगा। ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, शासी निकाय ने दो प्रतियोगिता श्रेणियां शुरू की हैं: महिला और ओपन, जिसमें ओपन में ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी खिलाड़ियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत है। पिछली नीति की समीक्षा जुलाई 2023 में शुरू हुई, जिसमें खेल परिषदों के समानता समूह के मार्गदर्शन को शामिल किया गया। इंग्लैंड हॉकी ने एक बयान में कहा, इस साक्ष्य के आधार पर, हमने निर्धारित किया है कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए ट्रांस और नॉन-बाइनरी भागीदारी नीति को ट्रांस भागीदारी को प्रतिबंधित करना चाहिए। संगठन ने कहा, हम सभी प्रभावित खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे हॉकी में भाग लेना जारी रखने के लिए सही रास्ता खोजें। 1 सितंबर से प्रभावी नई नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई निष्पक्ष तरीके से हॉकी खेल में भाग ले सके। कई अन्य खेल निकायों ने हाल ही में शीर्ष महिला स्पर्धाओं में ट्रांसजेंडर महिलाओं की भागीदारी पर इसी तरह के प्रतिबंध लागू किए हैं। लॉन टेनिस एसोसिएशन ने कुछ घरेलू टेनिस और पैडल टूर्नामेंटों से ट्रांसजेंडर महिलाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि एलपीजीए गोल्फ टूर ने पिछले महीने घोषणा की थी कि ट्रांसजेंडर महिलाएं 2025 के सत्र से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अयोग्य होंगी।

हंगरी की तैराक आयरन लेडी कैटिंका होस्जु ने की संन्यास की घोषणा

बुडापेस्ट। आयरन लेडी के नाम से मशहूर हंगरी की तैराक कैटिंका होस्जू ने बुधवार को प्रतिस्पर्धी तैराकी से संन्यास की घोषणा की। सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण संदेश में, 35 वर्षीय तैराक ने उन सभी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनका समर्थन किया और खेल द्वारा प्रदान की गई परिवर्तनकारी यात्रा पर विचार किया। उन्होंने कहा, अब, जब मैं अपने करियर पर नजर डालती हूँ, तो मुझे बहुत संतुष्टि का एहसास होता है। पदक और रिकॉर्ड मूल्यवान हैं, लेकिन जो चीज़ मेरे साथ सबसे ज़्यादा जुड़ी हुई है, वह है तैराकी के प्रति मेरा शाश्वत प्रेम। होस्जू की उपलब्धियों की सूची असाधारण है। वह तीन बार की ओलंपिक चैंपियन हैं, जिन्होंने 200 मीटर और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में स्वर्ण पदक जीता है, साथ ही 2016 रियो ओलंपिक में 100 मीटर बैकस्ट्रोक में भी स्वर्ण पदक जीता है। अपने करियर के दौरान, उन्होंने 97 पदक जीते और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले विश्व रिकॉर्ड 2:06.12 के साथ पूल से बाहर निकलीं, जिससे खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई।

फॉर्मूला 1 ने बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स के साथ बहु-वर्षीय विस्तार की घोषणा की

ब्रुसेल्स, 09 जनवरी (एजेंसियां)।

फॉर्मूला 1 ने बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स के साथ बहु-वर्षीय विस्तार पर सहमति व्यक्त की है, जिसके तहत अगले छह वर्षों में से चार वर्षों में यह खेल प्रतिष्ठित सर्किट डी स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स में आयोजित किया जाएगा। विस्तार में 2026, 2027, 2029 और 2031 ग्रैंड प्रिक्स सीज़न शामिल हैं।

पिछले साल, बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स ने रेस वीकेंड में तीन दिनों के रोमांचक एक्शन में 380,000 प्रशंसकों का स्वागत किया, जिसमें मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन ने सीजन की अपनी दूसरी जीत और स्पा में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की।

1921 में निर्मित, स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स 1950 में फॉर्मूला 1 की पहली चैंपियनशिप का हिस्सा बनने वाले सिर्फ सात सर्किटों में से एक था और तब से 57 ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी कर चुका है। वालोनियन सर्किट प्रशंसकों और ड्राइवरों द्वारा समान रूप से लंबे सीधे रास्तों और चुनौतीपूर्ण तेज कोनों के मिश्रण के लिए मनाया जाता है, जिसमें दुनिया के रेसट्रैक के सबसे प्रसिद्ध खंडों में से एक शामिल है, जहां ड्राइवर ईओ रूज और रेडिलॉन से गुजरते हैं, फिर केमेल स्ट्रेट पर जाते हैं।

7.004 किमी तक फैला यह सर्किट फॉर्मूला 1 कैलेंडर का सबसे लंबा सर्किट है और इसमें इस खेल के कुछ सबसे मशहूर ड्राइवर शामिल हैं, जिनमें आयर्टन सेना, माइकल शूमाकर, निकी लौडा और सेबेस्टियन वेटेल शामिल हैं। मौजूदा ग्रिड से लुईस हैमिल्टन, चार्ल्स लेक्लर और मैक्स वर्स्टैपेन ने भी सर्किट में जीत हासिल की है।

इस सीजन में फॉर्मूला 1 बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स 2025 का आयोजन 25-27 जुलाई को होगा और इसमें ट्रैक पर स्न1 स्प्रिंट की वापसी होगी, जिससे रेस वीकेंड के तीनों दिनों में प्रशंसकों को और भी बेहतरीन रेसिंग मनोरंजन मिलेगा।

फॉर्मूला 1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकली ने फॉर्मूला 1 प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स 1950 में हमारी पहली चैंपियनशिप बनाने वाली दौड़ों में से एक थी, इसलिए जब हम अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तो यह उचित है कि हम इस महत्वपूर्ण विस्तार की खबर साझा कर सकें। स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स को ड्राइवरों और प्रशंसकों द्वारा दुनिया के सबसे बेहतरीन रेसट्रैक में से एक के रूप में सराहा जाता है और इसने फॉर्मूला 1 में अपने कई सीज़न में कुछ अविश्वसनीय क्षणों की मेजबानी की है।

हाल के वर्षों में इसने सुविधा और समग्र प्रशंसक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण काम किया है, और मैं बेल्जियम में फॉर्मूला 1 के लिए उनके समर्पण और भावुक समर्थन के लिए प्रमोटर और वालोनिया सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

स्पा ग्रांड प्रिक्स के अध्यक्ष मेल्चियोर वेथेलेट और स्पा ग्रांड प्रिक्स की सीईओ वैनेसा मैस ने विज्ञप्ति में कहा, हम दोनों इस नवीनीकरण पर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं, जो आपसी विश्वास को दर्शाता है क्योंकि हमने अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत किया है और हाल के वर्षों में रिकॉर्ड उपस्थिति और शानदार प्रशंसक अनुभव प्रदान किया है। यह अनुबंध विस्तार एक बार फिर से वालून सरकार और प्रशंसकों के समर्थन के कारण संभव हुआ है, हम साथ मिलकर अपने अद्भुत क्षेत्र के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं।

शमी के वापसी की उम्मीदें बढ़ीं, आकाशदीप एक महीने के लिए बाहर

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और संभावित रूप से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में वापसी करने की उम्मीद है। नवंबर 2023 में विश्व कप फाइनल के बाद से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज ने हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट खेलना फिर से शुरू किया है और उनके भारतीय टीम के लिए उपलब्ध होने की संभावना है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार, एनसीए की मेडिकल टीम शमी की बारीकी से निगरानी कर रही है, जिनकी दाहिनी एड़ी की सर्जरी हुई है। एड़ी ठीक हो गई है, लेकिन उनके घुटने में हल्की सूजन है, जिसके कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद के चरणों के लिए विचार से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में, शमी ने बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ खेलों में भाग लिया है और गुरुवार को बड़ौदा में हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में फिर से खेलने के लिए तैयार हैं।

जैसा कि बीसीसीआई ने कहा है, शमी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं, और वह जहां भी जाते हैं, उनके साथ कम से कम एक एनसीए फिजियो या ट्रेनर रहता है। राजकोट में कुछ फिजियो या ट्रेनर थे, जहां शमी ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में खेला था और हाल ही में, हैदराबाद में शमी और हार्दिक पांड्या दोनों की देखरेख करते हुए एक एनसीए फिजियो को देखा गया था।

चयन समिति के सदस्य शमी के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन करने के लिए बड़ौदा में विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैचों में भाग लेने की संभावना है। शुरुआती संकेत बताते हैं कि उनकी गेंदबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा है और वह काफी हद तक परेशानी मुक्त हैं। जबकि उनके वापस बुलाए जाने के लिए एनसीए की मंजूरी अनिवार्य है। इस बीच, तेज गेंदबाज आकाश दीप के इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सफेद गेंद की सीरीज में खेलने की संभावना नहीं है, साथ ही उनके कुछ मौजूदा भारतीय साथी भी इसमें शामिल नहीं होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि पीठ दर्द के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट से चूकने वाले आकाश दीप कम से कम एक महीने तक मैदान से बाहर रहेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट लगाती हुई चीन की झेंग क्वींविन।

श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए कोनोली, मैकस्वीनी कुहनेमन ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

मेलबर्न, 09 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए गुरुवार को टीम की घोषणा कर दी है। कूपर कोनोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और नाथन मैकस्वीनी की वापसी हुई है, सैम कोनस्टास और ब्यू वेबस्टर को भी अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद टीम में शामिल किया गया है।

बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी नाथन लियोन के साथ मिलकर तीन मुख्य स्पिनरों की भूमिका निभाएंगे।

गॉल में परिस्थितियां अनुकूल होने की उम्मीद है, जहां दोनों टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

हालांकि, मिशेल मार्श का टेस्ट करियर अब काफी संदेह में है, क्योंकि भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट के लिए उन्हें बाहर किए जाने के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे से बाहर कर दिया गया है।

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी स्टीवन स्मिथ करेंगे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं और टखने की चोट से उबर रहे हैं। जोश हेजलवुड को भी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बाहर रखा गया है, क्योंकि उनकी भारत श्रृंखला कॉल्फ चोट के कारण बीच में ही समाप्त हो गई थी। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, श्रीलंका दौरा करने के लिए एक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक जगह है, क्योंकि खिलाड़ियों को अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यह टीम प्रत्येक मैच में किस तरह के विकेट का सामना कर सकती है, इसके आधार पर एकादश को संरचित करने के कई तरीके प्रदान करती है। हम उन टीम के सदस्यों के लिए आगे के अवसर को लेकर उत्साहित हैं जो अपने टेस्ट करियर की शुरुआत में हैं और उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में अपने खेल को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जहाँ आने वाले वर्षों में हमारे पास कई महत्वपूर्ण दौरे हैं। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था। 21 वर्षीय वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर कोनोली दो टेस्ट के लिए टीम में एक और ऑलराउंड विकल्प प्रदान करते हैं।

श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है

स्टीवन स्मिथ, सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

16 वर्षीय ऋषिका बनर्जी ने रचा इतिहास, राष्ट्रीय फुल कॉन्टैक्ट कराटे चैंपियनशिप 2025 का जीता खिताब

रानीगंज, 09 जनवरी (एजेंसियां)। कौशल, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का असाधारण प्रदर्शन करते हुए कोलकाता की 16 वर्षीय कराटेका ऋषिका बनर्जी ने राष्ट्रीय पूर्ण संपर्क कराटे चैम्पियनशिप 2025 जीत लिया है, इसी के साथ वह यह चैम्पियनशिप जीतने वाली सबसे कम उम्र की विजेता बन गई हैं।

ओपन-वेट वयस्क वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ऋषिका की जीत ने टूर्नामेंट की विरासत में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया।

पश्चिम बंगाल के रानीगंज में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऋषिका ने चार मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ कठिन मुकाबले खेले, जिनमें से प्रत्येक कई कठिन दौरों तक चला। चुनौतियों के बावजूद, ऋषिका ने शानदार तकनीक और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया।

अपनी जीत पर ऋषिका ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह जीत सिर्फ़ मेरे लिए नहीं बल्कि हर उस युवा मार्शल आर्टिस्ट के लिए है जो बड़े सपने देखता है। ओपन-वेट कैटेगरी में अनुभवी वयस्कों के खिलाफ़ प्रतिस्पर्धा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसने मुझे दृढ़ता और खुद पर विश्वास का मूल्य सिखाया।

उनके पिता और कोच, मयूख बनर्जी ने कहा, ऋषिका की अपने हुनर के प्रति प्रतिबद्धता बेमिसाल है। सिर्फ़ 16 साल की उम्र में इतना प्रतिष्ठित खिताब जीतना उनकी कड़ी मेहनत और मार्शल आर्ट के प्रति जुनून का सबूत है।

16 साल की उम्र में, ऋषिका इस चैंपियनशिप के 28 साल के इतिहास में जीतने वाली सबसे कम उम्र की दावेदार हैं।

ऋषिका की कराटे यात्रा 4.5 वर्ष की छोटी सी उम्र में शुरू हुई, जिसका मार्गदर्शन उनके पिता और कोच मयूख बनर्जी ने किया, जो कोलकाता में माइक मार्शल आर्ट्स के संस्थापक हैं।

12 वर्ष की उम्र में, उन्होंने शोटोकन कराटे में अपनी ब्लैक बेल्ट हासिल की।

वर्तमान में उनके पास ब्राउन स्ट्राइप है। यह चैंपियनशिप जीत उनकी बढ़ती हुई प्रशंसाओं की सूची में जुड़ती है, जिसमें यूरोपीय ओपन कराटे क्योकुशिंकाई चैंपियनशिप 2024 में अंडर-16 महिला खिताब शामिल है, जहाँ उन्होंने डेनमार्क, स्पेन और कैनरी द्वीप समूह के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों के खिलाफ जीत हासिल की।

ऋषिका की उपलब्धि युवा एथलीटों, विशेष रूप से लड़कियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा है, जो साबित करती है कि प्रतिस्पर्धी खेलों में सफलता के लिए उम्र और लिंग कोई बाधा नहीं हैं। उनकी यात्रा अनुशासन, कड़ी मेहनत और गुरुओं और परिवार के अटूट समर्थन के महत्व को रेखांकित करती है।

डेविन संस ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, अपर सर्किट के बावजूद निवेशकों को 16 प्रतिशत का नुकसान

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां)।

रेडीमेड कपड़े बनाने का कारोबार करने वाली कंपनी डेविन संस लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग ने कंपनी के आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 55 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 44 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री होते ही आईपीओ निवेशकों को 11 रुपये यानी 20 प्रतिशत के लिस्टिंग लॉस का सामना करना पड़ा। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर 46.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इसके बावजूद आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही डिस्काउंट लिस्टिंग की वजह से 16.36 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा।

डेविन संस लिमिटेड का 8.78 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 6 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। रिटेल इन्वेस्टर्स के जोरदार रिस्पॉन्स के कारण ये आईपीओ ओवरऑल 120.8 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 164.78 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 15.96 लाख शेयर जारी किए हैं। आईपीओ के जरिए इकट्ठा किए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल एक्सपेंडिचर, वेयरहाउस की खरीदारी, वर्किंग कैपिटल की जरूरत और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

डेविन संस मशहूर ब्रांडों के लिए हाई क्वालिटी जींस, शर्ट और डेनिम जैकेट जैसे रेडीमेड कपड़े का उत्पादन करती है। कंपनी को 2022-23 में 56.62 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो 2023-24 में बढ़ कर 1.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 242 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 13.39 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

चालू वित्त वर्ष में 6.3 फीसदी रहेगी आर्थिक वृद्धि दरः एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर देश के अच्छे वृद्धि के दौरान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पूर्वानुमान से कम रह सकती है। एनएसओ ने 2024-25 के जीडीपी की वृद्धि दर का अनुमान बताया है, जो एसबीआई के दावे से कम है। इस दावे के बीच का अंतर हमेशा रहा है, पर इस बार यह 0.20-0.30 फीसदी तक हो सकता है। चालू वित्त वर्ष के लिए अब उचित अनुमान के रूप में 6.4 फीसदी की वृद्धि दर बाह्य दिख रही है, लेकिन एसबीआई का कहना है कि यह 6.3 फीसदी भी हो सकती है। आरबीआई का विकास दर का अनुमान 6.6 फीसदी है। अगले वर्ष राजकोषीय घाटे में एक अक्षमता होने की संभावना है, इसलिए सरकार चाहेगी कि उसके अनुरूप व्यवहार करने के संभावना समय पर हो। जीडीपी में सुस्ती की पहली अग्रिम अनुमान सुझाव देती है, लेकिन पहले महीने में चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.9 फीसदी हो सकता है। एक अच्छा संकेत है कि निर्यात में भी अच्छी गति है, जो आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

सीमेंट सेक्टर का सबसे बड़ा आईपीओ आने को तैयार, जेएसडब्ल्यू सीमेंट का यह आईपीओ सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम है

नई दिल्ली। जीएसडब्ल्यू सीमेंट ने आईपीओ लाने की तैयारी कर ली है, उम्मीद की जा रही है कि यह आईपीओ जल्द ही बाजार में प्रवेश करेगा। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 4000 करोड़ रुपए की राशि जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। सेबी की मंजूरी के बाद इस आईपीओ ली प्रक्रिया की शुरुआत की जा रही है। 2000 करोड़ रुपए के फ्रेश इश्यू के साथ ही 2000 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल भी होगा। इस ऑफर फॉर सेल में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भी शामिल होंगे। जेएसडब्ल्यू सीमेंट का यह आईपीओ सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नुवोको विस्टा के बाद सीमेंट उद्यम के लिए सबसे बड़ा आईपीओ होगा। जुटाई गई राशि का इस्तेमाल नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाने, कर्ज चुकाने और कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट जल्द ही अपनी ग्राइंडिंग कैपेसिटी बढ़ाकर देशभर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की योजना बना रही है। जीएसडब्ल्यू सीमेंट का यह कदम निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद मौका प्रदान करता है, जो सीमेंट सेक्टर में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है ।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

निवेशकों को एक दिन में ही हुआ 3.85 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां)।

तिमाही नतीजे को लेकर बनी आशंका, रुपये की कीमत में गिरावट और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले 1 घंटे तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा, लेकिन इसके बाद तेज बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक में जोरदार गिरावट आ गई। हालांकि बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के बाद एफएमसीजी को छोड़ कर स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। रियल्टी, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह मेटल, आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर एफएमसीजी सेक्टर में खरीदारी होती रही, जिसके कारण एफएमसीजी इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 1.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 435.74 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 439.59 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 3.85 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,229 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,723 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,508 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 624 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,884 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 57.72 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,206.21 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद लिवाल और बिकवाल के बीच खींचतान होती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक के चाल में उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन सुबह 10:30 बजे के बाद बाजार में तेज बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 605.57 अंक लुढ़क कर 77,542.92 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 528.28 अंक की गिरावट के साथ 77,620.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 14.20 अंक की कमजोरी के साथ 23,674.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक ये सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा, लेकिन पहले 1 घंटे का कारोबार खत्म होने के बाद बिकवाली का जबरदस्त दबाव बन जाने के कारण इसमें बड़ी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 185.90 अंक टूट कर 23,503.05 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 12 बजे के करीब खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली के दबाव के कारण बाजार की चाल में सुधार नहीं हो सका। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 162.45 अंक की गिरावट के साथ 23,526.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार में हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज ऑटो 2.24 प्रतिशत, नेस्ले 1.63 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.43 प्रतिशत, ब्रिटानिया 1.37 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस 3.07 प्रतिशत, ओएनजीसी 3 प्रतिशत, बीपीसीएल 2.37 प्रतिशत, कोल इंडिया 2.14 प्रतिशत और टाटा स्टील 2.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के लिए समयसीमा में संशोधन किया

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां)।

हाल ही में सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से समयसीमा में परिवर्तन किया है। अब रेटिंग एजेंसियों को क्रियाकलापों को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के लिए कार्य दिवसों की समयसीमा बढ़ा दी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना।

सेबी का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना

सेबी के इस प्रक्रियापरक संशोधन के तहत क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को सात कार्य दिवसों की समयसीमा के भीतर रेटिंग कार्रवाइयों पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की अनिवार्यता है।

इसके साथ ही चूक न करने वाला ब्योरा एनडीएस को तीन महीनों तक न देने पर संशोधित समयसीमा को पांच कार्यदिवस में समायोजित किया गया है। इससे क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को ज़्यादा जिम्मेदारी सहित काम करने का दबाव महसूस होगा।

सेबी के नियमों में किए गए बदलावों के बाद शेयर बाजार में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने वाले ब्रोकर और बड़ी कंपनियों पर भी नजर रखी जा रही है। सेबी ने हाल ही में फ्रंट रनिंग के मामले में जुर्माने और प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

इससे शेयर बाजार में निवेशकों की रक्षा और बाजार की पारदर्शिता होने में मदद मिलेगी। सेबी के नए निर्देशों के माध्यम से निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक विश्वास मिलेगा। सुरक्षित और पारदर्शी बाजार में निवेश करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो अच्छे नियत से निवेशकों की सुरक्षा और हित की रक्षा करेगा।

बाहुबली मछली

जाल में फंसी बाहुबली मछली, रातों रात मछुआरे की बदल गई किस्मत

सर्राफा बाजार में सोने की बढ़ी चमक, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी नजर आ रही है। हालांकि चांदी बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,970 रुपये से लेकर 78,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,400 रुपये से लेकर 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,820 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 78,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भविष्य 'युद्ध' में...

प्रवासी भारतीय दिवस का 18वां संस्करण आठ जनवरी से 10 जनवरी तक विदेश मंत्रालय और ओडिशा सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का विषय 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' है।सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन करने के अलावा, प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को रिमोट के माध्यम से हरी झंडी दिखाई। दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से रवाना होने वाली यह सेवा भारतीय प्रवासियों के लिए एक विशेष पर्यटक ट्रेन है जो तीन सप्ताह तक उन्हें भारत के कई पर्यटन और धार्मिक स्थलों का सफर कराएगी।

भारत बनेगा ...

वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत से इस प्रोजेक्ट को पूरा किया है। मुझे खुशी है कि देश के 20 से ज्यादा रिसर्च संस्थानों ने इस रिसर्च में अहम भूमिका निभाई है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 10 हजार भारतीयों का जीनोम सीक्वेंसिंग किया गया है और अब यह डेटा भारतीय बायोलॉजिकल डेटा सेंटर (आईबीडीसी) में उपलब्ध है। पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि इस डेटा से बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध और विकास होगा।उन्होंने कहा कि जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट भारत की बायोटेक्नोलॉजी क्रांति का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस प्रोजेक्ट की मदद से हम देश में एक विविध जैविक संसाधन बनाने में सफल हुए हैं। यह भारत को एक वैश्विक फार्मा हब के रूप में और भी मजबूत करेगा। भारत के पिछले दशक में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने पब्लिक हेल्थकेयर के क्षेत्र में कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। इनमें करोड़ों देशवासियों को मुफ्त इलाज की सुविधा, जन औषधि केंद्रों के माध्यम से 80 फीसद डिस्काउंट पर दवाएं उपलब्ध कराना और आधुनिक चिकित्सा ढांचे का निर्माण प्रमुख हैं।उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में बायोटेक्नोलॉजी और बायोमास का संयोजन बायो-इकोनॉमी के रूप में विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हिस्सा है। बायो-इकोनॉमी का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग करना, बायो-आधारित उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में नई संभावनाएं उत्पन्न करना है। भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी फार्मास्युटिकल क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया था, और अब 'जीनोम इंडिया' जैसे प्रोजेक्ट के जरिए भारत और भी आगे बढ़ेगा। इस प्रोजेक्ट की मदद से भारतीय वैज्ञानिकों को भारत के जीनोम लैंडस्केप को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी, जो भविष्य में चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान में अहम भूमिका निभाएगा।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि हमारे वैज्ञानिकों ने कठिनाइयों के बावजूद यह प्रोजेक्ट पूरा किया है और यह भारत के जैविक डेटा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। यह प्रोजेक्ट केवल बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा में भी भारत को एक नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि इस डेटा का इस्तेमाल भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं को और भी प्रभावी और प्रासंगिक बनाने के लिए किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट से न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में बायोटेक्नोलॉजी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। भारत का 'जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट' न केवल भारतीय जनसंख्या की जैविक विविधता का अध्ययन करने में मदद करेगा, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर भी अन्य देशों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

भारत...

हालांकि, भारत ने तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता देने के लिए अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है, लेकिन यह भारत द्वारा अपने राष्ट्रीय और सुरक्षा हितों को सुरक्षित करने का एक प्रयास है, जिसमें कई गतिशील पहलू शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के उच्च स्तर पर बातचीत करने के पीछे मुख्य कारणों में पहला कारण- तालिबान का हितैषी और सहयोगी पाकिस्तान उसका विरोधी बन गया है। दूसरा- ईरान काफी कमजोर हो गया है। तीसरा- रूस अपना युद्ध लड़ रहा है। चौथा- अमेरिका और दुनिया व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी की तैयारी कर रही है। सबसे महत्वपूर्ण पांचवा कारण- चीन तालिबान के साथ राजदूतों का आदान-प्रदान करके अफगानिस्तान में अपनी पैठ बना रहा है।भारत ने अब तक तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता देने के लिए अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। हालांकि, भारत अपने राष्ट्रीय और सुरक्षा हितों को देखते हुए स्थिति पर नजर रख रहा है। भारत जल्द ही इस निष्कर्ष पर पहुंच गया कि आधिकारिक मान्यता दिए बिना आधिकारिक जुड़ाव के स्तर को उन्नत करने का यह सही समय है या फिर अफगानिस्तान में वर्षों के निवेश को खोना होगा। सुरक्षा भारत की सबसे महत्वपूर्ण और मुख्य चिंता है और किसी भी भारत विरोधी आतंकवादी समूह को अफगानिस्तान के क्षेत्र में काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

जमीनी स्तर पर ...

का अवलोकन किया। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों (एन-सीएल) के कार्यान्वयन की दिशा में बीपीआरएंडडी द्वारा किए गए प्रयासों और पहलों की भी विशेष समीक्षा की। गृह मंत्री ने कहा कि बीपीआरएंडडी भारतीय पुलिस बलों को आवश्यक बौद्धिक, भौतिक और संगठनात्मक संसाधनों से लैस करके पुलिसिंग और आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए स्मार्ट बलों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय गृह मंत्री ने एनसीएल प्रशिक्षण और कार्यान्वयन, मौजूदा पुलिस और जेल प्रक्रियाओं और प्रथाओं के उन्नयन के माध्यम से पुलिस बलों के आधुनिकीकरण और नए युग की चुनौतियों से निपटने के लिए ब्यूरो के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मंत्रालय को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जोड़ने वाली नोडल एजेंसी के रूप में बीपीआरएंडडी की भूमिका पर जोर दिया । बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, बीपीआरएंडडी के महानिदेशक, गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और ब्यूरो के अधिकारी मौजूद थे।

महाराष्ट्र सरकार में..

प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर एक ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद मराठवाड़ा के बीड में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को सुधारने के लिए दखल देने की मांग की गई थी। देशमुख हत्या मामले में आरोपियों के साथ संबंधों के आरोपों के बाद धनंजय मुंडे को कैबिने से बर्खास्त करने के लिए भी दबाव डाला गया। संतोष देशमुख को 9 दिसंबर को दिनदहाड़े अगवा कर लिया गया, एक स्कॉर्पियो में धकेल दिया गया और कथित तौर पर लगभग तीन घंटे तक उनके साथ बुरी तरह मारपीट करके जान से मार दिया गया। कहा जा रहा है कि इसके बाद संतोष देशमुख के शव को उनके गांव के पास एक सड़क पर फेंक दिया गया। महाराष्ट्र पुलिस की विशेष जांच टीम ने हत्या के सिलसिले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है। देशमुख की हत्या के बाद से ही एनसीपी के पूर्व पार्षद कराड की संलिप्तता पर उंगलियां उठ रही हैं।हत्या के दो दिन बाद कराड का नाम बीड में एक पवनचक्की कंपनी से 2 करोड़ रुपये की जबरन वसूली करने के आरोप में एफआईआर में दर्ज किया गया। देशमुख के परिवार ने दावा किया कि उनकी हत्या इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने एनसीपी से जुड़े स्थानीय दबंगों के ज़रिए जबरन वसूली की कोशिशों का विरोध किया था।

संक्रांति पर बन रहा पुनर्वसु व पुष्य नक्षत्र का संयोग

14 जनवरी को सूर्य देव अपने पुत्र शनि की राशि में करेंगे प्रवेश

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति पर्व का विशेष महत्व है। जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्रांति मनाई है। हर साल ये दिन 14 जनवरी को होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि इस बार माघ कृष्ण चतुर्थी में पुनर्वसु व पुष्य नक्षत्र के युग्म संयोग में मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। सूर्य देव 14 जनवरी 2025 8:54 मिनट पर अपने पुत्र शनि की स्वामित्व वाली मकर राशि में आ रहे हैं। मकर संक्रांति के त्योहार को बड़े ही उत्साह के साथ पूरे देश में अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार जब सूर्य धनु राशि की अपनी यात्रा को समाप्त करते हुए मकर में प्रवेश करते हैं तब मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाते हैं। उत्तरायण को देवता का दिन कहा जाता है।

इस बार मकर संक्रांति का त्योहार 14 जनवरी को मनाया जा रहा इस वर्ष मकर संक्रांति पर खास तरह के शुभ संयोग बन रहे हैं। शुभ संयोग होने से मकर संक्रांति पर दान, स्नान और जप करने का महत्व बढ़ जाता है। मकर संक्रांति के बाद ही सूर्य उत्तरायण हो जाता है। इस वजह से ठंड असर कम होना शुरू हो और धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगेगी। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का सेवन खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि मकर संक्रांति पर की गई सूर्य पूजा अक्षय पुण्य के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। मकर संक्रांति पर किसी पवित्र नदी में स्नान करने का विशेष है। नदी में स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए। नदी किनारे ही जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज और तिल-गुड़ का दान करें। किसी गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। अभी ठंड का समय है तो जरूरतमंद लोगों ऊनी वस्त्र या कंबल का दान जरूर करें।

खिचड़ी के फायदे

मकर संक्रांति के दिन प्रसाद के रूप में खाए जाने वाली खिचड़ी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। खिचड़ी से पाचन क्रिया सुचारु रूप से चलने लगती इसके अलावा आगर खिचड़ी मटर और अदरक मिलाकर बनाएं तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है साथ ही बैक्टिरिया से भी लड़ने में मदद करती है।

मकर संक्रांति से बदलता है वातावरण

मकर संक्रांति के बाद नदियों में वाष्पन की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिससे कई सारी शरीर के अंदर की बीमारियां दूर हो जाती हैं। इस मौसम में तिल और गुड़ खाना काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर को गर्म रखता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि में सूर्य के ताप शीत को कम करता है।

मकर संक्रांति का महत्व

मकर संक्रांति के दिन गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान और दान करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति पर्व दिन तिल-गुड़ और खिचड़ी खाना शुभ होता है। देश के कुछ राज्यों में यह भी मान्यता है कि चावल, दाल और खिचड़ी का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करना भी बहुत फलदायी माना जाता है। महाभारत युद्ध में पितामह ने भी प्राण त्यागने के लिए इस समय अर्थात सूर्य के उत्तरायण होने तक प्रतीक्षा की थी। सूर्योदय के बाद खिचड़ी आदि बनाकर तिल के गुड़वाले लडडू प्रथम सूर्यनारायण को अर्पित करना चाहिए बाद में दानादि करना चाहिए। अपने नहाने के जल में तिल डालने चाहिए। ओम नमो सूर्याय नमः या ओम सूर्याय नमः का जाप करें। माघ माहात्म्य का पाठ भी कल्याणकारी है। सूर्य उपासना कल्याण कारी होती है। इस दिन सूर्य को जल अवश्य अर्पित करना चाहिए

पिता-पुत्र से संबंधित है मकर संक्रांति का पर्व

संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से निकल कर अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश कर एक मास निवास करते हैं। इससे यह पर्व पिता व पुत्र की आपसी मतभेद को दूर करने तथा अच्छे संबंध स्थापित करने की सीख देता है। सूर्य के मकर राशि में पर शनि से संबंधित वस्तुओं के दान व सेवन से सूर्य के साथ शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है। कुंडली में उत्पन्न अनिष्ट ग्रहों के प्रकोप से लाभ मिलता है। मकर संक्रांति को कई अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। कुछ जगहों पर इसे संक्रांति, पोंगल, माघी, उत्तरायण, और खिचड़ी जैसे नाम से जाना जाता है। इस दिन खिचड़ी खाने और दान करने दोनों का विशेष महत्व होता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मकर संक्रांति के दिन 4 राशियों पर बरसेगी शनिदेव की कृपा, पैसों की तंगी होगी दूर

सनातन धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। यह पर्व सूर्य देव के मकर राशि में करने की तिथि पर मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर गंगा स्नान का विधान है। सुविधा न होने पर गंगाजल युक्त पानी से स्नान कर सकते हैं। मकर संक्रांति पर साधक गंगा स्नान कर सूर्य देव की पूजा करते हैं। इस समय सूर्य देव को काले तिल मिश्रित का अर्घ्य देते हैं। साथ ही काले तिल को बहती जलधारा में प्रवाहित करते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो मकर संक्रांति पर दुर्लभ पुष्य नक्षत्र समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में सूर्य देव की पूजा करने से साधक पर न्याय के शनिदेव की भी कृपा बरसेगी। इस दिन 4 राशि के जातकों पर शनिदेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से आर्थिक तंगी दूर होगी। साथ ही सभी बिगड़े काम भी संवर जाएंगे।

पुष्य नक्षत्र

मकर संक्रांति के दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग सुबह बजकर 17 मिनट से हो रहा है। पुष्य नक्षत्र के स्वामी शनिदेव हैं। पुष्य नक्षत्र में जन्म लेने वाले जातकों की राशि कर्क होती है। पुष्य नक्षत्र में खरीदारी करना उत्तम होता है।

कर्क राशि

मकर संक्रांति के दिन कर्क राशि के जातकों पर शनिदेव कृपा बरसेगी। इस राशि के स्वामी चंद्र देव हैं और आराध्य भगवान शिव हैं। शनिदेव के आराध्य भगवान शिव हैं। अतः कर्क राशि के जातकों पर शनिदेव मेहरबान रहेंगे। उनकी कृपा से सभी बिगड़े काम बनेंगे। साथ ही शुभ कामों में सफलता मिलेगी। अचानक से धन लाभ हो सकता शत्रुओं पर जीत प्राप्त होगी। यात्रा के योग बनेंगे। सभी रुके काम पूरे होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। मकर संक्रांति के दिन कच्चे दूध या गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से सभी संकट दूर हो जाएंगे।

तुला राशि

राशि के जातकों के लिए मकर संक्रांति शुभ रहने वाला है। इस राशि पर शनिदेव की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से अटके कामों में सफलता मिलेगी। बिगड़े काम बनेंगे। ससुराल पक्ष से धन लाभ हो सकता है। बल एवं बुद्धि वृद्धि होगी। मकर संक्रांति पर पुण्य कार्यों में भागीदारी रहेगी। करियर और कारोबार में भी सफलता मिलेगी। मकर संक्रांति के दिन दूध, सफेद तिल, सफेद रंग के कपड़े आदि चीजों का दान करें। शनिदेव की कृपा अवश्य ही बरसेगी।

मकर एवं कुंभ राशि

मकर और कुंभ राशि के स्वामी के देवता शनिदेव हैं और आराध्य भगवान शिव हैं। मकर संक्रांति तिथि पर सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। अतः मकर राशि के जातकों पर सूर्य देव की भी कृपा बरसेगी। सनातन शास्त्रों में निहित है कि मकर संक्रांति तिथि पर सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से मिलने उनके घर थे। इस शुभ अवसर पर शनिदेव ने काले तिल से अपने पिता का स्वागत किया था।

मकर संक्रांति पर काले तिल का दान करने से साधक पर शनिदेव मेहरबान रहते हैं। उनकी कृपा से हर काम में सफलता मिलती है। मकर संकांति तिथि से जीवन में खुशियों का आगमन रुके काम पूरे होंगे। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। आय में भी बढ़ोतरी होगी।

मकर संक्रांति के खास मौके पर लगाएं आस्था की डुबकी, मिलेगा अक्षय पुण्य

मकर संक्रांति का पर्व, हिंदू में विशेष महत्व रखता है। इस दिन पर गंगा स्नान का भी काफी महत्व माना गया है। इस शुभ अवसर पर गंगा समेत देशभर के कई पवित्र नदियों के तट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान-ध्यान करते हैं।

मकर संक्रांति का शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति के दिन शुभ मुहूर्त इस प्रकार रहने वाला है, जिसमें आप स्नान-दान करके शुभ फलों की प्राप्ति कर सकते हैं।

मकर संक्रांति पुण्य काल - सुबह 07 बजकर 33 मिनट से शाम 06 बजकर 56 मिनट तक

मकर संक्रांति महा पुण्य काल - सुबह 07 बजकर 33 मिनट से सुबह 09 बजकर मिनट तक

मकर संक्रांति का क्षण - सुबह 07 बजकर 33 मिनट तक

संक्रांति करण - बालव

संक्रांति नक्षत्र - पुनर्वसु

होती है पुण्य फलों की प्राप्ति

मकर संक्रांति के दिन पर प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान दूसरा अमृत स्नान किया जाएगा। इस स्थान तीर्थ राज के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में अगर आप मकर संक्रांति के दिन त्रिवेणी संगम में स्नान करते हैं, तो इससे आपको पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

जरूर लगाएं डुबकी

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर हरिद्वार में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को है। ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रांति के गंगा में आस्था की डुबकी लगाने से साधक को पुण्य लाभ मिलते हैं। ऐसे में आप मकर संक्रांति के दिन हरिद्वार की यात्रा का भी प्लान बना सकते हैं।

मिलता है अक्षय पुण्य

मकर संक्रांति के मौके पर दूर-दूर से वाराणसी में गंगा स्नान और काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति पर गंगा स्नान करने से श्रद्धालुओं को अक्षय पुण्य (कभी न खत्म होने वाला पुण्य) मिलता है। साथ ही जाने-अनजाने में किए गए पापों से भी मुक्ति मिलती है।

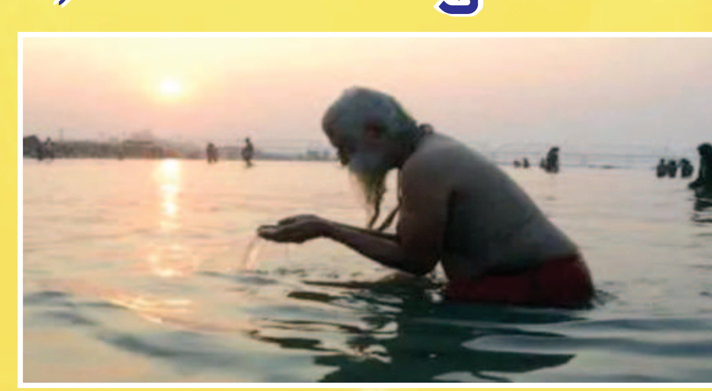

उठा हैं पुण्य स्नान का लाभ

पश्चिम बंगाल का गंगासागर भी एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। मकर संक्रांति के मौके पर हुगली नदी के संगम पर मेला भी लगता है।

ऐसे में आप मकर संक्रांति पर बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्नान का लाभ भी उठा सकते हैं।

इन में भी कर सकते हैं स्नान

केवल गंगा ही नहीं, बल्कि मकर संक्रांति के मौके पर आप नर्मदा नदी में भी स्नान कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसी के साथ मकर संक्रांति पर गोदावरी नदी में भी स्नान करने पर साधक को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मकर संक्रांति को समाप्त होगा खरमास फिर से शुरू होंगे मांगलिक कार्य

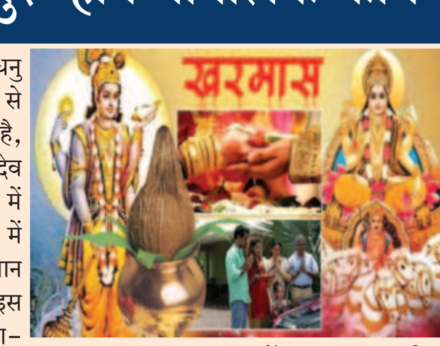

खरमास को धनु संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस दिन पर सूर्य देव बृहस्पति की राशि धनु में प्रवेश करते हैं। इस अवधि में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाता है। ही इस अवधि में सूर्य देव की पूजा-अर्चना करना काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि साल 2025 में कब से शुभ कार्यों की शुरू किए जा सकेंगे।

इस दिन समाप्त होगा खरमास

रविवार, 15 दिसंबर 2024 से खरमास की शुरुआत हुई थी, जिसका समापन 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति के दिन होने जा रहा है। मकर संक्रांति वह दिन है, जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। ऐसे में इस दिन के बाद से शुभ व मांगलिक कार्य किए जा सकेंगे।

कर सकेंगे ये काम

खरमास की समाप्ति के बाद धार्मिक व कार्य जैसे वैवाहिक कार्यक्रम, मुंडन संस्कार, गृह प्रवेश, जनेऊ संस्कार आदि किए जा सकेंगे। इसी के साथ खरमास की समाप्ति के बाद नया वाहन, घर या प्रॉपर्टी खरीदना या फिर नए काम की शुरुआत करना भी शुभ होता है।

खरमास में क्या करना चाहिए

खरमास में रोजाना सूर्य देव जल जरूर अर्पित करना भी काफी लाभदायक माना जाता है। इसी के साथ खरमास में दान-पुण्य करना बहुत ही पुण्यकारी होता है। ऐसे में आप इस माह में गुड़, मूंगफली, गर्म कपड़े, कंबल आदि का दान कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इस तरह करें सूर्य देव की पूजा

* सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लें।
* इसके बाद एक तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें लाल फूल और रोली मिलाएं।
* अब सूर्य देव की तरफ यानी पूर्व दिशा में अपना मुख कर जल अर्पित करें।
* जल की गिरती धार के साथ सूर्य की किरणों देखते रहें।
* इस दौरान ॐ सूर्याय नम: का जप भी करते रहें।

संक्रांति पर कर लें 7 मंत्रों का जप, दूर हो जाएंगे सभी संकट

सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। सूर्य देव 14 जनवरी को राशि परिवर्तन इस शुभ अवसर पर मकर संक्रांति मनाई जाएगी। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इसके बाद जगत के पालहार भगवान शिव, विष्णु जी और सूर्य देव की पूजा हैं। धार्मिक मत है कि मकर संक्रांति तिथि पर सूर्य देव की उपासना करने से साधक को आरोग्य जीवन का वरदान प्राप्त होता है। ज्योतिष भी करियर और में सफलता पाने के लिए सूर्य देव की पूजा करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी जीवन में व्याप्त संकटों से निजात पाना चाहते हैं, तो मकर संक्रांति तिथि पर पूजा के समय इन मंत्रों का जप अवश्य करें।

सूर्य मंत्र -1.एहि सूर्य सहस्रांशो जगत्पते।
अनुकम्पय मां देवी गृहाणार्घ्यं दिवाकर ।।
2. जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम ।
तमोंरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोस्मि दिवाकरम ।।
3. ऊँ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यण्च ।
हिरण्य़येन सविता रथेन देवो याति भुवनानि पश्यन ।।
4. ऊँ आदित्याय विदमहे दिवाकराय धीमहि तन्न: सूर्य: प्रचोदयात ।।
5. सूर्य अष्टोत्तर शतनामावली स्तोत्रम्
भगस्त्वष्टा पूषार्क: सविता रवि: ।
गभस्तिमानज: कालो मृत्युर्धाता प्रभाकर: ।।
पृथिव्यापश्च तेजश्च खं वयुश्च परायणम ।
सोमो बृहस्पति: शुक्रो बुधोंड्गारक एव च ।।
इन्द्रो विश्वस्वान दीप्तांशु: शुचि: शौरि: शनैश्चर: ।
ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वरुणो यम: ।।
वैद्युतो जाठरश्चाग्निरैन्धनस्तेजसां पति: ।
धर्मध्वजो वेदकर्ता वेदाड्गो वेदवाहन: ।।
कृतं तत्र द्वापरश्च सर्वमलाश्रय: ।
कला काष्ठा मुहूर्ताश्च क्षपा यामस्तया क्षण: ।।
संवत्सरकरोश्वत्थ: कालचक्रो विभावसु: ।
पुरुष: शाश्वतो योगी व्यक्ताव्यक्त: सनातन: ।।
कालाध्यक्ष: प्रजाध्यक्षो विश्वकर्मा तमोनुद: ।
वरुण सागरोंशुश्च जीमूतो जीवनोंरिहा ।।
भूताश्रयो भूतपति: सर्वलोकनमस्कृत: ।
स्रष्टा संवर्तको वह्नि सर्वलोकनमस्कृत: ।।
अनन्त कपिलो भानु: कामद: सर्वतो मुख: ।
जयो विशालो वरद: सर्वधातुनिषेचिता
मन: सुपर्णो भूतादि: शीघ्रग: प्राणधारक: ।
धन्वन्तरिर्धूमकेतुरादिदेवोंअदिते: सुत: ।।
द्वादशात्मारविन्दाक्ष: पिता माता पितामह: ।
स्वर्गद्वारं प्रजाद्वारं मोक्षद्वारं त्रिविष्टपम ।।
देहकर्ता प्रशान्तात्मा विश्वात्मा विश्वतोमुख: ।
चराचरात्मा सूक्ष्मात्मा मैत्रेय करुणान्वित: ।।
एतद वै कीर्तनीयस्य सूर्यस्यामिततेजस: ।
नामाष्टकशतकं चेदं प्रोक्तमेतत स्वयंभुवा ।।
6. नमः सूर्याय शान्ताय सर्वरोग निवारिणे आयुररोग्य मैस्वैर्यं देहि देवः।।
7. ॐ सप्त-तुरंगाय विद्महे सहस्र-किरणाय धीमहि तन्नो रविः प्रचोदयात् ।।

बॉलीवुड की पहली फिल्म जिसे मिला 'A' सर्टिफिकेट, लीड रोल में थीं मधुबाला

भारतीय फिल्मों में किसिंग सीन और वल्गेरिटी को परोसना अब बेहद कॉमन बात हो गई है, हर साल दर्जनों फिल्म्स जिन्हें मिला है, वो सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हो रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड कौनसी वो पहली फिल्म थी, जिसे CBFC ने 'A' सर्टिफिकेट दिया था?

क्यों 'हंसते आंसू' बनी भारत की पहली 'A' रेटेड फिल्म

बॉलीवुड की पहली 'अ' रेटेड फिल्म साल 1950 में यानी आज से लगभग 75 साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का नाम 'हंसते आंसू' था। जिसे केबी लाल ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म को फैमिली कॉमेडी ड्रामा कहा गया था, लेकिन उइऋउ ने इसे एडल्ट कंटेंट वाली लिस्ट में रखा था। इस फिल्म में मधुबाला को लीड रोल मिला था, और उस वक्त उनकी उम्र महज 16 साल थी। इस फिल्म मधुबाला के साथअसाथ मोतीलाल, मनोरमा और गोप भी अहम किरदार में थे। वहीं फिल्म जब उइऋउ के पास सर्टिफिकेशन के लिए पहुंची, तो बोर्ड ने 'हंसते आंसू' फिल्म को 'अ' सर्टिफिकेट दिया, क्योंकि फिल्म में घरेलू हिंसा दिखाने के साथ ही डबल मीनिंग टाइटल देने के चलते ये फैसला गया था। इसी वजह से 'हंसते आंसू' भारत की पहली 'A' रेटेड फिल्म बनी।

'हंसते आंसू' फिल्म की कहानी ये थी

'हंसते आंसू' फिल्म की कहानी ऊषा नाम की लड़की के इर्दअगिर्द धूमती हुई है, जिसमें ऊषा का पति कुमार उसका शारीरिक शोषण करता है। जिससे परेशान होकर ऊषा का घर छोड़ देती है, और महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ साथ ही उनके अधिकारों के लिए लड़ती दिखती है। उस दौर में इस तरह की फिल्में बनाना बेहद चुनौतीपूर्ण होता था। फिल्म में ऊषा एक फैक्ट्री में काम करती है। जिसे देखकर कई दर्शकों ने आरोप लगाया कि महिलाओं को गलत तरीके से दिखा रही है, जो पारिवारिक मूल्यों पर हमला है।

फिल्म को लेकर कई विवाद खड़े हुए, बावजूद इसके 'हंसते आंसू' ने बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी के झंडे गाड़े, और ताबड़तोड़ कमाई की। ये फिल्म कई तक सिनेमाघरों में लगी रही, और जिसे देखने के लिए दर्शकों का बड़ा हुजूम उमड़ता था

अक्षय की स्काई फोर्स के गाने में नहीं दिया क्रेडिट

गुस्साए मनोज मुंतशिर ने दे डाली लीगल एक्शन की धमकी

अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया स्टारर फिल्म 'स्काई फोर्स' अभी रिलीज भी नहीं हुई है, और उससे पहले ही फिल्म पर विवादों के बादल छा रहे हैं। गीतकार और स्क्रीनराइटर मनोज मुंतशिर ने फिल्म मेकर्सों पर गाने में क्रेडिट देने को लेकर नाराजगी जताई है, उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म के निर्माता, जियो स्टूडियो, दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स और सारेगामा ग्लोबल को कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी तक दे डाली है।दरअसल, जियो स्टूडियो ने 7 जनवरी को सोशल मीडिया पर फिल्म के एक सॉन्ग का एक टीजर शेयर किया था। जिसे बी-प्राक ने गाया है, और तनिष्क बागची ने उसमें म्यूजिक दिया है। अब इसमें उन दोनों को क्रेडिट तो दिया है, लेकिन मनोज मुंतशिर का इसमें कोई जिक्र नहीं है। हालांकि इस पोस्ट के कैप्शन में उन्हें टैग जरूर किया है, और इसी वजह से ये पूरा बखेड़ा खड़ा हो गया। जिससे नाराज मनोज मुंतशिर ने गुस्से में पोस्ट कर कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दे डाली।

मनोज मुंतशिर ने अपने में लिखा, 'प्लीज इस बात पर ध्यान दीजिए, जियो स्टूडियो, मैडॉक फिल्म, सारेगामा ग्लोबल, कि इस गाने को न सिर्फ गाया गया है और कम्पोज किया गया है, बल्कि इसे किसी ऐसे व्यक्ति ने लिखा है, जिसने इसके लिए अपना सारा खून-पसीना बहा दिया है, शुरुआती क्रेडिक से राइटर नाम हटाना मेकर्स की तरफ से आर्टिस्ट को बेइज्जत करने जैसा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए लिखा यदि इस गलती को फौरन नहीं सुधारा गया, जिसमें कल रिलीज होने वाला मेन सॉन्ग भी शामिल है, तो मैं इस गाने को रिजेक्ट कर दूंगा, और ये फैसला लूंगा, कि मेरी देश के कानून के सामने सुनी जाए। बहुत ही शर्मनाक है ये, और ये पोस्ट उन्होंने मेकर्स और प्रोडक्शन हाउसेस को टैग करते हुए लिखी है। बता दें, 24 जनवरी को फिल्म 'स्काई फोर्स' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। जिसमें, अक्षय कुमार, निमरत कौर जैसे स्टारकास्ट है। फिल्म वीर पहाड़िया की पत्नी के रूप में सारा अली खान नजर आएंगी, तो अक्षय कुमार भारतीय वायुसेना के अधिकारी की भूमिका में दिखेंगे, निमरत कौर भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी।

मशहूर फिल्ममेकर प्रीतीश नंदी का 73 साल की उम्र में हुआ निधन

बॉलीवुड से एक दुख भरी खबर सामने आ रही है। दरअसल मशहूर फिल्ममेकर प्रीतीश नंदी का 73 साल की उम्र में निधन हो गया है। इस बात की पुष्टि खुद एक्टर अनुपम खेर ने की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रीतीश के लिए एक पोस्ट शेयर करते हुए अपना दुख जाहिर किया है। एक्टर अनुपमा खेर ने लिखा है। अपने सबसे प्रिय और करीबी दोस्त के निधन की खबर से मुझे गहराई से झटका लगा है। अद्भुत कवि, लेखक, फिल्म निर्माता, एक बहादुर और अद्वितीय संपादक और पत्रकार। मुंबई में मेरे शुरुआती में वह मेरा सपोर्ट सिस्टम और ताकत का सबसे बड़ा स्रोत थे। हम दोनों में ऐसी कई चीजें थीं, जो कॉमन थीं। वह एक बहुत ही निडर इंसान थे, जो जिंदगी से भी बड़े थे।

अनुपम खेर के सबसे अच्छे दोस्त थे प्रीतीश नंदी

अनुपम खेर ने आगे लिखा, मैंने कई सारी चीजें सीखी हैं। पिछले कुछ समय से हम दोनों की अधिक मुलाकात नहीं हो पा रही थी। लेकिन एक समय ऐसा था, जब हमें अलग करना काफी मुश्किल था। मैं यह बिल्कुल नहीं भूल सकता, जब उन्होंने मुझे फिल्मफेयर के कवर पर जगह देकर सरप्राइज किया और सबसे जरूरी द इलिस्ट्रेटिड वीकली में। वह यारों के यार थे। मैं आपको और एक-साथ बिताए उन पलों को जरूर मिस करूंगा मेरे दोस्त।' अनुपम खेर के इस पोस्ट पर लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि फिल्ममेकर प्रीतीश नंदी के निधन पर एक्ट्रेस नीना गुप्ता और अनिल कपूर ने भी शोक जाहिर किया है। अनिल कपूर ने लिखा, 'मेरे प्रिय मित्र प्रीतीश नंदी के निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। एक निडर संपादक, एक बहादुर आत्मा और अपनी बात के व्यक्ति, उन्होंने हमेशा ही अपनी ईमानदारी का परिचय दिया।

दिल में विवादित दृश्य को लेकर आमिर खान ने मुझे पागल कहा था: इंद्र कुमार

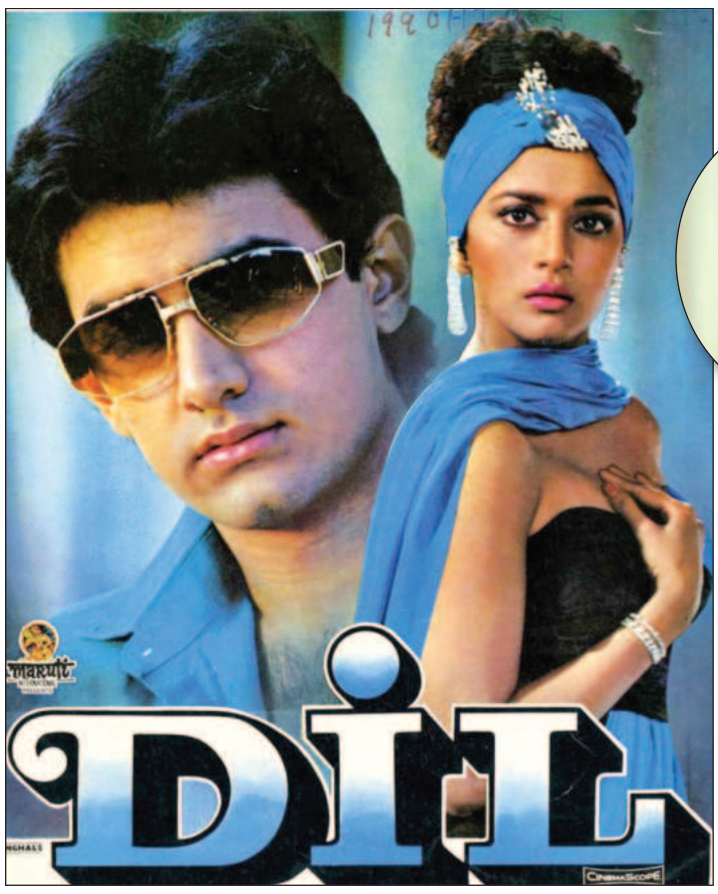

मस्ती और धमाल सीरीज में अपने काम के लिए मशहूर बॉलीवुड फिल्म निर्माता इंद्र कुमार ने हाल में एक इंटरव्यू में आमिर खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में जानकारी साझा की। निर्देशक, जिन्होंने 1990 की फिल्म दिल में आमिर के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी, जिसमें माधुरी दीक्षित भी थीं, ने याद किया कि अभिनेता को फिल्म के एक दृश्य के बारे में संदेह था। आमिर खान और इंद्र कुमार ने पहली बार फिल्म मन के लिए साथ काम किया था। सिद्धार्थ क न्नन के साथ बातचीत में, इंद्र कुमार ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण थे जहाँ आमिर खान की सहज प्रवृत्ति गलत साबित हुई।

दिल के एक का उदाहरण देते हुए, जिस पर अभिनेता को शुरू में संदेह था लेकिन अंततः फिल्म में यह सफल साबित हुआ, इंद्र ने कहा, दिल में एक दृश्य था जिसके बारे में आमिर ने अपने साक्षात्कारों में बात की थी; वह दृश्य जिसमें वह एक छड़ी तोड़ता है और शादी लेता है। आमिर आश्वस्त नहीं थे। उन्होंने कहा, 'इंदु तू पागल हो गया है, स्टूल तोड़ के कोई शादी करता है?' उन्होंने कहा, यह एकमात्र ऐसा समय था जब हमारे बीच असहमति थी। सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक हम सीन पर चर्चा करते रहे। मैंने आमिर कहा कि मैं अपनी जान की बाजी लगाने के लिए तैयार हूं और दर्शक इस सीन पर तालियां बजाएंगे। और मैं सही था। मुझे लगा कि मन चलेगा, लेकिन मैं गलत था। ऐसा ही है। 1990 में रिलीज़ हुई फ़िल्म दिल एक बड़ी हिट फ़िल्म थी जिसमें आमिर ख़ान माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में थे। इसे इसके संगीत और कहानी के लिए याद किया जाता है।

रेड ब्लेजर पहन तारा सुतारिया हॉट नजर आई

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने बोल्ड लुक्स को लेकर ज्यादा चर्चाओं में रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। इन फोटोज में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस तारा सुतारिया आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने लुक्स से फैंस को कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग और बॉसी लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।तारा सुतारिया की इन फोटोज आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर का ब्लेजर पहना हुआ है, एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न उनका हर एक लुक फैंस के बीच चर्चाओं में रहता है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं हैं।

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार, अगस्त्य नंदा के साथ बनी जोड़ी

अभिनेता अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। काफी समय से वह अपनी पहली फिल्म इक्कीस को लेकर सुर्खियां रही हैं।इस फिल्म में सिमर की जोड़ी अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ बनी है। द आर्चीज के बाद यह उनके करियर की दूसरी फिल्म है।इक्कीस सिमर और अगस्त के बीच पहला सहयोग है, जिसे लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। आइए बताते हैं आखिर सिमर कौन हैं।सिमर अक्षय की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। अलका भी जानी-मानी फिल्म निर्माता हैं।वह अब तक अपने भाई अक्षय के साथ कई फिल्में बना चुकी हैं, जिनमें हॉलिडे, रुस्तम, एयरलिफ्ट, केसरी और अन्य शामिल हैं। हालांकि, वो मीडिया के कैमरों से हमेशा दूर रही हैं।बता दें कि सिमर सोशल पर काफी सक्रिय रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 13 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वह अपनी बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती हैं।सिमर एक बाहरी की तरह बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। यही वजह है कि उनकी पहली फिल्म को लेकर पहले कोई हो-हल्ला नहीं हुआ।इक्कीस निर्देशन की कमान श्रीराम राघवन ने संभाली है। जयदीप अहलावत और धर्मेंद्र भी इस फिल्म का अहस हिस्सा हैं।अगस्त्य फिल्म में अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाते नजर आएंगे और धर्मेंद्र फिल्म में उनके पिता की भूमिका निभा रहे हैं।यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 10 जनवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 10:22 तक
नक्षत्र : कृतिका दोपहर 01:46 तक
योग : शुभ दोपहर 02:36 तक
करण : विष्टि प्रातः 10:22 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 05:58 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 05:51 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें दिन विशेष : पुत्रदा–वैकुंठ एकादशी व्रत , धनुर्मास चालू है , भद्रा प्रातः 10:22 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
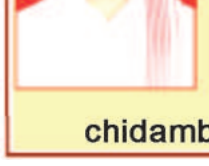
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में आईटीआई केंद्रों का काला सच

ट्रेनिंग की बजाय कहीं गेहूं की खेती तो कहीं हो रहा मुर्गी पालन !

जयपुर,09 जनवरी (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार में आईटीआई केंद्रों की बदहाली खुलासा हुआ है । किसी आईटीआई केंद्र में गेहूं की खेती हो रही है, तो किसी आईटीआई केंद्र में पोल्ट्री फॉर्म चल रहा है । वहीं किसी आईटीआई केंद्र में स्कूल चल रहा है । जी हां बीते दिनों राजस्थान कौशल और आजीविका विकास निगम की टीमों ने मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 1357 निजी आईटीआई केंद्रों का औचक निरीक्षण किया । इस निरीक्षण के दौरान 182 आईटीआई केंद्रों पर गंभीर अनियमितताएं देखी गई ।

आरएसएलडीसी के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान 35 आईटीआई केंद्रों के तो मौके भवन ही नहीं मिले । जबकि 184 आईटीआई केंद्र बंद मिले । वहीं 79 आईटीआई केंद्रों में छात्र–छात्राओं की ट्रेनिंग के बजाए अन्य गतिविधियां चल रही थी । जैसे कहीं गेहूं का काम हो रहा था । कहीं पोल्ट्री फॉर्म चल रहा था । वहीं किसी आईटीआई केंद्र में चल रहा था । जबकि 103 आईटीआई केंद्र ऐसे थे, जहां भवन तो था, लेकिन वहां मौके पर कोई नहीं मिला । जबकि 15 आईटीआई केंद्रों ने निरीक्षण करवाने से मना करवा दिया ।

शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि कुल 415 आईटीआई केंद्रों को नोटिस जारी गया है। इन सभी केंद्रों से 20 दिनों के अंदर अनियमितताओं को लेकर जवाब मांगा गया है । उन्होंने बताया कि अगर विभाग को संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो आईटीआई केंद्रों की सरकार से मान्यता निरस्त की जा सकती है ।

सीएम भजनलाल शर्मा के प्रयास लाए रंग

प्रदेश को 5 हजार मेगावाट का मिला अतिरिक्त आवंटन

जयपुर,09 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट–ए के अंतर्गत 5 हजार मेगावाट के अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सौर के क्षेत्र में अग्रणी राज्य होने के दृष्टिगत केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी को पत्र लिखकर पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत अतिरिक्त आवंटन का अनुरोध किया था। साथ ही, हाल ही में मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात के दौरान इस संबंध चर्चा की थी।

राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में पीएम कुसुम योजना के क्रियान्वयन को जमीन स्तर पर गति मिल रही है। वहीं सोलर संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रदेश को हुए अतिरिक्त आवंटन का यह निर्णय वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के सरकार के संकल्प को पूरा करने की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

चिकित्सा विभाग में मिशन मोड में भर्तियां

नर्सिंग ऑफिसर के 7674 अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जारी

जयपुर,09 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर भर्तियों के कार्य को मिशन मोड में पूरा किया जा रहा है। रिकॉर्ड समय में 7 कैडर के 17 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण किया गया है। चिकित्सा विभाग ने गुरूवार को पारदर्शी तरीके से राज हैल्थ पोर्टल के माध्यम से ऑफिसर के 7 हजार 674 अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जारी कर दिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसी कड़ी में नर्सिंग ऑफिसर के 7674 अभ्यर्थियों के आदेश आज जारी किए गए हैं।

निदेशक अराजपत्रित राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के माध्यम से 8 कैडर के करीब 20 हजार 546 पदों पर नियमित भर्ती का कार्य किया जा रहा है। मिशन मोड में कार्य करते हुए अल्प समय में कैडर दंत तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, लैब टेक्नीशियन, नेत्र सहायक, सहायक रेडियोग्राफर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं नर्सिंग ऑफिसर के करीब 17 हजार पदों पर भर्ती का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि 20 हजार 546 पदों में से अब केवल फार्मासिस्ट कैडर की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होना है, जिसे जल्द पूरा किए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

विजय सिंह दहिया को बनाया अम्बाला जिले का प्रभारी

चंडीगढ़,09 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार मुद्रण एवं लेखन सामग्री तथा पशुपालन विभागों के आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा अम्बाला जिले का प्रभारी नियुक्त किया है।

मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, विजय सिंह दहिया 25 करोड़ रुपये और इससे अधिक लागत की परियोजनाओं, अपराध और जघन्य की घटनाओं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और 19 के अंतर्गत मंजूरी के संदर्भ में सतर्कता मामलों, सेवा का अधिकार अधिनियम के प्रावधान अनुसार सेवा वितरण तंत्र की प्रभावकारिता एवं कार्यप्रणाली तथा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्रों की कार्यप्रणाली के मापदंडों की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा, वे के समक्ष करों, जीएसटी आदि के संबंध में आ रही बाधाओं की भी समीक्षा करेंगे।

हमें तो सड़क पर खड़ा कर दो, हम तो वहीं काम कर लेते हैं : विज

चण्डीगढ,09 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कर्मचारियों के स्थानातंरण अधिकार के संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मंत्री सरकार का हिस्सा होते हैं और मंत्री ही क्या बल्कि विधायक का भी प्रोटोकॉल मुख्य सचिव से ऊपर का होता है वह ऊपर ही होना चाहिए।

विज ने यह गत दिवस पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के गुरूग्राम के आवास पर पत्रकारों द्वारा कुछ मंत्रियों के पास स्थानातंरण अधिकार होने के बारे में मुख्यमंत्री से डिमांड करने, और मुख्यमंत्री द्वारा इसे नकारने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में दी।

इसी प्रकार, जनता दरबार में जो लोग समस्याएं लेकर आते हैं और उनकी समस्याओं को आप सुनते हो और उनसे बात करते हो और उनकी समस्याओं का समाधान करने के उपरांत क्या अनूभूति होती है, संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब में विज ने कहा कि ''जनता दरबार पहले सारे हरियाणा के लिए लगाया जाता था, अब मैंने प्रदेश के लिए जनता दरबार बंद कर दिया है क्योंकि मुख्यमंत्री जी ये सब काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब हर सोमवार को अंबाला छावनी के लिए जनता कैंप आयोजित किया जाता हैं। पत्रकार द्वारा दोबारा से जनता दरबार आयोजित करने के संबंध में पूछने पर उन्होंने पुनः कहा कि मैंने प्रदेश का जनता दरबार बंद कर दिया है क्योंकि पूरे प्रदेश का मुख्यमंत्री जी देख रहे हैं।

कांग्रेस नेता अनर्गल बयानबाजी कर जनता को कर रहे हैं गुमराह :बेढ़म

जयपुर,09 जनवरी (एजेंसियां)। गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कांग्रेसी नेताओं पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व कभी से सोना निकालता है तो कभी काली दाल–पीली दाल में अंतर तक नहीं कर पाता। ऐसे में जिस तरह केंद्रीय नेतृत्व सारहीन बातें करता है, ठीक उसी तर्ज पर प्रदेश के कांग्रेसी नेताओं की मति भी भ्रमित हो गई और ये लोग जनता को गुमराह करने का प्रयास कर है। कांग्रेसी नेता अपनी उपस्थिति

दर्ज कराने के लिए जनता को गुमराह करते हुए बयानबाजी कर रहे है। एसआई भर्ती को लेकर कांग्रेसी नेता लगातार बयानबाजी कर रहे है, इससे यह तो साबित हो गया कि पुर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई एसआई भर्ती में गडबड़ी हुई। यह भर्ती मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है इस लिए इसके संबंध में कुछ कहना उचित नहीं होगा। हम भ्रष्टाचार मुक्त शासन, अपराध मुक्त राजस्थान और विकास की दृष्टि से नंबर वन राजस्थान बनाएंगे।

कांग्रेस उम्मीदवार सर्व मित्र का बड़ा खुलासा

ईवीएम चेकिंग पर चुनाव आयोग पर आरोप

सिरसा,09 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के रानियां हल्के के कांग्रेस उम्मीदवार सर्व मित्र ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चुनाव आयोग ने ईवीएम चेकिंग और वेरिफिकेशन के नाम पर उन्हें किया और उनकी मांग के बावजूद सिर्फ मॉक पोल दिखाया गया। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग को मॉक पोल ही दिखाना था तो पहले ही उन्हें बताया जाना चाहिए था, ताकि उनका समय और पैसा बर्बाद न होता।

सर्व मित्र ने रानियां विधानसभा चुनाव के दौरान 9 बूथों री काउंटिंग की मांग की थी, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने अब इस मामले को लेकर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाने की बात की है। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन भी नहीं किया।

विधानसभा चुनाव में इनेलो उम्मीदवार अर्जुन चौटाला को 43,914 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार सर्व मित्र को 39,723 वोट मिले थे। सर्व मित्र 4,191 वोटों से हार गए थे।ईव्हीएम की चेकिंग के लिए आज रानियां में एक बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार सर्व मित्र, विधायक अर्जुन और जिला निर्वाचन अधिकारी शांतनु शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रक्रिया में करीब 4 घंटे तक हंगामा चलता रहा।

वहीं, विधायक अर्जुन चौटाला ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दूसरों को गुमराह किया और अपनी हार के लिए ईएमव्ही को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि कांग्रेस के नेता हार को नहीं पचा पा रहे हैं और अब ईव्हीएम पर आरोप लगा रहे हैं।

जिला चुनाव विभाग के कानूनगो देवेंद्र कुमार ने बताया कि सर्व मित्र की शिकायत पर ईव्हीएम की चेकिंग की गई, लेकिन सर्व मित्र ने प्रक्रिया को बीच में ही करवा दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों के तहत ईवीएम का पुराना डाटा डिलीट किया जाता है, और उसी आधार पर वोट डाले जाते हैं। अब प्रक्रिया को दोबारा से शुरू नहीं किया जाएगा।

छोटी जोत वाले किसान भी अच्छी आमदनी अर्जित करें : नायब सिंह

चंडीगढ़,09 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार किसानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा ध्येय है कि किसानों की आमदन बढ़े और किसान आर्थिक रूप से समृद्ध बने। प्रदेश के 70 प्रतिशत किसान ऐसे हैं, जिनके जमीन कम है। इसलिए उनके उत्थान के लिए भी खास रणनीति बनानी होगी। साथ ही किसानों को अधिक मुनाफा मिले, इसके लिए भी बजट में प्रावधान करने होंगे, ताकि किसानों को मजबूत बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री किसानों के उत्थान को लेकर आज जिला हिसार में बजट पूर्व परामर्श बैठक तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रगतिशील किसानों से सुझाव ले रहे थे। इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक विनोद भ्याणा और रणधीर पनिहार भी उपस्थित थे। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने वन टू वन किसानों संवाद किया। पहले सेशन में 52 से ज्यादा सुझाव किसानों की तरफ से सुझाए गए। इसमें प्रगतिशील किसानों के अलावा कृषि विशेषज्ञ भी शामिल थे। दूसरे सेंशन में एफपीओ से जुड़े किसानों से चर्चा हुई। एफपीओ की फेडरेशन से जुड़े सदस्यों ने भी अपने सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की चर्चा में जो सुझाव आए हैं, उन्हें बजट में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के लिए खास तौर पर काम कर रही है। सरकार इस बात पर ध्यान दे रही है कि किसान की आमदन कैसे बढ़े, किसान कैसे मजबूत हो। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जीडीपी में 18 प्रतिशत योगदान कृषि क्षेत्र से है। हमारी सोच है कि किसानों के लिए कुछ ऐसे कदम उठाए जाएं जिससे छोटी जोत वाले किसान की अच्छी आमदनी ले इसी कड़ी में ई–मंडी और दूसरे विकल्प बनाये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले पैदावार को मंडी में ले जाना चुनौती भरा काम था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज देश और प्रदेश में सड़क–रेल कनेक्टिविटी का नेटवर्क मजबूत हुआ है। अब फसल को इस स्थान से दूसरे स्थान ले जाना आसान हो गया है। पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने तरक्की की है। आज हम किसानों के लिए नई नई पहल कर रहे हैं। इसी कड़ी में किसानों के लिए सरकार ऑर्गेनिक खेती को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने खेती की दिशा में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भी तारीफ की।

मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि किसान फसल विविधीकरण को अपनाएं। परंपरागत खेती की बजाय विविधीकरण से किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। ही, किसान मोटे अनाज के उत्पादन को भी बढ़ावा दें। प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज को विश्व पटल पर पहुंचाने के लिए प्रयास किये हैं। उन्होंने इस दौरान हिसार के स्याहड़वा में होने वाली स्ट्रॉबेरी खेती का जिक्र करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के किसान स्ट्रॉबेरी के लिए बहुत कर रहे हैं। इसी प्रकार से सिरसा के एरिया में किन्नू होते हैं। उन्होंने कहा कि किसान को इस प्रकार की परंपरागत खेती से हट कर कुछ अलग करना होगा, तभी किसान अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। मुख्यमंत्री कहा कि हरियाणा के वर्ष 2025–26 के आम बजट से सम्बंधित सुझाव के लिए प्रदेश सरकार ने पोर्टल बनाया है। इस पोर्टल पर आम नागरिक और प्रगतिशील किसान या एफपीओ से जुड़े प्रतिनिधि अपने सुझाव दे सकते हैं। इन सुझावों को बजट में शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

बिहार के मछली पालकों के लिए खुशखबरी

नीतीश सरकार अब कैंप लगाकर बांटेगी मत्स्य विपणन किट

पटना (एजेंसियां)। बिहार सरकार में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मत्स्य विभाग के निदेशक मत्स्य के साथ विभागीय पदाधिकारी, मत्स्य विपणन किट आपूर्तिकर्ता और एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य राज्य में मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना के तहत मत्स्य विपणन किट वितरण की अद्यतन प्रगति और आगामी लक्ष्यों पर चर्चा करना था। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2024-25 के दौरान मत्स्य विपणन किट वितरण के लिए कुल 14,032 लक्ष्यों में से अब तक बड़ी संख्या में लाभुकों को

किट वितरित किया जा चुका है। इसके बावजूद शेष लक्ष्यों को शीघ्रता से पूरा करने के लिए जिला मत्स्य पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शीघ्रता से प्रत्येक जिले में शिविर लगाकर मत्स्य विपणन किट का वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य मत्स्य विक्रेताओं को सशक्त बनाना है, ताकि राज्य में मत्स्य व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके। इसको लेकर आपूर्तिकर्ता और एजेंसियों के प्रतिनिधियों को प्रत्येक जिले में आउटलेट स्थापित करने का निर्देश दिया गया। इन आउटलेट्स में पर्याप्त संख्या में किट उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि जिला स्तर पर मांग के अनुरूप लाभुकों को समय पर किट की आपूर्ति की जा सके।

बैठक में बताया गया कि अब तक राज्य स्तर पर 13,565 लाभुकों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों की जांच तेजी से की जा रही है, ताकि पात्र लाभुकों को शीघ्र ही किट वितरित की जा सके।

इसके अतिरिक्त, चयनित लाभुकों को वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शिविर आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना का उद्देश्य राज्य में मत्स्य व्यापार को प्रोत्साहित करना और लाभुकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत मिलने वाले विपणन किट में वे सभी आवश्यक उपकरण शामिल हैं, जो मत्स्य विक्रेताओं के व्यवसाय को सुगम और लाभप्रद बनाते हैं। योजनातर्गत शेष लक्ष्यों की पूर्ति के लिए विभागीय स्तर पर समन्वय को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। आपूर्तिकर्ताओं और एजेंसियों के साथ नियमित संवाद और समीक्षा के माध्यम से वितरण प्रक्रिया को तेज करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि इस योजना के सफल क्रियान्वयन से न केवल मत्स्य व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य के मत्स्य उत्पादकों और विक्रेताओं की आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी।

राजभवन जाकर गवर्नर से मिले सीएम नीतीश कुमार

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार दोपहर अचानक राजभवन पहुंचे और करीब राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से 10 मिनट की मुलाकात के बाद निकल आए। उनके राजभवन पहुंचने से सनसनी फैल गई, हालांकि हड़कंप नहीं मचा। वह इसलिए क्योंकि इसके कुछ देर पहले उन्होंने बहुप्रतीक्षित बिहार डायरी-कैलेंडर का लोकार्पण करने के साथ ही बिहार विधान परिषद् के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से अपनी पार्टी जनता दल यूनाईटेड के प्रत्याशी ललन प्रसाद का नामांकन भी कराया था।

गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए के नेताओं के साथ बिहार विधानसभा सचिव के कक्ष में पहुंचे और बिहार विधान परिषद् उप निर्वाचन के लिए जदयू प्रत्याशी ललन प्रसाद का नामांकन दाखिल कराया। इस दौरान दोनों भाजपाई उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, जदयू कोटे के ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, भाजपा कोटे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डे, लघु जल संसाधन मंत्री व हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन के साथ ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री रत्नेष सादा, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी आदि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सलाह के साथ खरमास के बाद एनडीए के तमाम घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष और वरीय पदाधिकारी सामूहिक यात्रा पर निकलने वाले हैं। जिला से लेकर बूथ स्तर तक चुनावी तैयारी एक तरह से 14 जनवरी के बाद ही शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही नीतीश कुमार मंत्रिमंडल विस्तार और एक फेरबदल भी होना है, जिसकी तैयारी अंदर-अंदर हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा की तरह राजभवन जाने की वजह नहीं बताई, लेकिन माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर तारीख तय करना भी इस छोटी-सी मुलाकात की एक वजह है।

डाक पार्सल वैन से हो रही थी शराब तस्करी कबाड़ के नीचे छिपाई गईं थी पेटियां

पटना (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्कर शराब की खेप को बिहार में लाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

हालांकि, पुलिस की सख्ती के आगे उनके ये तरीके विफल हो रहे हैं। ताजा मामला बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतु का है, जहां डाक पार्सल वैन के जरिए शराब की तस्करी हो रही थी। यूपी-बिहार सीमा पर पुलिस ने स्कैनर की मदद से इस तस्करी का भंडाफोड़ किया।

जानकारी के मुताबिक, उत्पाद विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए डाक पार्सल वैन से भारी मात्रा में शराब बरामद की। वैन में कबाड़ के ढेर के नीचे शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। जांच के दौरान पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान हरियाणा निवासी मंजीत सिंह (पिता जयवीर सिंह) के रूप में हुई है।

उत्पाद अधीक्षक आलोक कुमार ने बताया कि शराब की यह खेप हरियाणा से आरा ले जाई जा रही थी। वाहन यूपी के रास्ते बिहार में प्रवेश कर रहा था। स्कैनर से जांच के दौरान शराब की पेटियां पकड़ी गईं। पकड़े जाने पर चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही दबोच लिया।

पुलिस ने वैन से कुल 147 पेटी विदेशी शराब बरामद की, जिसकी कुल मात्रा 1,323 लीटर है। शराब को जब्त कर उत्पाद अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, गिरफ्तार चालक से पूछताछ जारी है और पुलिस इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

बक्सर पुलिस और उत्पाद विभाग ने हाल के दिनों में शराब तस्करों पर शिकंजा कस दिया है। तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर शराब की खेप बिहार पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। कभी सब्जियों की गाड़ियों में, तो कभी पार्सल वैन के जरिए तस्करी की जा रही है। लेकिन पुलिस की सतर्कता के कारण ये मंसूबे बार-बार नाकाम हो रहे हैं।

जस्टिस फॉर बादल: विरोध में हजारों लोग सड़क पर उतरे हत्यारोपी डीएसपी को बर्खास्त कर फांसी दिलाने की मांग

रोहतास (एजेंसियां)। रोहतास जिले के चर्चित बादल हत्याकांड को लेकर जनता का आक्रोश अब बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है। 'जस्टिस फॉर बादल' मुहिम के तहत गुरुवार को हजारों लोग सासाराम की सड़कों पर उतर आए। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य बादल सिंह के परिवार को न्याय दिलाना और मुख्य आरोपी, ट्रैफिक डीएसपी आदिल बिलाल को गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाना है।

हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने बाल विकास मैदान से प्रभाकर रोड, काली स्थान, कचहरी मोड़ होते हुए जिला समाहरणालय तक मार्च किया।

पूरे रास्ते प्रदर्शनकारियों ने 'बिहार पुलिस हाय-हाय,' 'कातिल डीएसपी को गिरफ्तार करो' और 'पीड़ित परिवार को न्याय दो' जैसे नारों से शहर को

गूंजा दिया। हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों के चेहरे पर गुस्सा और दुख साफ नजर आ रहा था। जिला समाहरणालय के सामने प्रदर्शनकारी सड़क पर ही बैठ गए, जिससे पुरानी जीटी रोड पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। वाहनों की लंबी कतारों और जाम के कारण लगभग दो घंटे तक शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई।

प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ को देखते हुए समाहरणालय के पास सुरक्षा कड़ी कर दी गई। सदर डीएसपी दिलीप कुमार और अनुमंडल पदाधिकारी आशुतोष रंजन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की और मामले में न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। हालांकि प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे और दो घंटे तक प्रदर्शन जारी रखा।

मुहिम के प्रमुख सदस्य राजीव रंजन सिंह उर्फ टुटुल ने बताया कि 27 दिसंबर को बादल सिंह की हत्या ट्रैफिक डीएसपी आदिल बिलाल ने की थी। उन्होंने कहा कि आज का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण है। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। यह लड़ाई केवल बादल सिंह के परिवार के लिए नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए है जो न्याय चाहता है।

प्रदर्शन के दौरान शहर की गतिविधियां ठप हो गईं। कई स्कूलों और दुकानों को बंद करना पड़ा, जबकि यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की, लेकिन उनकी सख्त मांगों के चलते समाधान फिलहाल दूर नजर आ रहा है।

बेखौफ बदमाशों ने कोर्ट मुंशी को पीट-पीट कर ली जान, शव बहियार में फेंका

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय में अपराधियों का दुस्साहस एक बार फिर सामने आया है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बहियार में कोर्ट के प्राइवेट मुंशी की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और शव को बहियार में फेंक दिया गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रहुआ गांव निवासी मनोज कुमार के बेटे शिवेश समदर्शी (25) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़ी एघू में रह रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, घटनास्थल पर पुलिस को मृतक के पास से एक क्षतिग्रस्त

मोटरसाइकिल भी मिली है। इससे संभावना जताई जा रही है कि हत्या से पहले उसे घसीटा या दौड़ाया गया होगा। मृतक के शरीर पर कई जगह गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जो अपराधियों की बर्बरता को दर्शाते हैं।

परिजनों के अनुसार, शिवेश बुधवार को घर से निकले थे। उन्होंने परिवार से कहा था कि शाम तक लौट आएंगे, लेकिन जब देर रात तक घर नहीं पहुंचे, तो परिवार ने उनका फोन मिलाया। फोन बंद आने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः परिजनों ने मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना दी। गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक शव बहियार में पड़ा है। शव की पहचान शिवेश के रूप में हुई।

घटनास्थल पर पहुंची लोहिया नगर थाना पुलिस ने मामले की प्रारंभिक जांच की। बेगूसराय एसपी मनीष कुमार ने बताया कि एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ है कि शिवेश की पीट-पीट कर हत्या की गई। अपराधियों ने हत्या के बाद शव को बहियार में फेंक दिया।

पुलिस हत्या के कारणों की जांच में जुटी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हत्या निजी रंजिश का परिणाम है या किसी अन्य विवाद से जुड़ी हुई। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतक के फोन कॉल डिटेल्स खंगाल रही है।

शिवेश की हत्या से उनके परिजन गहरे सदमे में हैं। इलाके में भी दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग अपराधियों की गिरफ्तारी और इस मामले की सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बेगूसराय एसपी मनीष कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमें सूचना मिली कि एक युवक का शव बहियार में मिला है। प्रारंभिक जांच में हत्या की पुष्टि हुई है। एफएसएल टीम सबूत जुटा रही है। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस निर्मम हत्या ने जिले में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस इस मामले को जल्द सुलझाने का दावा कर रही है।

आय से अधिक संपत्ति का मामला

प्रतिष्ठित महाविद्यालय के अकाउंटेंट के आवास पर निगरानी का छापा

औरंगाबाद (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में गुरुवार को औरंगाबाद के गंगटी में छापेमारी कर रही है। शहर के प्रतिष्ठित सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज के अकाउंटेंट मनोज कुमार सिंह के आवास पर निगरानी टीम डीएसपी शशिशेखर चौधरी के नेतृत्व में छापेमारी कर रही है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि निगरानी अन्वेषण ब्यूरो को यह शिकायत मिली थी कि औरंगाबाद के सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज के अकाउंटेंट ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। इसी शिकायत के आलोक में यह छापेमारी की जा रही है।

चाणक्य हॉस्टल में आग लगने के बाद हुआ खुलासा, नीट और पीजी के प्रवेश-पत्र के साथ जले रुपये बरामद

पटना (एजेंसियां)। पटना पीएमसीएच के चाणक्य हॉस्टल में मेडिकल छात्र अजय सिंह के कमरे में आग लगने के बाद एक नया खुलासा हुआ है। अजय सिंह के कमरे में आग बुझाने गई पुलिस और अग्निशमन की टीम से लगभग 10 से 12 लाख रुपये का 100 और 500 रुपये के जले नोट के साथ-साथ नीट और पीजी के कई प्रवेश-पत्र बरामद किये गये। इतना ही नहीं उस कमरे से आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी का एमबीबीएस का जला हुआ ओएमआर शीट और एक शराब की आधी खाली बोतल की भी बरामदगी हुई है। इस संबंध में पीरबहोर थाना प्रभारी मोहम्मद हलीम ने बताया कि जिस कमरे से यह सब बरामद हुआ है वह गार्ड का कमरा है।

चाणक्य हॉस्टल में रहने वाले मेडिकल छात्र अजय सिंह के संबंध में

पटना पुलिस का कहना है कि अजय कुमार सिंह समस्तीपुर जिले का रहने वाला है और वह किसी दूसरे डॉक्टर के नाम पर अलॉट किये हुए कमरे को कब्जा कर उसमें रह रहा है। फिलहाल वह मेडिकल का छात्र नहीं है, क्यों कि वह 2022 में पीजी पास कर चुका है। इस संबंध में केयर टेकर अनिल कुमार का कहना है कि अजय कुमार सिंह को हटाने के लिए उसके खिलाफ नोटिस भी चस्पाया गया था। कई बार कमरा खाली करने को भी कहा गया था लेकिन उसने कमरा खाली नहीं किया।

पुलिस का यह भी कहना है कि अजय कुमार नीट यूजी और एमबीबीएस सहित अन्य मेडिकल कॉलेज में दाखिला कराने के लिए स्कॉलर को बैठाता है। स्कॉलर बैठाकर अभ्यर्थियों और उसके परिजनों से मोटी रकम वसूल करता है। पुलिस का यह भी कहना है कि अजय कुमार सिंह एमबीबीएस के इंटरनल एग्जाम में भी एमबीबीएस पास आउट को बैठाकर मेडिकल स्टूडेंट को पास कराता है। घटना की सूचना मिलने के बाद टाऊन डीएसपी अशोक कुमार सिंह, पीरबहोर थाना प्रभारी मोहम्मद हलीम के साथ पीएमसीएच टीओपी प्रभारी शुभम कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com